तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद 4

प्रीति जिंटा ने स्वर्ण मंदिर में टेका मत्था, बोलीं 'बाबा जी ने बुलाया, सारे रास्ते खुल गये' 7

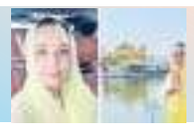

मिशन वात्सल्य व मिशन शक्ति के लिए प्रोजेक्ट एप्रूवल बोर्ड मीटिंग सम्पन्न 8

तिथि-चैत्र, शुक्ल, चतुर्दशी

सोना - 96,255

शेयर मार्केट- 75,157

चांदी- 97,100

निफ्टी- 22,828

अधिकतम -34 °c
न्यूनतम -22 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

ww.charchitrajnit.com वर्ष - 21 अंक-138 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 लखनऊ, शनिवार 12 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 मूल्य : दो रुपये

काशी मेरी और मैं काशी का हूं: प्रधानमन्त्री

मोदी ने वाराणसी में 44 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

वाराणसी/लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जनपद, वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम में लगभग 3,900 करोड़ रुपये की 44 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सम्मिलित हुए।

आज यहां लोकार्पित इन परियोजनाओं में 1,046 करोड़ रुपये की लागत से साहूपुरी, जनपद चंदौली में 400 केवी, मछलीशहर, जनपद जौनपुर में 400 केवी एवं भदौरा, जनपद गाजीपुर में 200 केवी सब स्टेशन एवं सम्बन्धित ट्रांसमिशन लाइन शामिल है। साथ ही, 653 करोड़ रुपये की लागत से लाल बहादुर शास्त्री अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट एनएच-31 पर अण्डरपास टनल का शिलान्यास तथा 584 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी में विद्युत तंत्र प्रणाली का उन्नयन एवं आधुनिकीकरण परियोजना का शिलान्यास प्रमुख रूप से शामिल है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड का वितरण किया तथा नए पंजीकृत स्थानीय वस्तुओं और उत्पादों का जीआई प्रमाण पत्र प्रदान किये।

उन्होंने बनास डेयरी से जुड़े उत्तर प्रदेश के दुग्ध आपूर्तिकर्ताओं के खातों में 106 करोड़ रुपये बोनस की धनराशि भी हस्तांतरित की। इस दौरान गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष व बनास डेयरी के चेयरमैन शंकरभाई चौधरी भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि कल हनुमान जन्मोत्सव का पावन दिन है। आज उन्हें संकट मोचन महाराज की काशी में आपके दर्शन का

- **70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड का वितरण किया**
- **काशी ने आधुनिक समय को साधा, विरासत को संजोया और उज्ज्वल बनाने की दिशा में मजबूत कदम रखे : प्रधानमंत्री मोदी**

सौभाग्य मिला है। हनुमान जन्मोत्सव से पहले, काशी की जनता आज विकास का उत्सव मनाने यहां इकट्ठी हुई है। विगत 10 वर्षों में बनारस के विकास ने एक नई गति पकड़ी है। काशी ने आधुनिक समय को साधा है, विरासत को संजोया है और उज्ज्वल बनाने की दिशा में मजबूत कदम भी रखे हैं। आज काशी, सिर्फ पुरातन नहीं, प्रगतिशील भी है। काशी अब पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे के केंद्र में है। जिस काशी को स्वयं महादेव संचालित करते हैं, आज वही काशी पूर्वांचल के विकास के रथ को खींच रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज काशी और पूर्वांचल के अनेक हिस्सों से जुड़ी विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है।

कनेक्टिविटी को मजबूती प्रदान करने वाले विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, गांव-गांव, घर-घर तक नल से जल पहुंचाने का अभियान, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं का विस्तार और हर क्षेत्र, हर परिवार, हर युवा को बेहतर सुविधाएं देने का संकल्प यह सारी बातें और परियोजनाएं, पूर्वांचल को विकसित पूर्वांचल बनाने की दिशा में मील का पत्थर बनने वाली हैं। काशी के हर निवासी को इन परियोजनाओं से भरपूर लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सामाजिक चेतना के प्रतीक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी है। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जी ने जीवन भर, नारी शक्ति के हित, उनके आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए काम किया। आज हम उनके विचारों, संकल्पों, नारी सशक्तिकरण के उनके आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए नई ऊर्जा दे रहे हैं। महात्मा फुले जैसे त्यागी, तपस्वी, महापुरुषों की प्रेरणा से ही देश सेवा का हमारा मंत्र रहा है, सबका साथ, सबका विकास। हम देश के लिए उस विचार को लेकर के चलते हैं, जिसका समर्पित भाव है, सबका साथ, सबका विकास। जो लोग सिर्फ सत्ता हथियाने के लिए, सत्ता पाने के लिए, दिन रात खेल खेलते रहते हैं, उनका सिद्धांत है, परिवार का साथ, परिवार का विकास। प्रधानमंत्री ने आज सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को साकार करने की दिशा में पूर्वांचल के पशुपालक परिवारों, विशेष रूप से मेहनतकश बहनों को बधाई देते हुए कहा कि इन बहनों ने बता दिया है कि अगर भरोसा किया जाए, तो वह भरोसा नया इतिहास रच देता है। ये बहनें अब पूरे पूर्वांचल के लिए नई मिसाल बन चुकी हैं।

आज इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के बनास डेयरी प्लाण्ट से जुड़े सभी पशुपालक साथियों को बोनस वितरित किया गया है। बनारस और बोनस, ये कोई उपहार नहीं है, यह आपकी तपस्या का पुरस्कार है। 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का यह बोनस, आपके परिश्रम का तोहफा है। बनास डेयरी ने काशी में हजारों परिवारों की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी है। इस डेयरी ने आपकी मेहनत को इनाम में बदला और सपनों को नई उड़ान दी। इन प्रयासों से, पूर्वांचल की अनेकों बहनें अब (शेष पृष्ठ 7 पर)

बनारस में गैंगरेप की घटना पर पीएम खफा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह 10 बजकर 7 मिनट पर वाराणसी पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर पहुँचते ही प्रधानमंत्री ने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल से जिस लड़की का 23 लड़कों ने गैंगरेप किया था, उसके बारे में पूछ लिया।

उन्होंने कमिश्नर से वारदात की पूरी जानकारी ली और कहा कि सभी दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। ऐसे घटना फिर से नहीं होनी चाहिए। वाराणसी में 23 लड़कों ने 7 दिनों तक ग्रेजुएशन की छात्रा के साथ गैंगरेप किया। फिर उसे सड़क पर फेंककर भाग गए। इसके बाद छात्रा बदहवास हालत में घर पहुंची थी। पुलिस ने इस मामले में अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस के मुताबिक लड़की के साथ दुष्कर्म उसे नशा कराने के बाद किया गया है।

- **एयरपोर्ट पर ही पुलिस कमिश्नर से करने लगे पूछताछ, अफसरों के फूले हाथ-पांव**

उसे पहले शराब और फिर ड्रग्स का आदी बनाया गया। दानिश ने हुक्का-बार में ले जाकर उसकी नुमाइश की। उसे अपने करीबी दोस्तों के सामने परोस दिया। 7 दिन तक पीड़िता के साथ रेप हो रहा था लेकिन परिवार के लोग इससे अनजान थे। लड़की के पिता का कहना है कि उनकी बेटी नशे के हाल में घर पहुंची थी। दो दिन तक बदहवास हाल में रही। अब तक 9 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। 4 थानों की पुलिस जुटी है। हुक्का बार और स्पा सेंटरों पर छापे मारे जा है। पुलिस ने साजिद, सुहैल, दानिश अली, शब्बीर आलम, इमरान अहमद, सोहेल खान, राज विश्वकर्मा (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। किश्तवाड़ जिले के उपमंडल छात्रू के जंगल में मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर रखी है। आतंकियों की तलाश में बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। खोजी कुत्ते भी लगाए गए हैं। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर छात्रू में नायदगाम के जंगलों में पिछले तीन दिनों से आतंकियों की तलाश की जा रही थी। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे आतंकियों के साथ संपर्क हुआ और गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ में तीन आतंकी को मार गिराया गया। बताया जा रहा है कि मारे गए आतंकी पाकिस्तान के सैफुल्लाह मॉड्यूल का हिस्सा थे। यह वही मॉड्यूल है जिसने 15 जुलाई 2024 को डोडा में सेना की टीम पर घात लगाकर हमला किया था। वहीं, अन्य आतंकियों की तलाश में जंगल में सेना, पुलिस व सीआरपीएफ जवानों के साथ पैरा कमांडो भी उतारे गए हैं। एसएसपी आमोद अशोक नागपुरे ने कहा, जंगल में कई और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। ऊंचे पहाड़ों, नीचे नदी और घने जंगल के कारण यह बहुत दुर्गम इलाका है। इसके बावजूद बहादुर जवान सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, घेरे में आए आतंकी इन जंगलों में पिछले 8 से 9 महीने से सक्रिय हैं।

लड़की ही जिम्मेदार, खुद ही ली आफत मोल : कोर्ट

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दुष्कर्म के एक आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए कहा कि भले ही पीड़िता का आरोप सही मान लिया जाए तो भी यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि उसने खुद आफत मोल ली और इसके लिए वह भी जिम्मेदार है। न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने पिछले महीने पारित इस आदेश में कहा कि युवती के चिकित्सा परीक्षण में 'उसका शील भंग पाया गया, लेकिन डाक्टर ने यौन हमले के बारे में कोई 'विशेषज्ञ राय नहीं दी। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि यह पीड़िता द्वारा स्वीकार किया गया है कि वह बालिग है और पीजी छात्रावास (शेष पृष्ठ 7 पर)

भाजपा व एआईएडीएमके तमिलनाडु में साथ लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

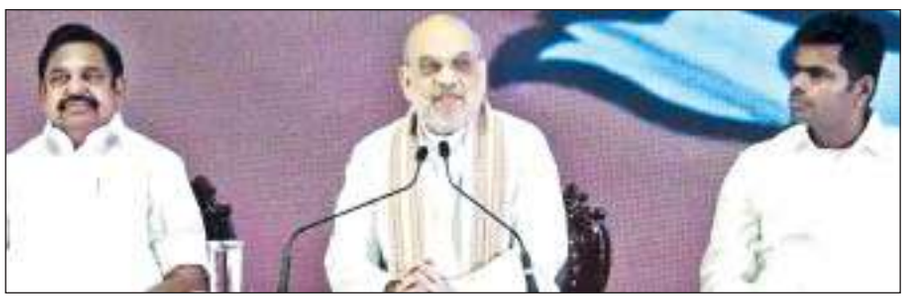

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- **अमित शाह ने किया गठबंधन का ऐलान**

चेन्नई। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे। साल 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। इस बीच तमिलनाडु में बीजेपी और AIADMK ने आगामी विधानसभा चुनाव साथ में लड़ने का एलान किया है। दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर बात बन गई है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने के. अन्नामलाई और एआईएडीएमके के एडप्पादी पलानीस्वामी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि AIADMK और भाजपा नेताओं ने फैसला किया है कि AIADMK, भाजपा और सभी गठबंधन दल तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव एनडीए के रूप में एक साथ लड़ेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में जो चुनाव होने वाला है, उसमें NDA फिर से प्रचंड बहुमत हासिल करेगा और तमिलनाडु में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि NEET और परिसीमन का मुद्दा ये (विपक्ष) लोग ध्यान भटकाने के लिए खड़ा कर रहे हैं। एक प्रकार से AIADMK 1998 से एनडीए गठबंधन का हिस्सा है और लंबे समय तक मोदी जी और महान जयललिता जी ने साथ मिलकर राष्ट्रीय राजनीति में काम किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने इस पीसी को संबोधित करते हुए कहा कि ये चुनाव राष्ट्रीय स्तर पर पीएम मोदी के नेतृत्व में और राज्य स्तर पर एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। भाजपा एआईएडीएमके के अंदरूनी मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी और कहा कि यह गठबंधन एनडीए और एआईएडीएमके दोनों के लिए फायदेमंद होगा। शाह ने कहा, एआईएडीएमके की कोई शर्त या मांग नहीं है। हम एआईएडीएमके के अंदरूनी मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे। यह गठबंधन एनडीए और एआईएडीएमके (शेष पृष्ठ 7 पर)

यूपी के युवा गणित में अव्वल मगर अंग्रेजी में पीछे

लखनऊ, चसं। यूपी के 80 फीसदी युवा गणितीय कौशल और कम्प्यूटर दक्षता में देश भर में नंबर वन हैं लेकिन अंग्रेजी में तीसरे नंबर पर हैं। इंग्लिश में महाराष्ट्र शीर्ष पर है। रोजगार संसाधन के मामले में यूपी 18 से 25 वर्ष के युवाओं की फेहरिस्त में शीर्ष स्थान पर है। 26 से 29 वर्ष की श्रेणी में तीसरे स्थान पर है। इंटर्नशिप के इच्छुक युवाओं ने तमिलनाडु के बाद यूपी को चुना है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2025 में राज्यों की यह तस्वीर निकलकर सामने आई। ईटीएस व्हीबॉक्स वैश्विक रोजगार योग्यता परीक्षण गेट द्वारा जारी स्किल्स रिपोर्ट में पहली बार राज्यों की कौशल क्षमता की जानकारी सामने आई है। गेट यानि ग्लोबल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट एक प्रतिष्ठित मूल्यांकन है जिसे भारत और विश्व बाहर छात्रों और पेशेवरों के रोजगार कौशल का मूल्यांकन करने और उसे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। कौशल परीक्षण श्रेणी में अंग्रेजी के मामले में महाराष्ट्र शीर्ष स्थान पर है।दूसरे स्थान पर कर्नाटक, तीसरे पर उत्तर प्रदेश है गणितीय कौशल में यूपी ने आंध्र प्रदेश को पीछे कर पहला स्थान पर प्राप्त किया है। तीसरे पर मध्य प्रदेश, चौथे पर पंजाब, पांचवें पर तेलंगाना काबिज हैं। आलोचनात्मक सोच कौशल क्रिटिकल थिंकिंग (शेष पृष्ठ 7 पर)

सबका साथ, सबका विकास का मंत्र हमारी नीति भी और निष्ठा भी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में स्थित आनंदपुर धाम पहुंचे और धार्मिक स्थल के अंदर स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना की।

आनंदपुर धाम ईसागढ़ तहसील के आनंदपुर गांव में स्थित है, जो अशोकनगर जिला मुख्यालय से लगभग 30 किमी और भोपाल से 215 किमी दूर है। प्रधानमंत्री मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया हो, जहां परमार्थ एक परंपरा बन चुका हो, जहां सेवा के संकल्प मानवता के कल्याण का पथ प्रशस्त करते हों, वो धरती साधारण नहीं है। इसलिए हमारे संतों ने अशोक नगर के बारे में कहा था कि यहां शोक आने से डरता है। मुझे खुशी है कि आज यहां बैसाखी और श्री गुरु महाराज जी के अवतरण उत्सव में मुझे शामिल होने का अवसर मिला है। मोदी ने कहा, हम पूज्य स्वामी अद्वैतानंद महाराज जी महाराज के जीवन में भी इसकी झलक देख सकते हैं। एक समय था, जब आदि शंकराचार्य जैसे आचार्यों ने अद्वैत दर्शन के गहरे ज्ञान की व्याख्या की थी। पीएम मोदी ने कहा, हमारा भारत ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती है। जब-जब हमारा भारत, हमारा समाज किसी मुश्किल दौर से गुजरता है, कोई न कोई ऋषि, मनीषी इस धरती पर अवतरित होकर समाज को नई दिशा देता है।

उन्होंने कहा, इसी परम्परा में पूज्य अद्वैतानंद जी महाराज ने भारत के जन सामान्य तक इसे पहुंचाने का बीड़ा उठाया। महाराज जी ने अद्वैत के ज्ञान को हम सभी के लिए और सरल बनाया, उसे सामान्य मानवी के लिए और सुलभ कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, गरीब और वंचित के उत्थान का संकल्प, 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र, सेवा की ये भावना, आज सरकार की नीति भी है और निष्ठा भी है।

काशी में मुख्यमंत्री बोले-हर हर महादेव

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बाबा विश्वनाथ की धरती वाराणसी एक बार फिर ऐतिहासिक क्षणों की साक्षी बनी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पावन नगरी में भव्य स्वागत हुआ। हर हर महादेव के जयकारों से गूंजती काशी ने अपने सांसद और देश के प्रधानमंत्री को सादर नमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं उनका स्वागत करते हुए कहा,हर हर महादेव। यह दौरा खास इसलिए भी है क्योंकि यूपी में बीजेपी सरकार के आठ साल पूरे होने के बाद यह प्रधानमंत्री का पहला काशी दौरा है। बाबा विश्वनाथ की धरती वाराणसी हर हर महादेव से गूंज उठी, नरेंद्र मोदी ने यहां विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 3884.18 करोड़ रुपये की 44 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, श्कल हनुमान जन्मोत्सव है और आज मुझे काशी में आपके दर्शन का सौभाग्य मिला है। काशी की जनता आज विकास का उत्सव मना रही है। बता दें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को कलम के फूल वाला गिफ्ट दिया।

युद्ध के बदलते आयामों पर डॉ. राजेश्वर सिंह की डिजिटल चेतना : कीबोर्ड और कोड ही बनेंगे भविष्य की ढाल

सोशल मीडिया पर युवाओं के नाम डॉ. सिंह का सशक्त संदेश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। जब दुनिया के मोर्चे बदल चुके हैं, तो नेतृत्व की सोच भी पुरानी नहीं रह सकती। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने शुक्रवार को एक गंभीर और दूरदर्शी चेतावनी सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं तक पहुंचाई, 'भविष्य के युद्ध : युवाओं के लिए एक आह्वान'। विधायक का यह सन्देश न केवल विचारोत्तेजक है, बल्कि समय की पुकार भी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किये गए पोस्ट में उन्होंने युद्ध के पारंपरिक आयामों को पीछे छोड़, आज के साइबर, इन्फोर्मेशन, ट्रेड और मनोवैज्ञानिक आदि अदृश्य लेकिन विध्वंसक आयामों की चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज का युद्ध बारूद से नहीं, डेटा और डिजिटल प्रभुत्व से लड़ा जा रहा है, और ऐसे में देश की सुरक्षा का पहला किला युवा पीढ़ी की डिजिटल साक्षरता और सजगता है।

डॉ. सिंह ने अपने संदेश में आधुनिक युद्ध की उन पाँच धाराओं का उल्लेख किया है जिनसे भारत ही नहीं, पूरी दुनिया जूझ रही है -

साइबर युद्ध : वन्नाक्राय रैनसमवेयर (वर्ष 2017) : 150 देशों में 2 लाख से अधिक कंप्यूटर ठप पड़े। नॉटपेट्या आक्रमण : वैश्विक अर्थव्यवस्था को लगभग 10 अरब डॉलर की क्षति। भारत में - भारतपे हैक (अगस्त 2022)-37,000 उपयोगकर्ताओं का आँकड़ा चोरी। स्वच्छ भारत ऐप हैक (सितंबर 2022)-1.6 करोड़ नागरिकों का आँकड़ा लीक।अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान साइबर हमला (दिसंबर 2022)- 1.3 टेराबाइट आँकड़े की सेंध।

व्यापार युद्ध : संयुक्त राज्य अमेरिका बनाम चीन : प्रतिबंध, शुल्क एवं तकनीकी वर्चस्व की होड़। अमेरिका बनाम यूरोपीय संघ : आर्थिक तनाव एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा।

सूचना युद्ध : वर्ष 2016 के अमेरिकी चुनाव में सोशल मीडिया द्वारा भ्रम फैलाने के प्रयास। सरकारी स्तर पर जनमत को प्रभावित करने हेतु प्रचार तकनीकों का उपयोग।

आर्थिक जासूसी : बौद्धिक संपदा की चोरी, विशेषकर चीन पर लगे गंभीर आरोप। व्यापारिक गुप्त जानकारियों की जासूसी कर प्रतिस्पर्धा में लाभ लेना।

मनोवैज्ञानिक युद्ध : भ्रामक प्रचार, भय का वातावरण और षड्यंत्र सिद्धांतों के माध्यम से युवाओं की सोच और सामाजिक ताने-बाने को भ्रमित करने के प्रयास।

उदाहरणतः, अमेरिका में QAnon जैसे षड्यंत्र सिद्धांतों ने 2020-21 के दौरान लाखों युवाओं को भ्रामक सूचनाओं से प्रभावित किया, जिसका असर वहां की लोकतांत्रिक प्रक्रिया तक पर देखा गया। रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध चलाए गए सूचना अभियानों में भी जनता के मनोबल को तोड़ने और भ्रम फैलाने के प्रयास हुए, जिसे पश्चिमी देशों ने मनोवैज्ञानिक युद्ध के रूप में वर्गीकृत किया। डॉ. सिंह ने स्पष्ट कहा कि डिजिटल साक्षरता केवल एक कौशल नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी में आत्मरक्षा और उन्नति की कुंजी है। इसका तात्पर्य तीन स्तरों पर है- सशक्तिकरण-युवा तकनीक के उपभोक्ता नहीं, निर्माता बनें। संरक्षण-हैकिंग, मालवेयर तथा साइबर खतरों से सुरक्षा। भागीदारी-डिजिटल समाज एवं अर्थव्यवस्था में सशक्त भागीदारी।

सरोजनीनगर में प्रयास-संकल्प से सिद्धि तक : डॉ. सिंह का यह चिंतन केवल वैचारिक नहीं, नीति आधारित और धरातलीय भी है। उनके नेतृत्व में सरोजिनी नगर में कई डिजिटल प्रयास सफलता से क्रियान्वित हुए हैं। 30 डिजिटल पुस्तकालयों की स्थापना, 31 स्मार्ट पैनल बोर्ड, 13 रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं युवा सशक्तिकरण केंद्र, पहाड़पुर के प्राथमिक विद्यालय में रोबोटिक्स प्रयोगशाला, तारामंडल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित प्रयोगशाला, बाल क्रीड़ा केंद्र आदि की स्थापना तथा 1100 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप, टैबलेट एवं साइकिल सम्मान स्वरूप प्रदान की गई।

विशेषज्ञों की दृष्टि से संदर्भित दृष्टिकोण : डिजिटल साक्षरता केवल एक कौशल नहीं है, बल्कि यह इक्कीसवीं सदी में जीवित रहने के लिए एक आवश्यकता है। इस संदेश की गंभीरता एवं वैश्विक प्रासंगिकता को विचारकों एवं रणनीतिक विशेषज्ञों के उद्धरणों से बल मिलता है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

कम्पोजिट विद्यालय बेंड़ारु में परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- निकाली गई स्कूल चलो अभियान रैली, अभिभावकों को किया गया सम्मानित

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय बेड़ारु में परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम तथा मेधावी छात्र सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ शिवगढ़ खण्ड शिक्षाधिकारी अनिल कुमार मिश्रा द्वारा विद्यालय प्रांगण में स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया गया। रैली बेड़ारु कस्बे के विभिन्न मोहल्ले में घुमाई गई इस दौरान जगह-जगह अभिभावकों को इकट्ठा कर शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया एवं बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की गई। भ्रमण के पश्चात रैली पुन- विद्यालय प्रांगण में आकर समाप्त हुई। इसके उपरान्त विद्यालय में खण्ड शिक्षाधिकारी अनिल कुमार मिश्रा तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश वर्मा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर विद्यालय के छात्र-छात्र ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनुपम प्रस्तुति देकर सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को रिजल्ट कार्ड वितरित करने के साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं तथा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में जनपद स्तर पर परचम लहराने वाली नैंसी, पीयूष प्रताप, प्रियंका को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। पिछले तीन वर्षों से बच्चों की तैयारी में अहम भूमिका निभाने वाले शिक्षक जुनैद खान, ज्योति गुप्ता को खण्ड शिक्षाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं निपुण तालिका में क्षेत्र में विद्यालय को प्रथम स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले शिक्षक प्रदीप गुप्ता, शिक्षिका मिथिलेश को खण्ड शिक्षाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही बीईओ ने अच्छी शिक्षा व्यवस्था के लिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश वर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय स्टाफ द्वारा बीईओ को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष रामकुमार, धर्मेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, आशीष पटेल, आशुतोष यादव, अश्वनी वर्मा, जितेंद्र द्विवेदी, अमर सिंह, आशा, रविशंकर, योगेंद्र कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

जागरण में झांकियां देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

शिवगढ़, रायबरेली, चसं। नगर पंचायत में शिवगढ़ कस्बा स्थित राम जानकी मन्दिर ठाकुरद्वारा परिसर में चल रही 9 दिवसीय दिव्य श्रीराम कथा के समापन पर जागरण का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें कृष्णा प्रेमी झांकी रुप भवानीगढ़ के मशहूर कलाकार कृष्णा प्रेमी, सोनू छलिया, संतोष निर्मोही, किशन, सनी सांवरिया, जितेंद्र ने विध्न विनाशक गणेश जी, राधा-कृष्ण, श्रीकृष्ण - सुदामा, शंकर-पार्वती, राधा- कृष्ण, बजरंगबली, वृंदावन बरसाने की फूलों की होली, श्री कृष्ण रासलीला, मां का दिल आदि झांकियों की अद्भुत एवं आकर्षक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। भगवान की मनमोहक झांकियां देख दर्शक भक्ति रस में सराबोर होकर झूमने गाने एवं भगवान के जयकारे लगाने लगे। भगवान के जयकारों से समूचा शिवगढ़ कस्बा गुंजायमान हो उठा।

बताते चलें कि राम जानकी मन्दिर में पिछले 9 दिनों से दिव्य श्री राम कथा चल रही थी। जिसमें अयोध्या से पधारे प्रसिद्ध कथा व्यास पंडित सत्यम जी महाराज अपनी अमृतमयी वाणी से श्रोताओं को श्री राम कथा का रसपान कर रहे थे। श्री राम कथा एवं जागरण का आयोजन नगर पंचायत वासियों के समन्वित सहयोग से किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी अंजनी दीक्षित, युवा समाजसेवी राज दीक्षित, सर्रा बाबा कुटी के महन्त गुरु प्रसाद यज्ञसैनी, राकेश त्रिवेदी, शालू गुप्ता, शिवदेवी, राधे, भोला, कपिल गुप्ता, उत्कर्ष अवस्थी साहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अम्बेडकर जयन्ती शोभायात्रा को लेकर बैठक सम्पन्न

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। आगामी 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर आयोजित होने वाली अम्बेडकर जयंती शोभायात्रा को लेकर शुक्रवार की शाम 6:30 बजे नगर पंचायत के दामोदर खेड़ा स्थित बौद्ध उपासक महासभा कार्यालय शिवगढ़ में युवा समाजसेवी आलोक बौद्ध के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए आलोक बौद्ध ने बताया आगामी 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयन्ती पर दामोदर खेड़ा स्थित बौद्ध उपासक महासभा कार्यालय परिसर से हम भारत के लोग द्वारा हर साल की तरह भव्य अम्बेडकर जयन्ती शोभायात्रा निकली जाएगी। यह शोभायात्रा भवानीगढ़ चौराहा, गूढ़ा, तिलेण्डा , बछरावां होते हुए अम्बेडकर पार्क कन्नावा में जाकर समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बौद्ध अनुयायी गांव-गांव जनसम्पर्क अभियान में जुटे हुए हैं। इस मौके पर अमरीश बौद्ध, अनूप कुमार, दीपक बौद्ध, मोनू रावत, अनिल गौतम, राजू गौतम, अंकित कुमार, कर्मराज अम्बेडकर, राजेश कुमार, संतोष कुमार, अनुज कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

हजरत इब्राहिम शाह रहमतुल्लाह अलैह का सालाना दो दिवसीय 17 व 18 को होगा

बछरावां रायबरेली, चसं। बछरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा टेरा बरौला पोस्ट राजामऊ में शाहिद खान उर्फ लाला लंबरदार द्वारा आयोजित हर साल की तरह इस साल भी हजरत इब्राहिम शाह रहमतुल्लाह अलैह उर्फ हाजी बाबा का सालाना दो दिवसीय उर्स शरीफ अपनी पूरी शान शौकत के साथ दिनांक 17 व 18 अप्रैल दिन बृहस्पतिवार(जुमेरात) शुक्रवार (जुमा) को मनाया जा रहा है। जिसमें 17 अप्रैल दिन बृहस्पतिवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी का प्रोग्राम होगा जिसमें मौलाना हजरत सैयद अनसार साहब सहित मुल्क के तमाम उलेमा ए किराम शोरा ए किराम तशरीफ़ ला रहे हैं 18 अप्रैल दिन शुक्रवार को जवाबी कव्वाली का शानदार प्रोग्राम होगा जिसमें इंटरनेशनल ख्याति प्राप्त देश विदेश में अपने हुनर से लोगों के दिलों में राज करने वाले 6 वर्ष की उम्र से ही कव्वाली की विधा में पारंगत इंटरनेशनल कव्वाल जनाब रईस अनीस साबरी मुंबई व शावेज साबरी दिल्ली के बीच शानदार जवाबी मुकाबला होगा दोनों आर्टिस्टों द्वारा शानदार परफॉर्मेंस पेश की जाएगी यह जानकारी श्री शकील मंसूरी पूर्व सभासद बछरावां (मीडिया प्रभारी) उर्स आयोजक श्री शाहिद खान उर्फ लाल लंबरदार टेरा बरौला द्वारा दी गई।

उत्तर प्रदेश सरकार व्यापारियों के साथ हमेशा खड़ी है : बृजेश पाठक

लखनऊ, चसं। आलमबाग व्यापार मंडल की मुख्य तथा युवा कार्यकारिणी का शपथग्रहण डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने करवाया। इस मौके पर लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन राजेन्द्र अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, महामंत्री रामकुमार वर्मा, व्यापारी नेता पवन मनोचा मौजूद रहें। होली मिलन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच आलमबाग के व्यापारियों को शपथ दिलाई गई। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने लखनऊ व्यापार मंडल और आलमबाग व्यापार मंडल की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हमेशा व्यापारियों के साथ खड़ी है। लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन राजेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि पदाधिकारी बदलते रहते हैं लेकिन व्यापारियों की प्राथमिकताएं हमेशा व्यापार मंडल आगे बढ़ कर पूरा करता रहता है। अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने कहा कि आलमबाग व्यापार मंडल सदैव तत्पर रहता है और मैं नए पदाधिकारियों को बहुत बधाई बधाई देता हूं। आलमबाग व्यापार मंडल के महामंत्री रामकुमार वर्मा ने कहा कि निष्पक्ष तरीके से यहां चुनाव होते रहे हैं और इस बार मेन तथा युवा कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित हुई है।

गर्डर सेट करने वाली मशीन में फंसा दुपट्टा, छात्रा का गला कटा

लखनऊ, चसं। राजधानी के बंथरा में निर्माणाधीन कानपुर एलिवेटेड रोड पर गर्डर सेट करने वाली मशीन में दुपट्ष्टा फंसने से छात्रा घायल हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर की है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भल्ला गौतम की बेटी सुप्रिया शुक्रवार दोपहर में कंप्यूटर सेंटर से घर लौट रही थी। रास्ते में लखनऊ हॉस्पिटल के पास सड़क पार करते समय उसका दुपट्टा मशीन में फंस गया। इससे दुपट्टा गले में फंस गया। वह गंभीररूप से घायल हो गई। उसे सरोजनी नगर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थिति गंभीर बनी हुई है। कानपुर-लखनऊ एलिवेटेड रोड का निर्माण पीएनसी कंपनी कर रही है। बंथरा कस्बे में फ्लाईओवर निर्माण के लिए ग्रेन ट्री मशीन से गर्डर सेट किए जा रहे हैं। सुप्रिया बंथरा कस्बे में स्थित एक निजी कंप्यूटर सेंटर में पढ़ाई कर रही है।

गोमती नदी में मिला सिक्योरिटी गार्ड का शव

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में न्यू हैदराबाद स्थित खाटू श्याम मंदिर के पास सोमवार को गोमती नदी में शव मिला था। जिसकी शिनाख्त शुक्रवार को सिक्योरिटी गार्ड हिमांशु मिश्रा के (28) के रूप में हुई। परिजनों ने रात तक घर न लौटने पर मंगलवार को इंदिरानगर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। तभी से परिजन उनकी तलाश में जुटे थे। परिजनों ने हत्या कर शव नदी में फेंके जाने की आशंका जताई है। सीतापुर के भानपुर महमूदाबाद निवासी संतोष कुमार ने बताया कि उनका बेटा हिमांशु इंदिरानगर के शिवाजी पुरम में किराए के घर में रह रहा था। वह बैंक में कैश लोडर पर सिक्योरिटी गार्ड था। पिता संतोष के मुताबिक रविवार को हिमांशु की छुट्टी थी। दोपहर में घर से घूमने के लिए निकला था। सोमवार को हिमांशु के काम पर नहीं पहुंचे पर कंपनी वालों ने संपर्क किया। इसके बाद हिमांशु के मोबाइल पर कई बार फोन किया, लेकिन नहीं उठा। जिसके बाद मंगलवार को इंदिरानगर थाने में हिमांशु की गुमशुदगी दर्ज करवाई। पिता के मुताबिक गुरुवार को सोशल मीडिया से खाटू श्याम मंदिर के पास गोमती में एक युवक का शव मिलने की सूचना मिली। इस पर शुक्रवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव की शिनाख्त हिमांशु के रूप में की। पिता का कहना है कि हिमांशु आत्महत्या नहीं कर सकता है। किसी ने हत्या कर शव नदी में फेंका है। हिमांशु की शादी नहीं हुई है। घर में मां उर्मिला के अलावा दो भाई और तीन बहनें हैं। इंस्पेक्टर इंदिरानगर सुनील कुमार तिवारी के मुताबिक परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टीचर को बंधक बनाकर लूटा, 2 गिरफ्तार

लखनऊ, चसं। लखनऊ पुलिस ने एक युवक को डेटिंग एप से अपनी बातों में फंसाकर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को पकड़ा। आरोपी रिश्ते में सगे भाई हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों के पास से लूट के 45 हजार रुपए, पर्स, आधार कार्ड और लूट में प्रयोग होने वाली एक्टिवा बरामद हुई है। पुलिस इनके आपराधिक इतिहास का पता लगा रही है। गाजीपुर इंस्पेक्टर विकास राय के मुताबिक रविंद्र पल्ली निवासी एक शिक्षक ने 9 अप्रैल को लूटपाट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया 9 अप्रैल दोपहर करीब दो बजे ग्राइंडर एप के माध्यम से एक लड़के को घर बुलाया था। लड़के ने आने के बाद बातों में फंसाकर हाथ पैर बांध दिए और साथी को बुलाकर लूटपाट की। पीड़ित की शिकायत पर गाजीपुर थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने शुक्रवार को कुकरैल बंधे के पास से जानकीपुरम निवासी निकित शर्मा और उसके भाई अंकित शर्मा को गिरफ्तार किया। निकित ने पूछताछ में बताया कि उनकी ग्राइंडर एप से पीड़ित से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों वॉट्सऐप और फोन पर बात करने लगे। 9 अप्रैल को उनके घर गया। मेरा भाई बाहर खड़ा रहा। बातचीत में पीड़ित के घर में अकेले और अलमारी में पैसे होने की जानकारी हुई। इस पर भाई को फोन कर अंदर बुलाया और पीड़ित के हाथ पैर बांध कर लूटपाट कर भाग निकले।

रजिस्ट्री के 8 साल बाद भी कब्जा नहीं, बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में एक प्रॉपर्टी विवाद का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने बिल्डर पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोप है कि रजिस्ट्री के 8 साल बाद भी बिल्डर ने प्लॉट पर कब्जा नहीं दिया। मामला मोहनलालगंज क्षेत्र का है। चंद्रसेन चौबे ने 13 दिसंबर 2016 को एचके इंफ्रा विजन प्राइवेट लिमिटेड के मालिक विनोद कुमार उपाध्याय से एक प्लॉट खरीदा था। यह प्लॉट ग्राम मऊ में स्थित है। प्लॉट नंबर ए-57 है, जिसका खसरा नंबर 595 है। यह 1800 वर्गफीट का कॉर्नर प्लॉट है। चौबे ने बताया कि उन्होंने प्लॉट के लिए 9.47 लाख रुपये का भुगतान किया। पेमेंट चेक, बैंक ट्रांसफर और कैश के माध्यम से की गई। मोहनलालगंज तहसील में रजिस्ट्री भी कराई गई, जिसका क्रमांक 19444 है।

क्षत्रिय समाज आज राणा सांगा की जयंती पर दीपक जलाएं

लखनऊ, चसं। क्षत्रिय समाज आज राणा सांगा की जयंती पर दीपक जलाएं और अपने पूर्वजों जिन्होने इतिहास में नाम अमर कि या है उनकी याद में रक्तदान क रे। यह आवाहन क रते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद कुं वर हरिवंश सिंह ने क हा कि क्षत्रिय समाज के बलिदान को क भी भुलाया नहीं जा सक ता है। आज राणा सांग की जयंती पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने सभी क्षत्रिय परिवारों से अनुरोध कि या है कि वह अपने-अपने घरों में 4, 4 दीपक जलाए और जो स्वस्थ्स हो वह रक्तदान करे। इसी क्र म में आज आगरा में लाखो महासभा के कार्यकर्ताओं के एक त्र होने का आवाहन क रते हुए क हा कि इस पूरे आयोजन को भुवनेश्वर सिह के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है।

उत्कर्ष पब्लिक इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ वार्षिक परीक्षा फल वितरण समारोह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

बछरावां/रायबरेली। बछरावां कस्बे के उत्कर्ष पब्लिक इंटर कॉलेज मे वार्षिक परीक्षा फल घोषित किया गया। विद्यालय परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बुद्धि लाल पासी व विद्यालय के प्रबंधक भगवान कुमार अवस्थी ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि बुद्धि लाल पासी ने सभी को परीक्षा परिणाम की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कर्ष पब्लिक इंटर कॉलेज ऐसा संस्थान है जो शिक्षा के साथ संस्कार भी सिखाता है। विशिष्ठ अतिथि दयानंद डिग्री कॉलेज के प्राचार्य सुभाष चंद्र श्रीवास्तव ने उत्कर्ष पब्लिक इंटर कॉलेज को देशभक्ति की पाठशाला बताते हुए कहा कि यहाँ पढ़ने वाले सदैव अनुशासन का पालन करते हैं एवं भारत के मजबूत भविष्य की नीव हैं। विद्यालय के प्रबंधक भगवान कुमार अवस्थी ने सभी को परीक्षा परिणाम की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र मेंविद्यालय का प्रयास है कि हम बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन भी समझाएं। परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शगुन पटेल ,सौम्या कुमारी, नंदिनी, अंशुमान वर्मा, नम्रता कुमारी फरहान राजा, राजवीर अक्षिता अनन्य पांडे सहित क से लेकर इंटरमीडिएट तक के प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष प्रवेश वर्मा, बछरावां कोतवाल पंकज त्यागी, सौरमंडल शुक्ला, अखिलेश चौधरी, शुभम जयसवाल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रबुद्ध लोग व अभिभावक मौजूद रहे।

शिवगढ़ में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' का पथ संचलन सम्पन्न

चर्चित रारजनीति। संवाददाता

- पथ संचलन के माध्यम से स्वयं सेवकों ने किया शक्ति प्रदर्शन

शिवगढ़ (रायबरेली)। नगर पंचायत शिवगढ़ में भारतीय नव संवत्सर के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवकों ने पथ संचलन किया गया।

पथ संचलन शिवगढ़ स्टाप से प्रारम्भ हुआ जो शिवगढ़ कस्बा, राम-जानकी मन्दिर शिवगढ़ ,माधव खेड़ा, दामोदर खेड़ा, शिवली चौराहा, भवानीगढ़ चौराहा सहित नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में होते हुए पुनः बस स्टॉप पर आकर समाप्त हुआ। इस दौरान स्वयं सेवकों पर जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई। खण्ड संचालक अमर सिंह राठौर ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अनुशासन का पर्याय है। पथ संचलन संघ के शक्ति प्रदर्शन का आयाम है और लक्ष्य भारत माता को परम वैभव पर पहुंचाना है। उन्होंने कहाकि जब-जब समाज बंटा तब धर्म की हानि हुई है। भारत का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ था। संघ सभी लोगों का समान रूप से विकास चाहता है। सह जिला कार्यवाह गयेन्दु सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी को भेदभाव से ऊपर उठकर आत्मीय भाव से एक साथ में बैठने का प्रयास करना चाहिए। इस मौके पर खण्ड संचालक अमर सिंह राठौर, खण्ड कार्यवाह विनय त्रिवेदी, प्रदीप त्रिवेदी, शिवपाल यादव,अंकुर सिंह, संतोष श्रीवास्तव, शरद सिंह , नीरज शुक्ला, अमन त्रिवेदी , रामेश्वर सिंह, हरिकेश सिंह, विकास पाठक, आनंद गुप्ता, जिला धर्म जागरण संयोजक रामजी जायसवाल, ब्लॉक प्रमुख कुंवर हनुमंत सिंह, डा.जीबी सिंह, शरद सिंह, शिवगढ़ भाजपा मण्डल अध्यक्ष अवधेश त्रिवेदी सहित गणमान्य मौजूद रहे।

टैक्स विवाद के समाधान में ढिलाई, महापौर ने लगाई फटकार

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संपूर्ण समाधान दिवस का सफल आयोजन किया गया, जिसने एक बार फिर प्रशासन और आमजन के बीच संवाद की एक मजबूत कड़ी स्थापित की।

महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में त्रिलोकनाथ सभागार में शुक्रवार को आयोजित इस संपूर्ण समाधान दिवस में सफाई, जल आपूर्ति, सड़क मरम्मत व हाउस टैक्स जैसी जनसामान्य से जुड़ी समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई की गई। मौके पर ही 73 शिकायतों का निस्तारण कर यह पहल न केवल प्रशासनिक तत्परता का प्रतीक बनी, बल्कि नागरिकों की भागीदारी और विश्वास को भी प्रोत्साहित करने वाली साबित हुई। संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल द्वारा की गई। माननीय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे सभी शिकायतों का गंभीरता से निस्तारण करें और नागरिकों को समय पर राहत प्रदान करें। उन्होंने विभागीय समन्वय को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देशित किया कि अगर अगले समाधान दिवस में कोई व्यक्ति टैक्स गड़बड़ी के मुद्दे को लेकर शिकायत करेगा कि उसका टैक्स ज्यादा है और उसके बगल वाले का कम है तो इसपर कार्रवाई होगी। जिसका जितना सही टैक्स लगता है उसे उसी हिसाब से लगायें। कोई भी गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई जोनल अधिकारी के ऊपर की जाएगी। इस संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 96 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 73 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष 23 शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजा गया है, जिनका समाधान निर्धारित समय सीमा में किया जाएगा। शिकायतें मुख्य रूप से सफाई व्यवस्था, जल आपूर्ति में गड़बड़ी, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट की खराबी, हाउस टैक्स संबंधी मुद्दों और जीआईएस सर्वे की आपत्तियों से संबंधित रहीं। गौरतलब है कि यह समाधान दिवस मूल रूप से 4 अप्रैल को आयोजित होना था, लेकिन वित्तीय वर्ष की वार्षिक लेखाबंदी और नए सर्वर के विलंब से चालू होने के कारण इसे 11 अप्रैल को स्थानांतरित किया गया।

छात्रों ने प्रस्तुत की सिंधी गीत व कवितायें

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश सिन्धी अकादमी द्वारा आज सिंधु भवन, मवाईया, लखनऊ में सिंधी भाषा दिवस के उपलक्ष्य पर संगोष्ठी तथा छात्रों द्वारा सिंधी गीत एवं कविताओं की प्रस्तुति की गयी। कार्यक्रम में भगवान झूलेलाल की प्रतिमा पर अकादमी निदेशक अभिषेक कुमार 'अखिल', राजाराम भागवानी, सुधामचन्द, प्रकाश गोधवानी दुनीचन्द, हरीश वाधवानी ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।कार्यक्रम में सुधामचन्द चंदवानी द्वारा अवगत कराया गया कि सिंधी भाषा को 1947 में अखंड भारत के विभाजन के बाद सिंधियों को सिंध प्रान्त छोड़ना पड़ा और वे यहाँ भारत देश के विभिन्न प्रान्तों में आकर बसे। भारत में सिंधियों का कोई विशेष भाषाई राज्य नहीं है, भारत सरकार ने सिंधियों की न्यायोचित माँग और देशभक्ति को देखते हुये दिनांक 10 अप्रैल, 1967 को चेटीचंड के पावन दिवस पर ही सिंधी भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में मान्यता प्रदान की गयी थी और इस वर्ष 58 साल पूर्ण हुये हैं। हरीश वाधवानी द्वारा सिंधी भाषा के उत्थान हेतु विभिन्न आयामों के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि आज के युवा की जिम्मेदारी है कि वह सिन्धी भाषा के महत्व को समझे। सिंधियत की पहचान हमारी भाषा है।

हनुमत सेवा समिति ने हनुमान जयंती पर बांटे मटके

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। हनुमान जयंती के अवसर पर एक दिन पूर्व शुक्रवार 11 अप्रैल को हनुमत सेवा समिति के अध्यक्ष विवेक पाण्डेय द्वारा जरूरतमंदों में मिट्टी के मटकों का वितरण मड़ियांव क्षेत्र किया गया। इसके माध्यम से उन्होंने संदेश दिया कि मटके के शीतल जल से जहां लोगों का स्वास्थ्य ठीक रहेगा वहीं गर्मियों में मटका दान का अनुसरण करने वाले दाता, के घर में भी सुख-समृद्धि आएगी और लक्ष्मी जी की कृपा हमेशा बनी रहेगी। सेवा भाव को महत्व देते हुए विवेक, न केवल कुष्ठ रोगियों की सेवा अमावस्या पर भोजन और दवा दान करके कर रहे हैं बल्कि निरूशुल्क हनुमत पाठशाला का संचालन करके जरूरतमंदों बच्चों का भविष्य भी संवार रहे हैं। इस क्रम में शुक्रवार को विवेक पाण्डेय ने अपने सदर स्थित समिति के प्रधान कार्यालय में श्री राम हनुमत महोत्सव के निमंत्रण कार्ड का विमोचन भी किया। प्रथम निमंत्रण कार्ड प्रभु श्रीराम के चरणों में अर्पित किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि हनुमत सेवा समिति की ओर से श्री राम हनुमत महोत्सव का आयोजन 26 और 27 अप्रैल 2025 को शाम 04.30 बजे से अशोक मार्ग स्थित बलरामपुर गार्डन में किया जा रहा है। प्रेमकांत तिवारी के संचालन में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान होंगे। इस दौरान लिम्का और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज कृष्ण कुमार चौरसिया द्वारा विश्वविख्यात हनुमत संग्रहालय की प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। शनिवार 26 अप्रैल को महोत्सव का आरंभ शाम 4.30 बजे मंगलाचरण से होगा।

इस क्रम में शाम 04.45 बजे नई दिल्ली के विश्वविख्यात स्वर सम्राट, भक्ति भूषण आदरणीय अजय यान्निक द्वारा सुण्दरकाण्ड का सस्वर सामूहिक पाठ किया जाएगा। उसके उपरांत रात्रि 8.00 बजे मनोकामना बैलून प्रार्थना और रात्रि 8.05 बजे हनुमत कृपा सम्मान का वितरण किया जाएगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यो के लिए विभिन्न विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। रात्रि 8.30 बजे सुमधुर भजन गायक धर्मेंद्र मधुर और हरिद्वार के समूह द्वारा हनुमत भजनों पर, पुष्पांजली अर्पित की जाएगी। रात्रि 09.30 बजे ज्योति प्रार्थना, आरती प्रसाद और दिव्य हनुमत भण्डारा होगा। प्रसाद सेवा हेतु मित्तल मिष्ठान ठाकुरगंज के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय मित्तल और भण्डारे हेतु कैसरबाग स्थित बजरंग टायर्स और बी बजरंग लैण्ड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन प्रवेश कुमार सिंह दिन्नू भईया और अमीनाबाद स्थित एस.डी. कुन्दन किराना स्टोर की भावना सिंह और हेमा जोशी सहित राजेश पाहवा द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है। रविवार 27 अप्रैल को शाम 4.30 बजे मंगलाचरण के उपरांत शाम 4.45 बजे प्रख्यात हनुमत भक्त रजनी सिंह के दल द्वारा हनुमान चालीसा का सस्वर सामूहिक पाठ किया जाएगा। शाम 6.15 बजे श्री हनुमत चरण अनुरागी और हनुमत मणिरत्नम पुस्तक के रचयिता है आनन्द त्रिपाठी द्वारा हनुमतः चरित्र पर व्याख्यान और काव्य की सरस प्रस्तुति होगी। शाम 7.15 बजे हनुमत भक्त स्मृतिशेष सुनील गोबर की पुण्य स्मृति पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। शाम 7.40 बजे प्रयागराज के प्रख्यात हनुमत स्वरूप जितेन्द्र बजरंगी द्वारा हनुमत भजनों पर मनमोहक नृत्य पेश किया जाएगा। रात्रि 8.05 बजे प्रख्यात भजन गायक किशोर चतुर्वेदी द्वारा सरस भजनों की अमृत वर्षा की जाएगी। रात्रि 9.30 बजे बनारस में गंगा घाट पर होने वाले विश्व प्रसिद्ध महा आरती और उसके उपरांत दिव्य हनुमत भण्डारा होगा। प्रसाद सेवा हेतु डी.ए.वी. कॉलेज रोड स्थित बाबूलाल मिष्ठान भंडार के डायरेक्टर्स अनूप गुप्ता, संजय गुप्ता, छप्पन भोग हेतु सदर चौराहा स्थित गायत्री मिष्ठान भंडार के डायरेक्टर सुनील कुमार वैश्य और भण्डारे हेतु हजरतगंज और गोमती नगर स्थित बॉम्बे पावभाजी के मैनेजिंग डायरेक्टर राकेश शर्मा, चौक स्थित बीना इंटरप्राइजेज के अनुराग कपूर सहित गोमती नगर स्थित अरोड़ा डिपार्टमेंटल स्टोर के दीपक अरोड़ा द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

'क्रिएथॉन' में दिखाई दी नवाचार की राह

लखनऊ, चसं। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नवाचार की नई संभावनाएं उभर कर आई। कुलपति प्रो. जे. पी. पांडेय जी के नेतृत्व में यह आयोजन इनोवेशन हब, एम आई ई टी इनक्यूबेशन फोरम, ए सी आई सी एम आई ई टी मेरठ फाउंडेशन, तथा इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से आए छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हैकाथॉन एवं आइडियाथॉन के माध्यम से अपने नवाचारपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के विजेताओं एवं शॉर्टलिस्टेड प्रतिभागियों को आगामी भारत शिक्षा एक्सपो 2025 में अपने विचार प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। भारत शिक्षा एक्सपो का ग्रैंड फिनाले 24 से 26 अप्रैल 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जहाँ चयनित छात्र राष्ट्रीय स्तर पर अपने इनोवेटिव आइडियाज़ को प्रदर्शित करेंगे। यह पहल छात्रों में नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। डीन इनोवेशन एवं सोशल इंटरप्रेन्योरशिप प्रो. बी. एन. मिश्रा तथा एसोसिएट डीन डॉ. अनुज कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में क्रिएथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल की संरचना हेड इनोवैशन हब महीप सिंह द्वारा की गई, जिन्होंने इस नवाचारपूर्ण विचार को मूर्त रूप देने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही, कार्यक्रम को मूर्तरूप देने में अनुराग त्रिपाठी, असिस्टेंट मैनेजर, कलाम इनक्यूबेशन सेंटर का भी महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम को मूर्तरूप देने में रेहान खान तथा डॉ. प्रशांत गुप्ता की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

टहलती महिला से चेन लूट,स्कूटी सवार दो बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में एक महिला से चेन लूट की वारदात सामने आई है। पीड़िता मेवाती वर्मा आईएलडीए कालोनी में टहल रही थीं। पीड़िता ने बीटी गुरुवार को आशियाना थाने पहुँच कर रिपोर्ट दर्ज करवाया हैं। शाम करीब 8:50 बजे उनके घर के सामने की सड़क पर स्कूटी सवार दो अज्ञात बदमाश पीछे से आए। उन्होंने महिला के गले से सोने की चेन झपटकर एलपीएस स्कूल की तरफभाग निकले। मेवाती ने शोर मचाते हुए उनका पीछा किया। शोर सुनकर मेवाती का बेटा आकाश बाहर आया। उसने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता से घटना की जानकारी ली। पारिवारिक व्यस्तता के कारण मेवाती उस दिन शिकायत दर्ज नहीं करा पाई। बाद में उनकी शिकायत पर आशियाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस लुटेरों की तलाश में जुटी है।

महिला संगठनों का बनारस रेप घटना के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को बनारस की रेप घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन। महिला संगठनों, सामाजिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज स्थित परिवर्तन पर नारेबाजी किया। हाथों में तख्तियां लेकर पहुंची महिलाओं ने कहा कि बनारस समेत पूरे प्रदेश में महिला अपराध बढ़ रहा है। सरकार से ज्यादा कोर्ट ने मायूस किया है। प्रदर्शन में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रोफेसर रेखा वर्मा ने कहा कि महिलाओं के प्रति अपराध दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। अपराध के साथ जो न्यायालय के द्वारा टिप्पणी की जा रही है और फैसले दिए जा रहे हैं वह बेहद चौंकाने वाले हैं। हम सभी लोगों मजबूर होकर सड़क पर उतरे हैं। प्रोफेसर रूपरेखा वर्मा ने कहा कि रेप आरोपी को जमानत देते हुए जो कोर्ट के जज ने वक्तव्य दिया वह बेहद शर्मनाक है। तमाम सारी घटनाओं को लेकर हमलोग नाराजगी जता रहे हैं। देश में अमृत काल चल रहा है। राम रहीम, आसाराम बापू जो बलात्कारी सिद्ध हो चुके हैं। ये लोग बलात्कारी और हत्यारे हैं इन्हें बार-बार रिलीफमिल रहा है। यह लोग जाकर भाजपा का प्रचार करते हैं। ये बलात्कारी कुछ दिन जेल में रहते हैं तो 15 दिन बाहर रहते हैं। जब इस प्रकार के मामले सामने आते हैं तो हमको लगता है कि सरकार गंदा काम कर रही है मगर अदालत से न्याय मिलेगा। मगर वहां भी मायूसी होती है। रूपरेखा वर्मा ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट से कितना शर्मनाक बयान आया है कि रेप की तैयारी थी रेप की कोशिश नहीं। कल जो फैसला आया है उसमें कोर्ट क्या कह रहा है की लड़की ने खुद गलती किया। कल को यह कहा जाएगा की लड़की घर से बाहर निकली इसलिए रेप हुआ। जब हमारे इंसाफकरने वाले इस तरह कह रहे हैं तो हम किसकी तरफदेखें। रूपरेखा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि भाजपा के तमाम मेंबर पकड़े गए हैं रेप के चार्ज में। बीएचयू का उदाहरण आपके सामने है। हमको लगता था कि हम विरोध करेंगे तो उसका असर होगा। मगर ये सरकार इतनी बेशर्म है कि खुलेआम बलात्कारियों की तरफदारी कर रही हैं। बलात्कारियों को, कातिलों को और गबन करने वालों को पार्टी में शामिल किया जा रहा है। जो कहीं भी किसी अपराध में फंसा है भाजपा उनके लिए वाशिंग मशीन बन गई है। हम लोग अदालत की तरफदेखते हैं कि वहां से न्याय मिलेगा मगर वहां से भी निराशा हाथ लग रही है।

सीएम से की शिकायत तो निगम के अधिकारियों ने लगा दी झूठी रिपोर्ट

लखनऊ, चसं। लखनऊ नगर निगम के मुख्यालय में शुक्रवार को समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान शहर के लोग सड़क, नाली, साफसफाई, अतिक्रमण, पानी और मार्ग प्रकाश सहित कई शिकायत लेकर पहुंचे। शिकायत सुनने के लिए अधिकारियों के साथ मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह मौजूद रहे। जोन 6 से शिकायत लेकर पहुंचे रूप नारायण तिवारी ने कहा नगर निगम के अधिकारियों ने गलत टैक्स लगा दिया है। इस वजह से 25 हजार रुपए अधिक पैसा जमा करना पड़ रहा है। रूप नारायण तिवारी ने बताया समस्या अभी तक पूरी हल नहीं हुई है। मुख्यमंत्री के यहां मामले की शिकायत की तो अधिकारियों ने गलत रिपोर्ट लगा दी। 2012 में अधिक टैक्स लगा दिया गया। 2018 में छूट आई तो सब जमा कर दिया, लेकिन इसमें अधिक टैक्स जमा कर दिया। इसके बाद टैक्स संशोधन कर दिया गया है। करीब 25 हजार रुपए अधिक टैक्स जमा किया है।

प्रत्येक छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना प्राथमिकता

नए शैक्षिक सत्र में चलाया जाएगा नामांकन अभियान : गुलाब देवी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निर्धारित लक्ष्य की दिशा में माध्यमिक शिक्षा विभाग प्रदेश गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, विद्यालयों के भौतिक एवं शैक्षिक स्तर पर सुधार और विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने हेतु ठोस कदम उठा रहा है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लखनऊ में असज आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक छात्र-छात्रा तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। माध्यमिक शिक्षा केवल शैक्षिक दायित्व नहीं, बल्कि प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक समृद्धि की नींव है। 01 अप्रैल से नया शैक्षिक सत्र आरंभ हो चुका है। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा के अधिकारियों की बैठक में शैक्षिक सत्र के निर्धारित किए गए लक्ष्यो को समयबद्ध पूरा करने की रूपरेखा तैयार की गई हैं।माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने मंडलीय, जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय निरीक्षण और अनुश्रवण की प्रक्रिया गंभीरता से अपनाई जाए। मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक स्तर से साप्ताहिक व मासिक समीक्षा अनिवार्य रूप से की जाए, जिससे योजनाओं की प्रगति पर निरंतर नजर रखी जा सके। विद्यालयों में विशेष नामांकन अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को स्कूल से जोड़ा जा सके। मंत्री ने निर्देशित किया कि कक्षा-08 उत्तीर्ण कर चुके किसी विद्यार्थी को माध्यमिक शिक्षा से वंचित न रहने दिया जाए, बेसिक शिक्षा विभाग से समन्वय किया जाए। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की अप्रयुक्त भूमि का उपयोग खेल के मैदान, मिनी स्टेडियम, बागवानी केंद्र, डिजिटल पुस्तकालय,

- उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक छात्र और छात्रा तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है

कौशल विकास केंद्र, ऑडिटोरियम, वेधशाला जैसे नवाचारयुक्त ढांचों के निर्माण के लिए किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को समग्र विकास के अवसर मिलेंगे। नवाचार को बढ़ावा देने हेतु प्रदेश के 101 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना की जा चुकी है। शेष विद्यालयों में चरणबद्ध कार्य जारी है।

578 विद्यालयों में आईसीटी लैब स्थापित कर विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षरता से जोड़ा गया है। विद्यार्थियों को रोजगार के अनुकूल शिक्षा देने हेतु 635 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा संचालित की जा रही है। प्रोजेक्ट प्रवीण के अंतर्गत 315 विद्यालयों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जोड़ा गया है। राजकीय आईटीआई को स्किल हब के रूप में विकसित कर निकटवर्ती माध्यमिक विद्यालयों को जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। गोरखपुर में कौशल प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा चुका है। तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु प्रदेश के 1236 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना का कार्य जारी है। विज्ञान शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए प्रथम चरण में 303 विद्यालयों में विज्ञान प्रयोगशालाओं और द्वितीय चरण में 18 विद्यालयों में प्रयोगशालाओं का निर्माण किया जा रहा है। 488 विद्यालयों में पुस्तकालय कक्षों के निर्माण की योजना पर कार्य प्रगति पर है। विद्यार्थियों की सीखने की दक्षता का मूल्यांकन यूनिट टेस्ट के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही, प्रदेश के निजी विद्यालयों से प्राप्त प्रत्यावेदनों के परीक्षण व मान्यता की प्रक्रिया संचालित है। मंत्री ने कहा कि शिक्षा से ही समृद्ध और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का निर्माण संभव है। इस दिशा में माध्यमिक शिक्षा विभाग की भूमिका निर्णायक है। अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ करें।इस अवसर पर विशेष सचिव माध्यमिक शिक्षा केके गुप्ता, उमेश चंद्र, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ महेंद्र देव, अपर शिक्षा निदेशक सुरेंद्र कुमार तिवारी, अजय कुमार द्विवेदी, सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद भगवती सिंह सहित मंडलों के संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं उप शिक्षा निदेशक उपस्थित रहे।

ज्योति बाई फुले की जयंती पर समाज कल्याण मंत्री ने किया माल्यार्पण

लखनऊ, चसं। राजधानी के गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण और भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष संजय गौड़ मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत ज्योति बाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने इस मौके पर कहा कि ज्योति बाई फुले और उनकी पत्नी ने सामाजिक भेदभाव के खिलाफ ऐतिहासिक कार्य किए।

उन्होंने न केवल जाति व्यवस्था के खिलाफआवाज उठाई, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और शिक्षा के क्षेत्र में भी अहम योगदान दिया। असीम अरुण ने बताया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर भी ज्योतिबा फुले को अपना गुरु और प्रेरणा स्रोत मानते थे। मंत्री ने आगे कहा, करीब 200 साल पहले जब समाज में महिलाओं के साथ अत्यधिक भेदभाव होता था और विधवाओं की पुनर्विवाह की अनुमति नहीं थी, उस समय ज्योतिबा फुले ने शिक्षा को परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम माना और इसके लिए संघर्ष किया।

बीबीएयू के स्थापना दिवस में योगी होंगे शामिल

लखनऊ, चसं। लखनऊ के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) का 29 वां स्थापना दिवस बाबा साहब की जयंती के दिन यानी 14 अप्रैल को मनाया जाएगा। स्थापना दिवस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। इस दौरान 10 एलुमनाई का सम्मानित किया जाएगा। साथ ही कई अन्य मेधावी स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेंबर्स को भी सम्मानित किया जाएगा। ये कहना हैं, बीबीएयू ने नवनियुक्त कुलपति प्रो.राजकुमार मित्तल का। शुक्रवार को विश्वविद्यालय कैंपस स्थापना दिवस कार्यक्रम से पूर्व प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस बार 15 दिनों तक आंबेडकर जयंती का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सबसे खास बात ये हैं कि इस आयोजन में अलग-अलग क्षेत्र के कई दिग्गज शामिल होंगे। प्रो.मित्तल ने बताया कि 14 अप्रैल को सुबह भीम वॉक का आयोजन किया जाएगा।

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने उद्यान विभाग की योजनाओं की समीक्षा की

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को उद्यान निदेशालय के सभागार में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार गहन समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उद्यान विभाग द्वारा किसानों की उत्तरोत्तर समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि उद्यान विभाग राज्य के किसानों को आधुनिक और लाभकारी कृषि तकनीकों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पिछले तीन वर्षों में योजनाओं के तहत हुए क्षेत्रफल विस्तार और प्रगति की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्यों को निर्धारित करने पर जोर दिया। प्रदेश में फूल, मसाला और औषधीय खेती की फसलों के क्षेत्रफल को जलवायु क्षेत्र के अनुरूप बढ़ाया जाए, जिसके लिए एक विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि औद्यानिक खेती से कम क्षेत्रफल में अधिक उपज प्राप्त की जा सकती है, जो किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। श्री सिंह ने निर्देश दिया कि प्रचार-प्रसार और जागरूकता अभियान चलाकर योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने निदेशालय स्तर पर अनुभागवार समीक्षा करते हुए सभी योजना प्रभारियों को किसान हित में सकारात्मक और प्रभावी तरीके से

- किसानों की समृद्धि के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

योजनाओं को लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही, जनपदों से नियमित रिपोर्ट तैयार करने और सुधारात्मक कदम उठाने पर भी बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि माननीय न्यायालय में लंबित प्रकरणों का पक्ष ठीक से प्रस्तुत कर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा, प्रदेश के सार्वजनिक और अलंकृत उद्यानों को और अधिक सुंदर बनाकर विभाग की छवि को मजबूत करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि कार्मिक बिना अवकाश स्वीकृति के मुख्यालय से बाहर नहीं रहें, ताकि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने कम प्रगति वाले जनपदों के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसान हित में लापरवाही बरतने वालों को किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जाएगा। बैठक में इस वर्ष एकीकृत बागवानी विकास मिशन के सभी जनपदों में विस्तार और उससे किसानों को होने वाले लाभ पर भी चर्चा हुई। औद्यानिक खेती के क्षेत्रफल विस्तार और सामुदायिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। इसके लिए मंडलीय गोष्ठियों का आयोजन कर किसानों को जागरूक करने की योजना बनाई गई है। समीक्षा के दौरान ड्रिप और मोर-क्रॉप माइक्रोइरिगेशन योजना, एकीकृत बागवानी विकास मिशन, 30 नैनो एनएचएम, जनपदों की औद्यानिक विकास परियोजना, हाईटेक नर्सरी, अनुसूचित जाति/जनजाति कृषकों के लिए औद्यानिक विकास योजना, गुणवत्तायुक्त पान उत्पादन को प्रोत्साहन योजना, राजकीय पौधशालाओं पर पौध उत्पादन एवं वितरण, वृक्षारोपण कार्यक्रम, फलपट्टियों के विकास, आलू एवं शाकभाजी प्रक्षेत्रों, नमामि गंगे, गंगा के तटवर्ती औद्यानिक विकास योजना, बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र में औद्यानिक विकास योजना तथा उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सभी योजनाओं को तुलनात्मक रूप से प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए उचित दिशा-निर्देश दिए गए।

मसकगंज वार्ड में 'वार्ड चलो अभियान' के तहत जनसभा और शोभायात्रा, एमएलसी मुकेश शर्मा ने रखे विचार

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। विधान परिषद सदस्य श्री मुकेश शर्मा ने आज ÷वार्ड चलो अभियान÷ के अंतर्गत मध्य विधानसभा के मसकगंज वार्ड में मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों पर बल देते हुए कहा कि पार्टी ने देश के विकास की दिशा तय करने में कभी भी अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया।

श्री शर्मा ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसे ऐतिहासिक फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी वादे पार्टी ने अपने घोषणा पत्र के अनुरूप पूरे किए हैं,

जो पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बैठक के बाद मसकगंज वार्ड में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मध्य विधानसभा के उपविजेता रजनीश गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके पश्चात मुकेश शर्मा ने ताजिखाना क्षेत्र का दौरा कर प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी बबीता गुप्ता, उज्ज्वला योजना की लाभार्थी निशा, सत्यवती सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात की और उनकी प्रतिक्रिया जानी। इस कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल कश्यप, पूर्व पार्षद प्रत्याशी संजय रस्तोगी सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिल्ली को लखनऊ पर भरोसा नहीं : अखिलेश यादव

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर थे। इस दौरान प्लेन से उतरते ही रनवे पर पुलिस कमिश्नर, मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से पिछले दिनों हुए गैंगरेप को लेकर जानकारी ली।

आरोपियों पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। पीएम मोदी का अफसरों से सीधे और अकेले में बातचीत करना प्रदेश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी सपा को कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधने का मौका दे गया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे लेकर योगी सरकार पर हमला बोल दिया। अखिलेश ने कहा कि दिल्ली को लखनऊ पर भरोसा नहीं है। प्रधानमंत्री का सीधे अफसरों से

- अब सीधे अफसरों से पूछ रहे हैं प्रधानमंत्री

पूछताछ करना तो राज्य सरकार की पोल खोल रहा है। अलीगढ़ में मीडिया से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि वाराणसी में हुई यह गैंगरेप की घटना पहला मामला नहीं है। इससे पहले बीएचयू में आईआईटी की छात्रा से भी इसी तरह की वारदात हुई थी। उस वारदात में तो जितने भी आरोपी पकड़े गए सभी बीजेपी के लोग थे। प्रधानमंत्री का किसी गैंगरेप पर अधिकारियों से सीधे पूछताछ करना तो कानून व्यवस्था पर ही ऊंगली उठाता है। अखिलेश ने एमएलए नंद लाल गुर्जर का बिना नाम लिए कहा कि भाजपा का ही विधायक फटे कपड़ों में घूम रहा है। फटे कपड़ों मेंअयोध्या दर्शन करने गया था, वह तो अधिकारियों को चैलेंज कर रहा है।

सम्मेलन में व्यापारियों ने समस्याओं को उठाया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान मे चारबाग स्थित एक रेस्टोरेंट के बैंक्वेट हॉल में क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन एवं पुनर्गठन बैठक का आयोजन हुआ। क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन बैठक में क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन एवं पुनर्गठन बैठक में पान दरीबा, एपीसेन रोड, मवैया, लोकमान्यगंज ,सब्जी मंडी, विजयनगर ,दूध मंडी, गुरु नानक मार्केट के व्यापारी शामिल हुए।

क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन में चारबाग के व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को मुखरता से उठाया चारबाग के व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के सामने रविन्द्रालय तिराहे पर बंद रास्ते को खुलवाने की मांग की तथा यातायात जाम एवं अस्थायी अतिक्रमण का मुद्दा भी क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन में उठाए। व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष से कहा रवींद्रालय तिराहे का रास्ता बंद किए जाने एवं अस्थायी अतिक्रमण से व्यापारियों के सामने बहुत समस्या आ गई है। चारबाग मार्केट में स्ट्रीट्लाईट एवं सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने की भी व्यापारियों सम्मेलन में मांग की। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा चारबाग के व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल हर स्तर पर प्रयास करेगा। जिलाधिकारी , मंडलायुक्त एवं सरकार के लखनऊ के प्रभारी मंत्री से मिलकर चारबाग की समस्याओं का समाधान कराएगा। इस अवसर पर आदर्श व्यापार मंडल की चारबाग इकाई के पुनर्गठन के लिए पन्द्रह सदस्यीय प्रभारी कमेटी का भी गठन किया गया। चारबाग इकाई की कार्यकारिणी के पुनर्गठन के लिए गठित प्रभारी कमेटी में हर्ष पाल सिंह को प्रभारी एवं सह प्रभारी के रूप में प्रकाश चौरसिया, अमनदीप चावला, वकार अहमद, सतवंत वीर सिंह, काके, गुरुबचन सिंह राजा ,अंकुर अग्रवाल, हिमांशु चौबे, कमल खुल्लर, हिमांशु अग्रवाल, हर्षदीप सिंह, गुरदीप सिंह, अभय मिश्रा ,अभिनव चौबे, अनिल सचान को नामित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने प्रभारी कमेटी को पन्द्रह दिन में सभी बाजारों में संपर्क करके सभी बाजारों से पांच पांच पदाधिकारियों को लेकर 50 नए पदाधिकारियों को जोड़ते हुए चारबाग की कार्यकारिणी के गठन के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रौद्योगिकी से अवधी भाषा करे कदमताल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर (कर्नाटक) एवं अवध भारतीय संस्थान, अर्जुनगंज (लखनऊ) के तत्वावधान में भाषा एवं प्रौद्योगिकी : अवधी के संदर्भ में विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रेस क्लब में आयोजित इस विचार गोष्ठी में भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के विषय विशेषज्ञ डॉ सत्येन्द्र अवस्थी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में भाषा और प्रौद्योगिकी के मध्य अच्छा सामंजस्य होना नितांत आवश्यक है। क्योंकि, भाषा जहां संचार का मूल माध्यम है।

वहीं, प्रौद्योगिकी इस संचार को नया आयाम देती है। अवधी के कवियों, लेखकों, कलाकारों को डिजिटल फ्रेंडली बनना होगा। अवध भारती संस्थान के अध्यक्ष डॉ राम बहादुर मिश्र ने कहा कि प्रौद्योगिकी की बड़ी आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए अवध भारती संस्थान, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) एवं भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर (कर्नाटक) ने इस विचार गोष्ठी का संयोजन किया है। हमें

- प्रेस क्लब में 'भाषा एवं प्रौद्योगिकी : अवधी के संदर्भ में' विषयक विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

विश्वास है कि हमारी अवधी प्रौद्योगिकी संग कदमताल करेगी। हम अवधी को प्रौद्योगिकी से जोड़ने के लिए अलग-अलग स्थानों पर कार्यशाला करेंगे। अब हमको आधुनिक तकनीक को अपनाना ही होगा। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन के लखनऊ मण्डल अध्यक्ष शिव शरण सिंह गहरवार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इस विचार गोष्ठी में अवधी भाषा के विकास, तकनीकी अनुप्रयोगों एवं उनके आपसी प्रभावों पर विचार-विमर्श किया गया। अवधी को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस उपाय करने होंगे। हवा-हवाई बातों से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। यूपी से अवधी आराधकों का 50 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के दौरे पर जाना चाहिए।

इस विचार गोष्ठी के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार एवं अवधी आराधक नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान ने बताया कि अवध भारती संस्थान अबतक 200 पुस्तकें प्रकाशित कर चुका है। इसमें 20 किताबों को हिन्दी संस्थान, उप्र ने पुरस्कृत भी किया है। पिछले 35 साल में संस्थान ने भारत के विभिन्न राज्यों में ही नहीं, बल्कि 12 देशों में अवधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन हेतु विभिन्न कार्यक्रम किये हैं। अब अवधी को प्रौद्योगिकी से समर्थ करने पर कार्य किया जा रहा। भाषा एवं प्रौद्योगिकी : अवधी के संदर्भ में विषयक इस विचार गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि द्वय केकेसी के प्रोफेसर डॉ सिद्धार्थ सिंह एवं कला वसुधा पत्रिका के सम्पादक शाखा बंदोपाध्याय ने बड़े सारगर्भित विचार रखे। वरिष्ठ पत्रकार एवं अवधी आराधक प्रेमकांत तिवारी ने अवधी को युवाओं से जोड़ने के कई उपाय सुझाए। वहीं, कल्चर दीदी कुसुम वर्मा ने बेटियों को समर्पित एक मार्मिक अवधी गीत प्रस्तुत किया। गोष्ठी में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विनय दास, प्रदीप सारँग, डॉ सत्या सिंह, प्रदीप तिवारी धवल, चित्रकार पप्पू अवस्थी, ओम मिश्रा, आदित्य शुक्ला बंजारा, संजय सांवरा, संदीप अनुरागी, प्रमोद यादव व गौरी शंकर वैश्य सहित कई प्रमुख अवधी साहित्यकार उपस्थित थे।

हमारा कार्य केवल कर्म करना हैं, कर्म ही हमारा कर्तव्य है! फल देने वाला स्वामी ऊपर वाला है, राष्ट्रवाद मानव जाति के उच्चतम आदर्शों यानी सत्यम, शिवम्, सुंदरम् से प्रेरित है, जहां शहद का अभाव हो वहां गुड़ से ही शहद का कार्य निकालना चाहिए, मैंने जीवन में कभी भी खुशामद नहीं की है : सुभाषचंद्र बोस

संपादकीय

ट्रम्प का यू टर्न

कहा जाता है कि जिद्द के पक्के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आमतौर पर अपने फैसलों से पीछे नहीं हटते हैं। यदि ऐसा कोई कदम उठाते हैं तो उसे असामान्य बात ही कहा जाएगा। लेकिन हाल ही में उनके उस फैसले ने सबको चौंकाया है जिसमें उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के सदस्यों समेत दुनिया के साठ देशों के खिलाफ घोषित 'पारस्परिक टैरिफ' को नब्बे दिनों को टालने की घोषणा की है। बहरहाल, उनके इस अप्रत्याशित फैसले ने वैश्विक बाजारों को राहत दी है। जो यह दर्शाता है कि अड़ियल माने जाने वाले डोनाल्ड ट्रंप प्रतिकूल वैश्विक प्रतिक्रिया और घरेलू स्तर पर लगातार तेज होती असंतोष की आवाज से पूरी तरह से बेखबर नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर ट्रंप ने चीन के खिलाफटैरिफबढ़ाने की रफ्तार तेज कर दी है। अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर लगाये जाने वाले कर की दर को बढ़ाकर एक सौ पच्चीस कर दिया है। ऐसा लगता है कि चतुर सुजान ट्रंप को इस बात का अहसास हो गया है कि दुनिया के बहुत सारे देशों को नाराज करने की तुलना में एक मुख्य प्रतिद्वंद्वी पर निशाना केंद्रित करना अधिक सुरक्षित और समझदारी से भरा फैसला होता है। दरअसल, टैरिफवॉर के बाद अमेरिका में शेयर बाजार जिस तेजी से ध्वस्त हुए हैं, उसके मद्देनजर उनके 'अमेरिका ग्रेट अगेन' के सपने को खतरा पैदा होने की आशंका पैदा हो गई है। तभी वह अपने टैरिफ थोपने के फैसले को कुछ दिनों के लिये आगे टाल रहे हैं। वैसे अभी भी यह अनुमान लगाना मुश्किल ही है कि उनकी यह नई समझदारी निरंतरता के साथ स्थायी होगी भी या नहीं। लेकिन अनिश्चय के दौर से गुजर रहे वैश्विक बाजार को कुछ समय के लिये राहत जरूर मिली है। जिसका असर दुनिया के शेयर बाजारों पर भी नजर आया है। जिससे मंदी की तरफबढ़ रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कुछ समय तक राहत की सांस ले सकती हैं। बहरहाल, भारत ने ट्रंप के द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफका तत्काल जवाब न देकर सकारात्मक पहल की है। ऐसा लगता है कि भारत ने ट्रंप के टैरिफपर आक्रामक रुख अपनाने के बजाय इंतजार करने का फैसला करके समझदारी भरा कदम उठाया है। हालांकि, इस फैसले को लेकर विपक्षी आलोचना के स्वर भी सुनाए देते रहे हैं। दरअसल, दांव पर दोनों देशों के बीच होने वाला द्विपक्षीय समझौता भी है, जिस पर नई दिल्ली और वाशिंगटन काम कर रहे हैं। भारत का लक्ष्य है कि दोनों देशों के बीच व्यापार को ढाई गुना बढ़ाना है। भारत ने चतुराई से असहज स्थितियां पैदा करने वाले कारकों को टाला है। बहरहाल, हाल में मिली राहत के बीच यह सुनिश्चित करने के लिये निरंतर बातचीत की आवश्यकता होगी कि भारत को लंबे समय तक भारी टैरिफका बोझ न उठाना पड़े। साथ ही भारतीय हितधारकों को अधिक नुकसान से भी बचाया जाना चाहिए। वहीं चीन ने अमेरिका द्वारा टैरिफथोपे जाने के खिलाफअंत तक व्यापार युद्ध लड़ने की कसम खाई है। उसने मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिका विरोधी मोर्चा बनाने के लिये यूरोपीय संघ और आसियान के देशों से संपर्क साधा है। ऐसा लगता है कि चीन को इस बात का अहसास हो चला है कि टैरिफयुद्ध में वह अकेला ही अमेरिका का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो सकेगा। दिलचस्प बात यह है कि चीन भारत को संकेत दे रहा है कि दो सबसे बड़े विकासशील देशों को मौजूदा कठिनाइयों को दूर करने के लिये एक साथ खड़ा होना चाहिए। हालांकि, भारत चीन के इस अवसरवाद को बखूबी समझता है। लेकिन एक मुश्किल बात यह है कि चीन और अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में शामिल हैं।

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद

तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है। सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है।

तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है। संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को

राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है। तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है। अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं। अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फार्मूला रहा है। त्रिभाषा फ़ॉर्मूले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है। 1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। **:: एजेंसी**

प्रदेश में शराब की बिक्री और नशामुक्ति

दुनिया में मद्यपान अर्थात शराब पीने-पिलाने का प्रचलन सदियों पुराना है। शराब को कई अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे मदिरा, मद्य, नशा, सुरा, हाला, आसव, वारुणी, मधु और इरा आदि। ऐसा अनुमान है कि विश्व में शराब को सबसे पहले 7 हजार साल पहले चीन के लोगों ने बनाया था, जहां उत्तरी पीली नदी के किनारे बाजरे को सड़ाकर शराब बनाई गई होगी। यह पहले की तुलना में बेहतरीन शराब साबित हुई। हालांकि हमारे शास्त्रों में देवताओं के लिए सोमरस नामक पेय पदार्थ का उल्लेख भी आता है। साधारणतः शराब और अन्य मादक पदार्थों का सेवन लोग आनंद के लिए करते हैं। इनके सेवन से थोड़े समय के लिए आनंद की अनुभूति होती है, आत्मविश्वास बढ़ा हुआ महसूस होता है तथा शरीर ऊर्जा से लबरेज लगता है।

शराब तनाव और चिंता को कम करते हुए उत्साह बढ़ाती है और थकावट को दूर करती है तो वहीं इसके सेवन से होने वाले शारीरिक दुष्प्रभावों से भी सभी भली-भांति परिचित ही हैं। भारत में बिहार, गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में शराब का सेवन प्रतिबंधित है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे एनएफएचएस-4, 2014-15 की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 15 से 49 आयु वर्ग के 29.2 फीसदी पुरुष अल्कोहल/शराब का सेवन कर रहे थे। जहां तक भारत के राज्यों का सवाल है तो अरुणाचल प्रदेश की 59 प्रतिशत पुरुष आबादी शराब का सेवन कर रही थी तो दूसरे नंबर पर त्रिपुरा की 58 प्रतिशत, तेलंगाना की 54 फीसदी, छत्तीसगढ़ की 53, मणिपुर की 53 और हिमाचल प्रदेश की 40 फीसदी पुरुष जनसंख्या शराब पी रही थी।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2019-21 के अनुसार, लक्षद्वीप में केवल 0.4 फीसदी पुरुष और 0.2 फीसदी महिलाएं शराब का सेवन कर रही थीं। यह भी कड़वी सच्चाई है कि शराब के सेवन से दुनिया भर में हर साल 30 लाख लोगों की मृत्यु होती है। हिमाचल की आर्थिकी का मजबूत स्तंभ माने जानी वाली शराब नीति के तहत इस बार हिमाचल प्रदेश में 18 मार्च से 2100 शराब ठेकों की नीलामी शुरू हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग ने नीलामी के लिए जिलावार शेड्यूल जारी कर दिया था और आगामी वित्त वर्ष के लिए शराब ठेकों की नीलामी से 2850 करोड़ राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। नीलामी प्रक्रिया के तहत एल टू, एल 14 और एल-20 बी का आवंटन किया जाना था। लेकिन ऐसा देखने में आया है कि कई जिलों में बेस प्राइस बहुत अधिक होने के चलते शराब कारोबारियों ने नीलामी प्रक्रिया में भाग ही नहीं लिया। अभी तक हिमाचल में 400 शराब ठेकों के

अधिकांश मेहनतकश लोग शराब एवं अन्य व्यसनों में अपनी कमाई व्यर्थ में उड़ा देते हैं। उनके कर्म की सार्थकता इसी में निहित है जब वे अपनी मेहनत से कमाए धन से परिवार में समृद्धि लाएं और अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अच्छा नागरिक बनाएं। चूंकि हिमाचल की 40 फीसदी 15 से 49 आयुवर्ग की पुरुष जनसंख्या शराब का सेवन कर रही है, लिहाजा ऐसे लोगों को न केवल अत्यधिक शराब के सेवन की आदत से बचना होगा, बल्कि अपने परिवारों की देखभाल के लिए शराब को नमस्कार कहने में ही भलाई है।

लिए खरीददार नहीं मिले हैं। लिहाजा प्रदेश में सरकार अब उन शराब ठेकों को अकेले-अकेले बेचेगी, जिनके लिए अभी तक किसी ने टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया है। अब कोई भी व्यक्ति इसके लिए अपनी निविदा डाल सकता है और केवल 50 हजार की अर्नेस्ट मनी के साथ इसके लिए आवेदन किया जा सकता है। आज भारतीय मादक शराब पेय उद्योग दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा राजस्व एकत्रित करने वाला उपक्रम है और भारत की कोई भी सरकार अपने आर्थिक हितों के लिए इससे समझौता करने के पक्ष में नहीं दिखती है।

हालांकि हिमाचल सरकार ने लोगों की सेहत और स्वास्थ्य से कोई खिलवाड़ न हो, इसके दृष्टिगत हिमाचल प्रदेश आबकारी संशोधन विधेयक को सदन में ध्वनिमत से पारित भी करवाया है। इस कानून के प्रावधानों के तहत हिमाचल प्रदेश में अब अवैध, गुणवत्ताहीन और जहरीली शराब पकड़े जाने पर संपत्ति जब्त होगी। पांच साल तक की कैद और पांच लाख रुपए तक के जुर्माने का भी प्रावधान किया गया है। विधेयक पारित होते ही हिमाचल अवैध, गुणवत्ताहीन और जहरीली शराब पकड़े जाने पर एक्साइज एक्ट के तहत संपत्ति जब्त करने वाला अब देश का पहला राज्य बन गया है। अन्य राज्यों में पुलिस एक्ट के तहत यह कार्रवाई होती है, वहीं हिमाचल सरकार ने अब मामले को संज्ञेय अपराध भी बना दिया है। आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) में संज्ञेय अपराध की परिभाषा ऐसे अपराध के रूप में की गई है जिसमें गिरफ्तारी के लिए किसी वारंट की जरूरत नहीं होती है। इस प्रकार के मामलों को गैर जमानती भी बना दिया गया है।

चूंकि हिमाचल सरकार पहले से ही आर्थिक संकट के दौर गुजर रही है, लिहाजा ऐसे कानूनों द्वारा प्रदेश में अवैध गैर कानूनी शराब की तस्करी और बेचने पर लगाम लगेगी, अपितु कानूनी रूप से शराब ठेकों की नीलामी से सरकार को पर्याप्त राजस्व की प्राप्ति भी होगी। एक लेखक एवं जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आम लोगों को मैं जरूर आगाह करना चाहूंगा कि शराब का अत्यधिक सेवन करने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कैंसर, लीवर रोग, हृदय रोग, अग्नाशयशोथ, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, शराब विषाक्तता, कोमा और मृत्यु तक होने की संभावना रहती है। अधिकांश मेहनतकश लोग शराब एवं अन्य व्यसनों में अपनी कमाई व्यर्थ में उड़ा देते हैं। उनके कर्म की सार्थकता इसी में निहित है जब वे अपनी मेहनत से कमाए धन से परिवार में समृद्धि लाएं और अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अच्छा नागरिक बनाएं। चूंकि हिमाचल की 40 फीसदी 15 से 49 आयुवर्ग की पुरुष जनसंख्या शराब का सेवन कर रही है, लिहाजा ऐसे लोगों को न केवल अत्यधिक शराब के सेवन की आदत से बचना होगा, बल्कि अपने परिवारों की देखभाल के लिए शराब के सेवन को दूर से ही नमस्कार कहने में ही उनकी भलाई है। वहीं हिमाचल प्रदेश में नशे की समस्या से निपटने के लिए सरकार, समाज और परिवारों को भी मिलकर काम करना होगा। **:: एजेंसी**

युद्धों के कारण मानवीय संकट

मध्य पूर्व के देशों और रूस और यूक्रेन के बीच युद्धों के परिणामस्वरूप मानवीय संकट अपने चरम पर है। इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम के बावजूद गाजा के असहाय नागरिकों पर बमबारी से कोई राहत नहीं मिली है। यदि हम बड़े अनुमानों पर जाएं तो 100,000 से अधिक लोग पहले ही मारे जा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। वास्तव में यह इजरायल के जायोनी शासन

द्वारा फिलिस्तीनियों का सफाया करने के लिए एक जबरदस्त आक्रमण साबित हुआ है। पैरा-मेडिकल कर्मचारियों की हाल ही में हुई हत्या इस बात को साबित करती है। अमेरिकी प्रशासन नवीनतम उच्च शक्ति वाले बमों के साथ इजरायल का पूरा समर्थन कर रहा है और सभी परिस्थितियों में इजरायल के पीछे खड़ा है। इसने जनवरी 2025 में इजरायल को 2,000 पाउंड के बम छोड़ने की अनुमति दी, एक ऐसा गोला-बारूद जिसे पहले रोक लिया गया था। इसी तरह, रूस यूक्रेन युद्ध के परिणामस्वरूप मानवीय पीड़ा का अंत निकट भविष्य में एक वास्तविकता नहीं लगता है। युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और रूसी सरकारों के बीच बातचीत जल्द ही परिणाम देगी, यह अनिश्चित है। यूरोपीय संघ ने इन वार्ताओं पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूरोपीय संघ के कई देशों ने यूक्रेन सरकार को सैन्य समर्थन देने की घोषणा की है। कीव द्वारा जारी किए गए आंकड़ों, संयुक्त राष्ट्र के सांख्यिकी और बीबीसी रूस द्वारा प्रकाशित ओपन-सोर्स डेटा के अनुसार, 31 मार्च, 2025 तक यूक्रेनी और रूसी सैनिकों, साथ ही मृत यूक्रेनी नागरिकों की कुल संख्या 158,341 है। नाटो यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है, जो रूस को परेशान करता है। इस युद्ध के अंत की उम्मीद कम है। अगर ये युद्ध जारी रहे तो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इजरायल के विरासत मंत्री अमीचाई एलियाहू ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी थी। अमेरिकी सीनेटर लिंडसेग्राहम और टिमवालबर्ग ने भी इसी तरह के बयान दिए हैं। ये बयान फिलिस्तीनियों को खत्म करने के इजरायल के इरादे की पुष्टि करते हैं। ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आक्रामक बयान भी इस दिशा में गंभीर खतरा हैं। इंटरनेशनल कैंपेनटूएबोलिश न्यूक्लियर वीपन्स (आईसीएएन) के लिए लिखी गई एक टिप्पणी में, लुंड यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान विभाग और सेंटर फॉर एडवांस्ड मिड्ल ईस्टर्न स्टडीज में एसोसिएट सीनियर लेक्चर रहे बाताहा ने चेतावनी दी है कि पिछले साल भर में, गाजा में हिंसा का वर्णन परमाणु सादृश्यों का उपयोग करके किया गया है, उदाहरण के लिए, रिपोर्टें बताती हैं कि गाजा पर गिराए गए इजरायली विस्फोटकों की विनाशकारी शक्ति हिरोशिमा और नागासाकी बमों के बराबर या उससे भी अधिक है। ये रूपक गाजा को इन परमाणु लक्ष्यों से जोड़ने की कोशिश करते हैं। ये रिपोर्ट शायद पारंपरिक और गैर-पारंपरिक हथियारों के बीच के अंतर को भी पीछे धकेलती हैं, क्योंकि गाजा पारंपरिक हथियारों से होने वाले भारी नुकसान और अकल्पनीय हिंसा का प्रदर्शन है।

राष्ट्रपति पुतिन ने चल रहे युद्ध के दौरान परमाणु शस्त्रागार के खतरे का तेजी से इस्तेमाल किया है और रूस ने अपने हथियारों को हाई अलर्ट पर रखा है। चल रहे युद्ध में एक समय परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए गंभीर खतरा दिखाई दिया था। यह खतरा फिलहाल टल गया है, लेकिन समाप्त नहीं हुआ है। 2025 में, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, साथ ही खतरनाक परमाणु बयानबाजी और धमकियां चिंता का विषय बन रही हैं।

टैरिफ वॉर ठहरा है, स्थगित नहीं हुआ

एक अप्रत्याशित फैसले के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दुनिया भर के देशों के खिलाफछेड़ा गया टैरिफयुद्ध 90 दिनों के लिये रोक लिया है। हालांकि उन्होंने अपनी मंशा साफ कर दी है कि वे रेसिप्रोकल टैरिफ के अपने फैसले पर अडिग हैं। 75 देश ऐसे हैं जो ट्रम्प के इस व्यवसायिक युद्ध विराम से कुछ राहत तो पायेंगे लेकिन उनकी यह आशंका अभी खत्म नहीं हुई है कि 90 दिनों के बाद जब बढ़ी हुई दरें लागू होंगी तो उनके कारोबार का क्या होगा। साथ ही, अपने मुख्य प्रतिस्पर्धी चीन को राहत देने की बजाय उसकी सामग्रियों पर 125 प्रतिशत टैरिफ लागू करने का ऐलान कर साफकर दिया है कि वह अपने वैचारिक प्रतिद्वंद्वी के साथ कारोबार के मोर्चे पर बड़ी लड़ाई से पीछे नहीं हट रहे हैं।

हालांकि चीन भी अमेरिकी सामानों पर शुल्क बढ़ाकर माकूल जवाब दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस ऐलान के साथ ही एशियाई समेत दुनिया भर के शेयर बाजारों में बड़ा उछाल आया। अमेरिकी शेयर मार्केट ने तो सबसे बड़ी छलांग लगाई जो ट्रम्प के ऐलान के बाद नीचे चला गया था। ट्रम्प ने यह निर्णय अपने सहयोगियों की सलाह पर लिया जो भारतीय समयानुसार बहुत सुबह हुआ था। यह भी कहा जाता है कि टैरिफ बढ़ाने की घोषणा से अमेरिका समेत विश्व भर के शेयरों में जो गिरावट आई और निवेशकों की राशि डूबी थी, (तकरीबन 19 लाख करोड़ रुपये), उससे अमेरिका में ही चिंता की लहर दौड़ गयी थी। अमेरिका के सभी 50 राज्यों में जो ट्रम्प विरोधी

बहुत से विशेषज्ञों का तो यह भी मानना है कि यह अमेरिकी दांव चीन के लिये वरदान साबित हो सकता है। विशेषकर, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, छोटे-कल पुर्जों से बड़ी मशीनों आदि के लिये उसे नये बाजार मिल सकते हैं। सम्भवतः इससे यह बात साबित हो सकती है कि कोई भी अदूरदर्शितापूर्ण फैसला लेने के जो नुकसान होते हैं वे वापस लेने या कुछ दिन टाल देने से और भी विनाशकारी साबित होते हैं।

प्रदर्शन हुए, उसका प्रमुख कारण बढ़ाया गया टैरिफही था। ट्रम्प व रिपब्लिकन सरकार की लोकप्रियता इसके कारण देश में तो गिरी ही, अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी उसकी आलोचना हो रही है। अमेरिकियों का मानना है कि इससे अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों के साथ साख भी खो रहा है। चाहे यह फैसला कुछ दिनों के लिये आगे बढ़ा हो पर ट्रम्प इसे लेकर जिस कदर उत्साहित हैं उससे लगता नहीं कि वे यह कदम वापस लेंगे। अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उन्होंने जो भाषण दिया उसमें लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित राष्ट्राध्यक्ष की बजाय किसी तानाशाह की सी ध्वनि निकलती है। पहले तो उन्होंने कहा कि श्इस ऐलान के बाद अमेरिका में इतना पैसा आ रहा है जितना पहले कभी नहीं देखा गया।श् वास्तविकता तो यह है कि अभी इस फैसले पर ठीक से अमल शुरू भी नहीं हुआ है पर अमेरिकी नागरिकों में चिंता है कि बहुत सी वस्तुएं उन्हें महंगी मिलेंगी, खासकर जिनके लिये अमेरिका पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने निर्लज्जतापूर्वक एक ऐसी गर्वोक्ति की जो कि शर्मनाक व असंसदीय हैय जिसे न उद्धृत किया जा सकता है और न ही अभिव्यक्त। अमेरिकी शब्दावली में कहे गये उनके बयान का आशय यह था कि दुनिया एक तरह से उनके कदमों में आ गयी है। 90 दिन टलने के कारण जो उछाल आया वही बताने के लिये काफी है कि ट्रम्प का टैरिफवॉर किस कदर से शेयर बाजारों पर कहर बनकर टूटा है, तभी तो वह कदम, चाहे कुछ ही दिनों के लिये टालते ही शेयर बाजारों की सांसें लौट आईं। खुद अमेरिकी बाजारों का झूम उठना बताता है कि राष्ट्रपति का यह फैसला अमेरिकी निवेशक भी नहीं झेल पायेंगे। इसके साथ यह भी साफहो गया है कि 1991 में अमेरिका प्रवर्तित वैश्विक अर्थव्यवस्था की ट्रम्प रत्ती भर परवाह नहीं करते। वैसे भी अमेरिकी फर्स्ट के नारे पर जीतकर दूसरी बार जीतने वाले ट्रम्प के इस कदम से 3 माह दुनिया का व्यवसाय ऊहापोह में रहेगा। अलबत्ता, ट्रम्प के खासमखास मस्क को इस उछाल से बड़ा लाभ मिलने की सूचना है। एक वीडियो सामने आया है जिसमें ट्रम्प बता रहे हैं कि उनके इस कदम से उनके कुछ मित्रों को कितना लाभ मिला है। वैसे जिस चीन को सबक सिखाने के नाम पर ट्रम्प ने इतना बड़ा प्रपंच रचा और सारी दुनिया को लपेटे में लिया है, वह चीन बिलकुल निश्चिंत है। अपने कुल उत्पादन का लगभग 70 फीसदी वह निर्यात करता है- वह भी अपनी जनता की जरूरतें पूरी करने के बाद। चीन अमेरिकी वस्तुओं पर उतना निर्भर नहीं जितना कि अमेरिका चीन पर। उसे यदि अमेरिकी बाजार महंगे लगेंगे तो वह अपना उत्पादन दूसरे देशों में उतार सकता है। चीन अपने सस्ते उत्पादनों, शानदार लॉजिस्टिक्स और तेज डिलीवरी के चलते किसी भी देश का मुकाबला करता है। बहुत से एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देश महंगी अमेरिकी वस्तुओं की बजाय सस्ती चीनी सामग्रियों को पसंद कर सकते हैं। ट्रम्प का टैरिफ वॉर बहुत से देशों के लिये विनाशकारी हो सकता है लेकिन चीन का इससे बेपरवाह होना लाजिमी है। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेषः- विचारों की अस्थिरता आपको उलझनपूर्ण परिस्थिति में डालेगी। नौकरी-व्यवसाय के क्षेत्र में स्पर्धायुक्त वातावरण रहेगा। नए कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। प्रवास की संभावना है।

वृषभः- मन की दुविधा ठोस निर्णय पर आने से रोकेगी जिससे हाथ आए अवसर आप खो देंगे। झक्की व्यवहार के कारण संघर्ष में उतरने की संभावना है। नए कार्य के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मिथुनः- आज का दिन लाभदायक साबित होने की आशा रख सकते हैं। सुबह से ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होगा। आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ कहीं से गिफ्ट प्राप्त हो सकता है।

कर्कः- शरीर और मन में बेचैनी और अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन की संदिग्धता और दुविधा आपकी निर्णयशक्ति को कसौटी के शिखर पर चढ़ाएंगे। वाद-विवाद से दूर रहें।

सिंहः- आज के दिन आपको विविध लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे समय में मन का ढीलापन आपको लाभ से वंचित न कर दे, इसका ख्याल रखें। पदोन्नति और आय वृद्धि का योग है।

कन्याः- नए कार्य शुरू करने के लिए निर्मित योजनाओं को अमल में लाने का आज उत्तम समय है। व्यापार में लाभ होगा। बकाया वसूली के पैसे वापस मिलेंगे। पिता की तरफसे लाभ होगा।

तुलाः- लंबी दूरी की यात्रा या धार्मिक स्थान की मुलाकात होगी। विदेश यात्रा के लिए अनुकूलता रहेगी। फिर भी आपको संतान और स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंता रहेगी। धन का खर्च होगा।

वृश्चिकः- आज का दिन सावधानीपूर्वक बिताएं। नए कार्य शुरू न करें। क्रोध, आवेश और अनैतिक आचरण आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

धनु : बौद्धिक, तार्किक, विचार-विनिमय और लेखन कार्य के लिए शुभ दिन है। भागीदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ के सम्बंधों में अधिक घनिष्ठता रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

मकरः- आज से आपके व्यापार-धंधे का विकास होगा। आर्थिक रूप से लाभदायक दिन होने से पैसे की लेन-देन में सरलता रहेगी। परिवार में सुख- शांति का माहौल रहेगा।

कुम्भः- आज आप संतान और अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंतित रहेंगे। अपच, पेट-दर्द से परेशान होंगे। विचारों में तेजी से परिवर्तन मानसिक स्थिरता में खलल पहुंचाएगा।

मीनः- शारीरिक- मानसिक भय रहेगा। कुटुंबीजनों के साथ वाद-विवाद होगा। माताजी का स्वास्थ्य खराब होगा। अनचाही घटनाओं से आपके उत्साह में कमी आएगी। अनिद्रा से परेशान रहेंगे।

राशि रत्न

उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर : रजनी तिवारी

परियल गांव में आयोजित किया गया 'गांव की समस्या, गांव में समाधान'

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शाहाबाद /हरदोई। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में लगातार विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है।ये उधर उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने परियल गांव में आयोजित गांव की समस्या, गांव में समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत जनता से रूबरू होते हुए कहे।

उन्होंने जनता की शिकायतें सुनी और उनके निराकरण का हर संभव प्रयास किया। कुछ समस्याओं का उन्होंने मौके पर निस्तारण कर दिया। कुछ समस्याओं को निस्तारित करने के लिए उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया। सरकार के निर्देश पर गांव की समस्या, गांव में समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है । इसी कार्यक्रम के अंतर्गत उच्च शिक्षा राज्य मंत्री शाहाबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत परियल पहुंची। यहां पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने जनता से रूबरू होकर उनकी समस्याएं पूंछी और उनका निराकरण किया। उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी ने बताया केंद्र और प्रदेश की सरकारी लगातार जनहित की योजनाएं चला रही हैं और लोगों को खुशहाली की ओर ले जाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा गांव स्तर पर अगर किसी के सामने कोई समस्या आती है तो वह तत्काल भाजपा के पदाधिकारियों से संपर्क करें ताकि समस्या हमारे तक पहुंच सके और उसका समाधान हो सके। इसके अतिरिक्त व स्वयं क्षेत्र में प्रत्येक शनिवार को आती हैं क्षेत्र के लोग सीधे उनसे मिलकर अपनी समस्या बता सकते हैं हर समस्या का निदान किया जाएगा।

उन्होंने मौके पर मौजूद महिलाओं और ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा पिछली सरकारों ने महिलाओं, किसानों, मजदूरों और नौजवानों के लिए कोई भी योजना संचालित नहीं की। अगर किसी योजना का संचालन किया भी तो उसको क्रियान्वित नहीं किया जा सका और वह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। लेकिन भाजपा की सरकार नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास के पथ पर लगातार अग्रसर है। उच्च शिक्षा मंत्री ने मौजूद महिलाओं से उनका हाल-चाल लिया और उनसे गुफ्तगू की।

इस मौके पर खंड विकास अधिकारी गौरव पुरोहित, नायब तहसीलदार संतोष कुशवाहा, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रवीण दीक्षित, पूर्ति निरीक्षक अशोक द्विवेदी सहित भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू, जिला पंचायत सदस्य लाला राम राजपूत, प्रधान शिवरानी, डॉक्टर रामकुमार राजपूत, दुर्गेश राजपूत, सुभाष रस्तोगी, अनुज राजपूत, मनोज राजपूत आदि मौजूद रहे।

राज्यमंत्री ने मंदिर में की सफाई

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कालागाड़ा गांव पहुंचकर सबसे पहले शिव मंदिर गई वहां पर उन्होंने सफाई कार्य किया और पूजन अर्चन कर विधान सभा क्षेत्र की खुशहाली और तरक्की की कामना की। उच्च शिक्षा मंत्री ने कालागाड़ा गांव में डोर टू डोर भ्रमण करके लोगों की कुशल क्षेम पूंछी। महिलाओं से मुलाकात की और समस्याएं सुनी। किसी ने अपने प्रधानमंत्री आवास की समस्या रखी, तो किसी ने विधवा और वृद्धा पेंशन की बात कही। उन्होंने सभी महिलाओं और पुरुषों की समस्याएं सुनने के बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों को समस्या के निदान के लिए निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

सवायजपुर को विकसित विधानसभा बनाना लक्ष्य : रानू सिंह

हरपालपुर /हरदोई, चसं। सवायजपुर के भाजपा विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने 44 करोड़ की लागत से बनने वाले पलिया-बेडीजोर कढहर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि पूजन, शिलान्यास किया। विधायक रानू सिंह ने कहा कि सबका साथ सबका विकास की तर्ज पर भाजपा सरकार में हर गांव गरीब को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने पूरी विधानसभा क्षेत्र के हर गांव मजरे में विकास कार्य कराए हैं। पांच नदियों से घिरे पिछ?ा क्षेत्र कहे जाने वाले कटियारी क्षेत्र में पुल पुलिया सड़क बिजली की समस्याएं अब समाप्त होने की ओर है। उन्होंने कहा किआने वाले समय में सवायजपुर विधानसभा को विकसित विधानसभा बनाना उनका लक्ष्य है। उन्होने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान उनके लिए सर्वोपरि है। इस मौके पर सहायक अभियंता संतोष कुमार रावत,अवर अभियंता कौशल कुमार, ब्लाक प्रमुख अनोखेलाल कश्यप,जिला पंचायत सदस्य राणा प्रताप हिमालय,मण्डल अध्यक्ष कमलेश पाल,रामप्रताप पाण्डेय ब्रम्हानंद दीक्षित,प्रधान यतीश सिंह,रारा यादव संदीप यादव भूरा आदि मौजूद रहे।

एसपी ने पुलिस लाइन का किया वार्षिक निरीक्षण

हरदोई, चसं। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन का वार्षिक निरीक्षण किया उन्होंने परेड की सलामी लेकर अपराध को रोकने के टिप्स दिए।उन्होंने परेड, पुलिस लाइन,112पीआरबी मेस,क्वाटर गार्ड,प्राथमिक विद्यालय आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली इस अवसर पर परेड का निरीक्षण करते हुए उन्होंने उपस्थित पुलिस कर्मियों को क्षेत्र में अपराध रोकने के टिप्स देते हुए कहा कि नागरिकों की सुरक्षा ही हमारा प्रथम कर्तव्य है।पीड़ित न्याय की आस लेकर पुलिस के पास आता है हमे हर हाल में उसका दर्द सुनकर निराकरण के लिए सही कदम उठाना चाहिए। परेड सलामी के बाद उन्होंने पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण करते हुए क्वार्टर गार्ड,मेस सहित यूपी 112, अर्दली रूम,पुलिस लाइन स्थित प्राथमिक विद्यालय,आवासीय परिसर,कैंटीन की साफ सफाई आदि का निरीक्षण करते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर अंकित मिश्रा सहित पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

सभी सूचनाएं राजनीतिक दलों को ससमय उपलब्ध करायी जाएं : मंगला प्रसाद सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों से कहा कि बीएलए की तैनाती कर सूची जल्द निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दी जाये। निर्वाचन कार्यालय को निर्देश दिए कि सभी सूचनाएं राजनीतिक दलों को ससमय उपलब्ध करायी जाएं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में बीएलओ व बीएलए एक दूसरे का सहयोग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए गहन पुनरीक्षण अभियान की तैयारी प्रारम्भ कर दी जाये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार तथा अन्य सम्बंधित अधिकारी व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ई रिक्शा चालक को मारपीट कर किया घायल

शाहाबाद /हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौक में बाइक सवार ने ई रिक्शा चालक को मारपीट कर घायल कर दिया उसका मोबाइल छीन लिया। ई रिक्शा चालक ने घटना की लिखित तहरीर कोतवाली पुलिस को दी है।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दौलतियापुर निवासी पीड़ित ऋषिराम पुत्र रामनिवास के अनुसार वह ई रिक्शा से सवारी लेकर खेड़े से बस स्टैंड जा रहा था। मोहल्ला चौक चारा मंडी मोड़ पर सामने से आ रही एक बाइक संख्या यूपी 30 एएम 9801 सवार विपिन रस्तोगी ने टक्कर मार दी।जिससे बाइक का एक इंडिकेटर टूट गया।

जिलाधिकारी ने निजी स्कूलों के अनियमितताओं पर जताया कड़ा रुख, कहा कमेटी गठित कर करें जांच

- अभिभावक संघ से फीस वृद्धि आदि को लेकर शीघ्र विस्तृत प्रतिवेदन पेश करने को कहा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। अभिभावक संघ हरदोई द्वारा 07 अप्रैल 2025 को जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन के परिप्रेक्ष्य में 11 अप्रैल 2025 को जिलाधिकारी कार्यालय में निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों पर अनुचित आर्थिक बोझ और नियमों के उल्लंघन के मुद्दों पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में निजी स्कूल प्रबंधन, जिला प्रशासन के अधिकारी व शिक्षा अधिकारी, और अभिभावक संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश स्ववित्त पोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम, 2018 सहित अन्य दिशा-निर्देशों के उल्लंघन पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। 5 प्रतिशत से अधिक बिना अनुमति फीस बढ़ाने वाले स्कूलों की जांच के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया। दोषी स्कूलों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। निर्धारित दुकानों से किताबें-कॉपियां खरीदने का दबाव, प्रिंट रेट से अधिक वसूली, और जीएसटी बिल न देने की शिकायतों पर पुस्तक विक्रेताओं को तलब किया गया। जांच के लिए विशेष दल गठन की प्रक्रिया शुरू। सेंट जेवियर स्कूल विवाद पर स्कूल के खिलाफ अभिभावकों के सड़क जाम और प्रदर्शन के कारणों की जानकारी प्रबंधन से मांगी गई। जिलाधिकारी ने अभिभावक संघ को शिकायतों के निवारण का आश्वासन दिया। ऑटो या अन्य साधनों से स्कूल भेजे जाने पर सवारी और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य बताया। बच्चों को स्कूल भेजने का निर्णय अभिभावकों के विवेक पर छोड़ा गया।

जिला शुल्क नियामक समिति को और सक्रिय करने का निर्देश दिया, ताकि अभिभावकों की शिकायतों का त्वरित समाधान हो। अभिभावक संघ के अध्यक्ष गोपाल द्विवेदी ने कहा, जिलाधिकारी के निर्देश अभिभावकों के लिए राहत की बात है। हम मांग करते हैं कि जांच समयबद्ध हो और दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो। महासचिव दानिश किरमानी ने बसों में पानी की व्यवस्था और ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान पर भी जोर दिया। अभिभावक संघ का पक्ष प्रस्तुत करते हुए संरक्षक राकेश पाण्डेय ने कहा कि हम प्रशासन के साथ सहयोग के लिए तत्पर हैं और उम्मीद करते हैं कि निजी स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लगेगा।

अभिभावक संघ की ओर से एडवोकेट सुनील सिंह व नवल किशोर भी मौजूद रहे। विस्तृत वार्ता के बाद जिलाधिकारी ने अभिभावक संघ से नियमों आदि को लेकर विस्तृत प्रतिवेदन पेश करने के लिए कहा।

सांड़ों की लड़ाई में मासूम की मौत, खेलते समय आया चपेट में

हरदोई, चसं। जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र के लिलवल गांव में आवारा सांडों की लड़ाई में एक 6 वर्षीय बच्चे की जान चली गई। मृतक बालक प्रदीप अपने चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। घटना उस वक्त हुई जब दो सांड आपस में भिड़ गए। प्रदीप पास में खेल रहा था। वह अचानक दोनों सांडों के बीच आ गया। सांडों की टक्कर में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत टड़ियावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। आवारा सांडों की कई बार शिकायत की गई थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे।

उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। इस घटना ने एक बार फिर आवारा पशुओं की समस्या को सामने ला दिया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। वे परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं।

भाजपा के गांव चलो अभियान के तहत प्रदेश उपाध्यक्ष ने किया सम्पर्क और समीक्षा बैठक

- प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने नगर के गंगानगर कॉलोनी में संपर्क किया इसके साथ ही उन्होंने जिला कार्यालय पर अभियान की समीक्षा बैठक भी की

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस से चल रहे गांव चलो अभियान के तहत प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने नगर के गंगानगर कॉलोनी में संपर्क किया इसके साथ ही उन्होंने जिला कार्यालय पर अभियान की समीक्षा बैठक भी की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा किसी भी देश के सशक्तिकरण के मूल में उसकी संस्कृति उसका वैभव होते हैं। भारतीय जनमानस की बहुप्रतीक्षित इच्छा उस समस्य साकार हुई जब हमारे रामलला टेंट से विशाल मंदिर में विराजमान हुए। काशी विश्वनाथ और महाकाल कॉरिडोर ने एक सुव्यवस्थित हिंदुत्व आस्था को स्वाभाविक बल दिया।

महाकुम्भ 2025 के सफल आयोजन ने जहाँ पूरे विश्व को हतप्रभकिया, वहीं देश की सांस्कृतिक चेतना को जाति धर्म से परे उठाकर उसमे नई जान फूंकी है। एक स्थान से दूसरे स्थान तक सामान ले जाने या पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जहां वर्ष 2014 में 12 किलोमीटर प्रतिदिन राजमार्ग बनाए जाते थे। वहीं अब 30 किलोमीटर से अधिक प्रतिदिन राजमार्ग बनाकर लोगों को उनकी आवश्यकताओं तथा खुशियों से जोडने का काम कर रहे हैं। मेक इन इण्डिया, स्टार्ट अप इण्डिया, स्टैंड अप इण्डिया जैसी योजनाओं से हुए आर्थिक लाभ से तो सभी परिचित है, परन्तु जब हम ध्यान से विश्लेषण करें तो इन योजनाओं से देश के स्वावलंबन को मजबूत करने के साथ ही वैश्विकता के दौर में भी आर्थिक राष्ट्रवाद का बिगुल बजाया गया है। सागरमाला तथा सागरमाला परियोजनाएं केवल आर्थिक विकास तथा देश की अवसंरचना के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि भारत का वैश्विक कद इन योजनाओं के कारण बढ़ा है। कोविड 19 में भारत जैसे विशाल जनसंख्या को संभालने के साथ ही वैश्विक स्तर पर भी भारत ने वैक्सीन डिप्लोमेसी का कुशलतापूर्वक बहन किया। जी-20 का सफल आयोजन, युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीयों की सकुशल वापसी, ब्रिक्स में सदस्यों का विस्तार, क्याड में भारत का दबदबा कुछ ऐसे बिंदु हैं जो यह बताने के लिए पर्याप्त है कि, भारत का वैश्विक कद सर्वकालिक रूप से उच्चतम स्तर की ओर बढ़ चुका है।महर्षि कश्यप की तपोभूमि जम्मू एवं कश्मीर में दशकों से कई पीढ़ियां आतंक से साए में जन्मीं और आतंक के साए में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। अब घाटी की हवा बदल चुकी है, पर्यटकों से भरी वादियां जहाँ स्थानीय आर्थिक समस्याएं हल कर रही हैं वहीं अनुच्छेद 370 के उन्मूलन से कश्मीरी युवा देश की मुख्य धारा से जुडकर कश्मीर को राष्ट्रवादी चश्मे से देखने लगा है। प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, राम बहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, ओम वर्मा, सत्येंद्र राजपूत, पूर्व जिला उपाध्यक्ष आजाद भदोरिया, जिला मंत्री अविनाश पांडे, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, कार्यालय मंत्री अतुल सिंह,सह मीडिया प्रभारी सत्यम शुक्ला ,अविनाश मिश्रा, मुकुल सिंह आशा, आशुतोष बाजपेई, अखिल सिंह चंदेल, अभिषेक श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी ग्रीष्मकाल के दौरान रेलवे द्वारा पहले से ही घोषित अनेक ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के अलावा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

04219/04220 शाहगंज – अयोध्या धाम – शाहगंज अनारक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (100 फेरे)

गाड़ी सं. 04219 आगमन	गाड़ी सं. 04219 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04220 आगमन	गाड़ी सं. 04220 प्रस्थान
—	22:35	शाहगंज	04:40	—
01:40	—	अयोध्या धाम	—	02:10

चलने के दिन: 04219 शाहगंज से एवं 04220 अयोध्या धाम से दिनांक 12.04.2025 से 10.07.2025 तक। ठहराव: मालीपुर, अकबरपुर एवं गोशाईगंज स्टेशन। स्थान: सामान्य श्रेणी।

03311/03312 धनबाद जं. – चंडीगढ़ – धनबाद जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (06 फेरे)

गाड़ी सं. 03311 आगमन	गाड़ी सं. 03311 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 03312 आगमन	गाड़ी सं. 03312 प्रस्थान
—	23:50	धनबाद जं.	09:00	—
13:45	13:55	लखनऊ	19:10	19:20
04:30	—	चंडीगढ़	—	06:00

चलने के दिन: 03311 धनबाद जं. से दिनांक 15, 18 एवं 22.04.2025 (मंगलवार व शुक्रवार) को एवं 03312 चंडीगढ़ से दिनांक 17, 20 एवं 24.04.2025 (गुरुवार और रविवार) को। ठहराव: गोमोह जं., पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली जं., पानीपत एवं अंबाला छावनी स्टेशन। स्थान: 3 टियर वाता।

03313/03314 धनबाद जं. – चंडीगढ़ –धनबाद जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (24 फेरे)

गाड़ी सं. 03313 आगमन	गाड़ी सं. 03313 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 03314 आगमन	गाड़ी सं. 03314 प्रस्थान
—	23:50	धनबाद जं.	09:00	—
07:45	07:50	वाराणसी जं.	00:45	00:50
04:30	—	चंडीगढ़	—	06:00

चलने के दिन: 03313 धनबाद जं. से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 12.04.2025 से 28.06.2025 तक एवं 03314 चंडीगढ़ से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 14.04.2025 से 30.06.2025 तक। ठहराव: गोमोह जं., पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली जं., पानीपत एवं अंबाला छावनी स्टेशन। स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता एवं 3 टियर वाता इकोनॉमी।

01029/01030 लोकमान्य तिलक (ट.) – छपरा जं. – लोकमान्य तिलक (ट). एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (14 फेरे)

गाड़ी सं. 01029 आगमन	गाड़ी सं. 01029 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 01030 आगमन	गाड़ी सं. 01030 प्रस्थान
—	22:55	लोकमान्य तिलक (ट.)	08:00	—
06:00	06:10	वाराणसी जं.	01:20	01:30
13:15	—	छपरा जं.	—	19:00

चलने के दिन: 01029 लोकमान्य तिलक (ट.) से प्रत्येक रविवार को दिनांक 13.04.2025 से 25.05.2025 तक एवं 01030 छपरा जं. से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 15.04.2025 से 27.05.2025 तक। ठहराव: ठाणे, कल्याण जं., इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव जं., भुसावल जं., इटारसी जं., जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, जौनपुर जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी एवं बलिया जं. स्टेशन। स्थान: 2 टियर वाता एवं 3 टियर वाता।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

नॉर्वे शतरंज से पहले विश्वनाथन आनंद ने गुकेश का समर्थन किया

मुंबई, एजेंसी। शतरंज की दुनिया में सबसे बहुप्रतिष्ठित प्रतियोगिता में, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन गुकेश डोमराजू इस साल के नॉर्वे शतरंज 2025 में एक उच्च-दांव प्रतियोगिता में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से भिड़ेंगे। यह टूर्नामेंट 26 मई से 6 जून तक स्टावेंजर में होगा।

शहर में नॉर्वे शतरंज और खेल पत्रकार संघ (एसजेएएम) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने चेन्नई के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी का समर्थन किया और कहा, ÷मुझे एक बहुत ही रोमांचक लड़ाई की उम्मीद है। गुकेश में मैग्नस कार्लसन के पीछे जाने की प्रेरणा या दृढ़ संकल्प की कमी नहीं होगी। लेकिन मैग्नस हमारे युवा खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने की चुनौती से भी बहुत प्रेरित है। मैंने उन्हें कई टूर्नामेंटों में देखा है चाहे वह कोलकाता हो या वर्ल्ड रैपिड ब्लिट्ज, वह इन मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार करते हैं और इसलिए हमारे पास एक बेहतरीन तूफान है। मुझे लगता है कि हमें कुछ बेहतरीन मुकाबलों की उम्मीद करने का हक है। 18 वर्षीय गुकेश ने इस साल उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, टाटा स्टील मास्टर्स जीतकर, शतरंज ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में दबदबा बनाया और आखिरकार क्लासिकल शतरंज में अंतिम पुरस्कार हासिल कियारू पिछले दिसंबर में सिंगापुर में विश्व चैम्पियनशिप का खिताब। इस साल के नॉर्वे शतरंज में दुनिया के नंबर 1 और मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे), हिकारू नाकामुरा (यूएसए), गुकेश डी (भारत), फैबियानो कारुआना (यूएसए), अर्जुन एरिगैसी (भारत) और वेई यी (चीन) जैसे स्टार खिलाड़ियों की भरमार होगी, जबकि नॉर्वे शतरंज महिलाओं में जू वेनजुन (चीन), लेई टिंगजी (चीन), हम्पी कोनेरू (भारत), अन्ना मुजीचुक (यूक्रेन), वैशाली रमेशबाबू (भारत) और सारा खादेमालशारीह (स्पेन) शामिल होंगी। नॉर्वे शतरंज और नॉर्वे शतरंज महिला, एक ही प्रारूप, एक ही पुरस्कार राशि की विशेषता रखते हैं, और एक ही खेल हॉल में आयोजित किए जाते हैं। दोनों टूर्नामेंट 6-खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप का पालन करते हैं। नॉर्वे शतरंज में खेलने के अपने अनुभव से, आनंद ने पिछले के कैलेंडर के तहत नॉर्वे शतरंज के किसी भी अन्य विश्व आयोजन से अलग होने के कारणों पर प्रकाश डाला। इस साल, नॉर्वे शतरंज में दुनिया के शीर्ष 5 भाग लेने के साथ, प्रतियोगिता किसी भी शतरंज के शौकीन के लिए रोमांचक होने का वादा करती है। आनंद ने कहा, ÷यह शतरंज के खेल में प्रमुख आयोजनों में से एक है, और 2013 में नॉर्वे शतरंज की शुरुआत के बाद से, यह बहुत अच्छी तरह से विकसित होता रहा है। ये टूर्नामेंट को बहुत आकर्षक बनाना जारी रखते हैं, यह दर्शाता है कि शतरंज क्या है। वे इसे बहुत दिलचस्प बनाने के लिए हमेशा कुछ अतिरिक्त बदलाव करते हैं, चाहे वह कन्फेशनल बूथ हो या अब आर्मगेडन। यह एक बहुत ही अभिनव टूर्नामेंट है, और प्रतिस्पर्धा का स्तर बस उत्कृष्ट है। उन्होंने आगे कहा, और भारतीय शतरंज के लिए, यह तथ्य कि हमारे पास चार खिलाड़ी हैं, बहुत कुछ कहता है। पुरुषों के मामले में, भारतीय शतरंज पहले की तरह ही मजबूत है। और भी अधिक स्पष्ट रूप से यह हमारे पास मौजूद गहराई के कारण। लेकिन यह बहुत अच्छा है कि कोनेरू हम्पी अभी भी इतनी सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा कर रही है और उसके साथ वैशाली भी शामिल होंगी, जो हमारे लिए अच्छा संकेत है। साझेदारी की तलाश के लिए भारत का दौरा करने वाले नॉर्वे शतरंज के प्रबंध निदेशक और दूरदर्शी केजेल मैडलैंड ने आगे विस्तार करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ÷नॉर्वे शतरंज गुकेश और मैग्नस के बीच मुकाबले की मेजबानी करके बहुत सम्मानित महसूस कर रहा है, खास तौर पर गुकेश के बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए। दोनों चौंपियन के पास एक-दूसरे को हराने के कई मौके होंगे, जो नॉर्वे शतरंज के लिए बहुत अच्छा संकेत है। और उम्मीद है कि अगले साल नॉर्वे शतरंज भारत में भी इसी तरह का मुकाबला आयोजित कर सकेगा, जहां बहुत सारे चौंपियन हैं।

प्रथम रीमा मेमोरियल शूटिंग बाल जोनल चैंपियनशिप 12 अप्रैल को

लखनऊ, चसं। जिला शूटिंग बाल एसोशिएसन लखनऊ के तत्वावधान में दिनांक बारह अप्रैल को प्रथम रीमा मेमोरियल सब-जूनियर शूटिंग बाल जोनल चंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता बारह अपैल को वृंदावन योजना, सेक्टर-9 रायबरेली रोड स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल में प्रातः दस बजे से आयोजित की जा रही है। शूटिंग बाल एसाशिएसन के सचिव अन्जय दास ने बताया कि चौंपियनशिप में सब-जूनियर वर्ग में बालक-बालिकाओं की दस टीमें हिस्सा ले रही है। जिनमें राजधानी लखनऊ सहित उन्नाव ,कानपुर, कौशांबी, प्रयागराज ,प्रतापगढ़, फतेहपुर ,बाराबंकी ,सुल्तानपुर तथा अमेठी की टीमें शामिल है। प्रथम तीन स्थान पर आने वाली टीमें 26 व 27 अपैल को वाराणसी में आयोजित होने वाली 44वीं राज्य स्तरीय शूटिंग बॉल सब जूनियर चौंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 20 छात्रों का एचसीएल में हुआ कैम्पस प्लेसमेंट

लखनऊ, चसं। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एचसीएल टेक्नोलॉजीस कंपनी ने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 20 विद्यार्थियों का चयन किया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने सभी चयनित छात्रों को हार्दिक बधाई दी। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, पैनल डिस्कशन और कैंपस एचआर राउंड जैसे चरण शामिल थे, जिन्हें सफलतापूर्वक पार करते हुए 20 छात्रों ने यह सफलता हासिल की।चयनित छात्रों को ÷ग्रेजुएट ट्रेनी÷ पद के लिए वार्षिक 2.4 लाख रुपये के पैकेज पर नियुक्त किया गया है।चयनित छात्रों में बी.कॉम के सात छात्र-छात्राएं लावण्या सिंह, जोया अख्तर बेग, शगुन सिंह, वैष्णवी वर्मा, तान्या अवस्थी, अनन्या सिंह और सुमेधा पांडे, बीसीए के छह छात्र हमना खान, सात्विक बारी, मयंक जायसवाल, कीर्ति सिंह, प्रिशा सिंह और मुदित मेहरोत्रा, बीबीए के तीन छात्र देवांश भट्ट, निखिल सिंह और अश्वनी सिंह, बी.ए की एक छात्रा श्रेया मौर्य तथा बी.कॉम (ऑनर्स) के तीन छात्र इशिता आनंद, शाश्वत चतुर्वेदी और अरुणिमा जायसवाल शामिल हैं।

काशी को सजाने और संवारने के लिए 13.78 करोड़ की 6 परियोजनायें मंजूर

लखनऊ, चसं। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी के लिए 13.78 करोड़ की छह योजनाएं स्वीकृत हुई हैं। इसके पहले भी शासन ने 60 करोड़ की योजनाओं को मंजूरी दी है। पर्यटन मंत्री ने जयवीर सिंह ने बताया कि काशी देश और प्रदेश का महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। यहां प्रतिवर्ष देश-दुनिया से करोड़ों पर्यटक आते हैं। हाल के वर्षों में पर्यटकों की संख्या में बहुत ही तेजी से वृद्धि दर्ज की गई हैं। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत स्मार्ट सिटी योजना के साथ वाराणसी के विभिन्न घाटों पर पर्यटकों के सुविधार्थ 07 जेट्टी का निर्माण कराया जाएगा। 05 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। वाराणसी में स्थित मोधापुर स्थित शूलकंटेश्वर महादेव मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण 96 लाख रुपये से करायाजाएगा। यह राशि स्वीकृत हो चुकी है। वाराणसी में थाइवट टेंपल पर फसाड लाइटिंग कराई जाएगी।

1.28 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। कर्दमेश्वर महादेव मंदिर, वाराणसी में लैंडस्केपिंग, पाथवे, जनसुविधा, रेलिंग, बेंच, तालाब सफाई साइनेजेज सहित कई और कार्य कराए जाएंगे। 4.86 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। गुरुधाम मंदिर वाराणसी में लैंडस्केपिंग, पाथवे, बेंच, जनसुविधा एवं सोलर प्रकाश व्यवस्था कार्य लगभग 96 लाख रुपये से कराया जाएगा। ग्राम सभा मुस्तफाबाद में दुर्गा मंदिर का पर्यटन विकास 72 लाख रुपये से कराया जा रहा है। इसके पहले दशाश्वमेध घाट के जीर्णोद्धार और पर्यटन सुविधाओं के लिए 8.28 करोड़ रुपए, गोला से नमो घाट- पर्यटन सुविधाओं के लिए 06.18 करोड़ रुपए, अस्सी से संत रविदास घाट- घाटों के जीर्णोद्धार एवं विकास के लिए 08.25 करोड़ रुपए, अस्सी घाट- पुनरोद्धार कार्यों के लिए 06.21 करोड़ रुपए, अस्सी घाट से दशाश्वमेध घाट- संपूर्ण मार्ग पर पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के लिए 06.15 करोड़ रुपए, दशाश्वमेध घाट से काशी विश्वनाथ मंदिर मार्ग- पर्यटन और तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु 06.16 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे। पिंडरा में स्वतंत्रता सेनानी के ग्राम करखियांव का सौंदर्यीकरण, पर्यटन विकास 18.26 करोड़ से कराया जाएगा।

कोलकाता ने चेन्नई सुपरकिंग्स को 8 विकेट से रौंदा

चर्चित राजनीति। एजेंसी

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने हरफनमौला खेल के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स को उसके ही घर में आठ विकेट से हरा दिया।

कोलकाता ने चेन्नई को बड़ा स्कोर नहीं करने दिया और 20 ओवरों में नौ विकेट खोकर 103 रन ही बनाने दिए। इस आसान से लक्ष्य को

रहाणे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला चुनी। सुनील नरेन और हर्षित राणा की घातक गेंदबाजी के आगे चेन्नई के बल्लेबाज ज्यादा देर तक टिक नहीं सके और 20 ओवर में मात्र 103 रन ही बना सके। इसके बाद नरेन और डी कॉक ने टीम को तेज शुरुआत दी। नरेन ने 44 रन की तेज पारी खेली, जिससे टीम को आसान जीत दर्ज करने में मदद मिली।

कोलकाता ने 10.1 ओवरों में हासिल कर लिया। ये चेन्नई की इस सीजन लगातार पांचवीं हार है और घर में लगातार तीसरी। चेन्नई को उसके घर में हराना आसान नहीं था, लेकिन इस सीजन कोलकाता ऐसा करने वाली तीसरी टीम बनी है। कोलकाता से पहले दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने चेन्नई को उसके घर में मात दी थी। चेन्नई के सिर्फ चार ही बल्लेबाज दहाई के अंक में पहुंच सके। टीम के लिए सबसे ज्यादा 31 रन शिवम दुबे ने बनाए। उनके अलावा विजय शंकर ने 29, राहुल त्रिपाठी 16 और डेवन कॉन्वे ने 12 रन बनाए। कोलकाता के लिए सुनील नरेन ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए जिसके लिए उन्होंने 18 गेंदों का सामना करते हुए पांच छक्के और दो चौके मारे। टॉस हारकर चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 103 रन

बनाए। यह आईपीएल में चेपॉक में चेन्नई का सबसे छोटा स्कोर रहा। केकेआर ने 10.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। चेन्नई सुपर किंग्स को एक बार फिर घर में शिकस्त झेलनी पड़ी। टीम ने कप्तान बदला लेकिन उसकी किस्मत वैसी की वैसी रही। आईपीएल 2025 के 25वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराया। आईपीएल इतिहास में पहली बार चेन्नई सुपर किंग्स लगातार पांच और घर में तीसरी हार रही। चेन्नई की कप्तानी की जिम्मेदारी धोनी ने संभाली। टॉस हराने के बाद चेन्नई को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 103 रन बनाए। टीम की ओर से विजय शंकर (29) और शिवम दुबे (नाबाद 31) ने कुछ हद तक लड़ाई लड़ी। इसके जवाब में केकेआर ने 2 विकेट खोकर 10.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। नरेन ने सर्वाधिक रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद धोनी को चेन्नई की कमान सौंपी गई। फैंस को उम्मीद थी कि लगातार चार हार के बाद धोनी टीम को जीत की पटरी पर लेकर आएंगे। हालांकि, बल्लेबाजों ने फैंस को निराश कर दिया। सलामी बल्लेबाज रचिन (4), कॉनवे (12) और त्रिपाठी (16) ने अपने विकेट जल्द खो दिए। चेन्नई सुपर किंग्स ने 70 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिए थे और 79 पर 9 विकेट गिर गए। आखिर के छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके। इसमें धोनी, जडेजा, अश्विन और दीपक हुड्डा शामिल रहे। केकेआर के लिए सुनील नरेन ने तीन विकेट चटकाए, जबकि वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा के नाम दो-दो विकेट रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर ने ठोस शुरुआत की। क्विंटन डी कॉक और सुनील नरेन ने पहले विकेट के लिए 4.1 ओवर में 46 रन की साझेदारी की। अंशुल कंबोज ने क्विंटन डी कॉक (23) को क्लीन बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। नूर अहमद ने सुनील नरेन (44) को पवेलियन की राह दिखाई। हालांकि, तब तक चेन्नई के लिए बहुत देर हो चुकी थी।

हार के बाद हताश हुए एमएस धोनी, दे दिए बदलाव के बड़े संकेत! बताई हार की वजह : एमएस धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान के तौर पर वापसी अच्छी नहीं रही है। आईपीएल-2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई को आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ चेन्नई को इस सीजन लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के बाद कप्तान धोनी हताश हैं। ये चेन्नई की अपने घर चेपॉक स्टेडियम में लगातार तीसरी हार है। कोलकाता के गेंदबाजों ने चेन्नई को बड़ा स्कोर नहीं करने दिया। चेन्नई की टीम पूरे 20 ओवर खेलने के बाद नौ विकेट खोकर 103 रन ही बना सकी। कोलकाता ने ये टारगेट 10.1 ओवरों दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। चेन्नई के लिए सबसे ज्यादा 31 रन शिवम दुबे ने बनाए। शिवम दुबे के अलावा विजय शंकर ने 29, राहुल त्रिपाठी 16 और डेवन कॉन्वे ने 12 रन बनाए। कोलकाता के लिए सुनील नरेन ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। कप्तान धोनी भी इस मैच में बुरी तरह से फेल हो गए। उन्होंने हार के बाद कहा, ये वो मैच है जो हमारे फेवर में नहीं गया। हमें अपने अंदर झांकना होगा। चुनौती थी, लेकिन हमे इसे निपटना था। आज बोर्ड पर ज्यादा रन नहीं थे। गेंद रुक रही थी ये भी एक समस्या थी। दूसरी पारी के दौरान गेंद रुककर आती है। आज पहली ही पारी में भी गेंद रुक रही थी। धोनी ने कहा, अच्छे स्पिनरों के खिलाफ ऐसी स्थिति में बल्लेबाजी करना मुश्किल होता है। हमारे बल्लेबाज साझेदारी भी नहीं कर सके। धोनी ने कहा कि उनकी टीम को हालात को अच्छे से समझना होगा और इसके हिसाब से बल्लेबाजी करनी होगी। उन्होंने कहा, ये जरूरी है कि हम स्थिति को देखें। कुछ स्थितियां रही हैं जिनमें हमने अच्छा किया है। हम किसी और टीम की बल्लेबाजी को देखकर उसकी बराबरी नहीं करना चाहते। हमारे पास अच्छे ओपनर हैं। ये जरूरी है कि स्कोरबोर्ड देखकर ज्यादा जल्दबाजी नहीं की जाए। कुछ बाउंड्रीज से स्कोरबोर्ड चलता रहता है।

पहली बार बना दिए इतने खराब रिकॉर्ड : पांच आईपीएल खिताब और 10 फाइनल खेल चुकी चेन्नई सुपर किंग्स के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। 25वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से हुआ। इस मैच में चेन्नई को 8 विकेट से शिकस्त मिली।

इस एक हार ने चेन्नई का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। उसे आईपीएल के एक सीजन में पहली बार लगातार पांच मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा। यही नहीं अपने गढ़ यानी चेपॉक में सीएसके को पहली बार लगातार तीन मैच गंवा पड़ा। 18वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कुछ भी सही नहीं चल रहा है। पहले मैच के अलावा सीएसके को हर मैच में हार का सामना करना पड़ा है। यही नहीं रेगुलर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए। बाकी के बचे हुए मैच के लिए एमएस धोनी को कप्तान

■ चेन्नई की लगातार पांचवीं हार

बनाया गया। छठे मैच में फैंस को लगा कि टीम की सूरत में बदलाव होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। केकेआर के खिलाफ चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चेपॉक में अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया। टीम के मात्र चार बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार सके, जिसमें से दो ने 20 या उससे ज्यादा रन बनाए। इसके बाद केकेआर ने चेन्नई को गेंदों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार थमाई। केकेआर ने 59 गेंद शेष रहते मैच खत्म कर दिया। बता दें कि इन पांच लगातार हारों के चलते सीएसके प्वाइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर पहुंच गई है। यहां से चेन्नई का प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल हो गया है। हालांकि, टीम यहां से भी वापसी कर सकती है, लेकिन उसे बाकी बचे सभी मैच में जीत दर्ज करनी पड़ेगी। ये हो पाएगा या नहीं ये तो आने वाला समय ही बताएगा।

चेपॉक में कैसे जीती केकेआर, अजिंक्य रहाणे ने किया खुलासा, गेम प्लान बताने से कर दिया इनकार : कोलकाता नाइट राइडर्स ने बेहतरीन गेंदबाजी और बल्लेबाजी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स को उसी के घर में 8 विकेट से शिकस्त दे दी। मैच के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इस शानदार जीत से पर्दा उठाया। रहाणे ने बताया कि कैसे वह चेन्नई का किला फतेह करने में कामयाब हुए। साथ ही गेंदबाजों की जमकर तारीफ की।

दरअसल, इसकी शुरुआत टॉस के समय ही हो गई, जब रहाणे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला चुनी। सुनील नरेन और हर्षित राणा की घातक गेंदबाजी के आगे चेन्नई के बल्लेबाज ज्यादा देर तक टिक नहीं सके और 20 ओवर में मात्र 103 रन ही बना सके। इसके बाद नरेन और डी कॉक ने टीम को तेज शुरुआत दी। नरेन ने 44 रन की तेज पारी खेली, जिससे टीम को आसान जीत दर्ज करने में मदद मिली। जीत के बाद अजिंक्य रहाणे ने कह, मैंने यहां पिछले कुछ साल खेला है, मोईन खेल चुके हैं और डीजे (ब्रावो) को भी यहां की परिस्थितियों के बारे में पता था। हम रणनीति के साथ उतरे थे। अभी टूर्नामेंट लंबा है इसलिए अधिक नहीं बता सकता। हमें नहीं लगा था कि विकेट पर गेंद इतना रुक कर आएगा, लेकिन मैं अपने गेंदबाजों को श्रेय देना चाहूंगा। छह ओवर के बाद हमने तय किया कि जितना जल्दी हो सके इस मैच को समाप्त किया जाए। गौरतलब हो कि चेन्नई ने केकेआर को 104 रन का लक्ष्य दिया था जिसे 10.1 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। केकेआर ने 59 गेंद शेष रहते मैच जीतकर चेन्नई को गेंदों के लिहाज से उसे सबसे बड़ी हार थमाई। यही नहीं आईपीएल इतिहास में यह पहली बार है जब चेन्नई घर पर लगातार तीन मैच हारी है, जबकि यह भी पहली बार हुआ है जब चेन्नई लगातार पांच मैच हारी है।

एमएस धोनी के विकेट पर हो गया विवाद, अंपायरिंग पर उठने लगे सवाल : महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। धोनी के फैंस चाहते थे कि वह ऐसा करें और ऋतुराज गायकवाड़ की चोट ने उन्हें ये मौका दे दिया। धोनी के फैंस को उम्मीद है कि वह तूफानी अंदाज में रन बनाए, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को भी धोनी सस्ते में आउट हो गए और उनके विकेट को लेकर विवाद भी हो गया।

धोनी को 16वें ओवर की तीसरी गेंद पर सुनील नरेन ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। गेंद धोनी के पैड पर लगी और नरेन के अपील करने पर अंपायर ने उंगली उठा दी। धोनी ने रिव्यू लिया जिसमें वह बचे नहीं और चार गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए। धोनी, नरेन की गेंद को लेग स्टम्प पर खेलने गए। गेंद धोनी के पैड पर लगी, लेकिन उन्हें लगा कि हल्का सा बल्ला टच हुआ है। इसलिए उन्होंने रिव्यू लिया। रिव्यू में जब स्निको मीटर आया तो उसमें जब गेंद बल्ले के पास से गई तो एक बहुत हल्की ही हलचल मीटर में दिखी। हालांकि, तीसरे अंपायर ने इसे नजरअंदाज किया और धोनी को आउट दे दिया। धोनी मायूस होकर पवेलियन लौट गए और पूरा स्टेडियम शांत हो गया। धोनी को भी यकीन नहीं हुआ और कमेंटेटरों को भी यकीन नहीं हुआ कि ये आउट कैसे हो सकता है। हालांकि धोनी चुपचाप पवेलियन लौट लिए। लेकिन इससे अंपायरिंग पर सावल उठने लगे हैं। इस मैच में चेन्नई की बल्लेबाजी पूरी तरह से फेल हो गई। कप्तान धोनी बने थे तो लगा था कि चीजें बदलेंगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। टीम के बल्लेबाजों का दहाई के आंकड़े में जाना तक मुश्किल हुआ। रचिन रवींद्र चार रन बनाकर पहले विकेट के रूप में आउट हुए और इसके बाद तो लगातार विकेट गिरते रहे।

'मेरा क्या ले रहा है उधर ले' : दिल्ली में शुक्रवार शाम को अचानक मौसम ने करवट ले ली। धूल भरी आंधी-तूफान के बीच हल्की बूंदाबांदी भी देखने को मिली। ऐसे में अरुण जेटली में प्रैक्टिस कर रही मुंबई इंडियंस की टीम को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो गया। इसमें रोहित शर्मा किसी पर चिल्लाते दिखे। दरअसल, 13 अप्रैल को आईपीएल के 29वें मैच में दिल्ली कैपटिल्स और मुंबई इंडियंस का आमना-सामना होगा। इसके लिए दोनों टीमें दिल्ली के अरुण जेटली में प्रैक्टिस में व्यस्त हैं। दिल्ली अपने होम ग्राउंड पर मुंबई की मेजबानी करने के लिए तैयार है। ऐसे में शुक्रवार को जब टीमें प्रैक्टिस कर रही थीं, तब शाम को अचानक मौसम बदल गया। तेज आंधी-तूफान के चलते खिलाड़ियों को परेशानी हुई और प्रैक्टिस छोड़ ड्रेसिंग रूम की तरफ भागे। इसी समय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो में रोहित शर्मा टीम के खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम की तरफ लौटने का इशारा कर रहे हैं। रोहित को कहते हुए सुना जा सकता है कि, वापस आओ, वापस आओ। वहीं, रोहित शर्मा ने वीडियो रिकॉर्ड करने वाले कैमरामैन को डांट लगा दी। रोहित ने कहा कि, मेरा क्या ले रहा है, उधर ले। दरअसल, रोहित शर्मा ने कैमरामैन को आंधी का विडियो बनाने को कहा। क्योंकि तेज हवा के चलते स्टेडियम के स्टैंड पर लगे आईपीएल के पोस्टर उड़ गए। धूल के कारण खिलाड़ियों को प्रैक्टिस में दिक्कत हुई। दिल्ली में हल्की बूंदाबांदी भी देखने को मिली।

चिन्नास्वामी में वापसी के दौरान भावुक केएल राहुल ने घरेलू प्रशंसकों और आरसीबी को स्तब्ध किया

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में उत्साही भीड़ आमतौर पर आईपीएल के दौरान रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए एक बड़ा घरेलू लाभ है। लेकिन गुरुवार की रात आईपीएल में आरसीबी के घरेलू मैदान पर प्रशंसकों को विरोधी खिलाड़ी के लिए नारे लगाते हुए सुनना काफी कुछ कहने जैसा था। आरसीबी के रंग में रंगे प्रशंसकों के स्टेडियम में ऐसा करने का मुख्य कारण उनके स्थानीय खिलाड़ी, उर्फश्नम्मा हुडुगाश् (कन्नड़ में अपना लड़का) केएल राहुल थे, जिन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 93 रन बनाकर मैच जीतने वाली पारी खेलकर और आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की अपराजित स्थिति को बनाए रखकर अपने घर वापसी पर मंच पर कब्जा कर लिया। यह एक ऐसी पारी थी जिसमें राहुल को सुस्त काली मिट्टी की पिच पर कड़ी मेहनत करनी पड़ी, फिर 12वें ओवर के बाद उन्होंने गियर बदलते हुए शानदार बल्लेबाजी की और 13 गेंद शेष रहते क्ब् को जीत दिलाई। अपने विजयी शॉट के बाद - यश दयाल की फुल टॉस पर लॉन्ग-लेग बाउंड्री पर छक्का - राहुल ने गर्व से अपनी छाती थपथपाई, क्योंकि भीड़ ने जोर से जयकारे लगाए और कुछ लोग स्थानीय नायक के प्रति सम्मान दिखाने के लिए खड़े हो गए, जिन्होंने जीत हासिल की, हालांकि डीसी के लिए। अगर इतना ही काफी नहीं था, तो राहुल बगल की पिच पर चले गए, अपने बल्ले से वहां एक घेरा बनाया और बीच में जोरदार तरीके से बल्ला ठोक दिया, जो उनकी पसंदीदा फिल्मों में से एक कंटारा के एक प्रतिष्ठित दृश्य को दर्शाता है। उस माइक ड्रॉप मोमेंट के ठीक बाद, राहुल ने ट्रिस्टन स्टब्स को गले लगाया और कहा, श्यह मेरा

मैदान हैश। मैदान से बाहर जाते समय, राहुल ने अपने डीसी टीम के साथियों से भी यही बात कही। शुक्रवार को पोस्ट की गई फ्रेंचाइजी की इंस्टाग्राम रील में से एक में राहुल के मुंह से यह बात फिर से गूंजी, जहां उन्होंने अपने भावनात्मक रूप से मजबूत जश्न के पीछे की प्रेरणा के बारे में बताया। तो हां, बस एक छोटी सी याद दिलाने वाली बात कि यह मैदान, यह घर, यह मैदान वह जगह है जहां मैं बड़ा हुआ हूं और यह मेरा है। किसी को भी लगेगा कि यह आप लड़के को शहर से बाहर निकाल सकते हैं, लेकिन आप शहर को लड़के से नहीं निकाल सकतेष् का एक क्लासिक मामला है, जैसा कि राहुल की नाबाद 93 रन की पारी और चिन्नास्वामी स्टेडियम के लिए स्पष्ट लगाव से स्पष्ट होता है। हालांकि, पूरी तस्वीर को समझने वाले भरोसेमंद अंदरूनी लोगों के अनुसार, स्थिति काफी अलग है।जुलाई 2024 में, सूत्रों ने बताया था कि लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ सीजन में मैदान पर और मैदान के बाहर कुछ खास नहीं होने के बाद, चर्चा थी कि आरसीबी नीलामी के जरिए राहुल को अपने साथ जोड़ने में बहुत दिलचस्पी रखती है। थिंक-टैंक के पास इसके अपने कारण थेरू राहुल के रूप में एक स्थानीय चेहरा और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपना। बाद में, जब राहुल ने एलएसजी द्वारा रिटेन नहीं किए जाने का फैसला किया और नीलामी पूल में चले गए, तो आरसीबी थिंक-टैंक के लोगों ने विकेटकीपर-बल्लेबाज से कहा था कि जेद्दा में होने वाली नीलामी में फ्रेंचाइजी उनके लिए पूरी कोशिश करेगी। आरसीबी प्रबंधन ने नीलामी से एक दिन पहले भी उन्हें यही संदेश दिया था, इसके तुरंत बाद राहुल ने नवंबर 2024 में स्टार स्पोर्ट्स के साथ एक साक्षात्कार में कहा था कि आरसीबी में वापस आना बहुत ही सुखद एहसास होगा। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि आरसीबी में, राहुल एक आक्रामक मध्य-क्रम बल्लेबाज के रूप में चमके, जिन्होंने आईपीएल 2016 में उपविजेता के रूप में टीम के रन में दबाव को बहुत अच्छी तरह से झेला और भारत की टी20 टीम के लिए अपने द्वार खोले।

इसलिए, यह स्पष्ट रूप से स्पष्ट था कि आरसीबी पिछले साल की नीलामी में राहुल के लिए पूरी ताकत लगा रही थी, और उनकी सेवाओं को प्राप्त करने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना कर रही थी। लेकिन 10.75 करोड़ रुपये के निशान पर, आरसीबी बाहर हो गई, जिससे केकेआर सबसे आगे रह गई, इससे पहले डीसी ने 14 करोड़ रुपये में राहुल को हासिल किया। इसलिए, जब राहुल ने बेंगलुरु में एक के बाद एक प्रभावशाली शॉट लगाए, तो उसके दो लक्ष्य थेरू अपने घरेलू मैदान पर चमकना और उस टीम के खिलाफ बयान देना जो उन्हें नीलामी में लेने वाली थी, लेकिन आखिरकार ऐसा करने से बच गई। ठीक है, राहुल ने अपने घरेलू मैदान पर आखिरी लड़ाई जीती, जहां लोगों ने आरसीबी के लिए ऐसा करने के बजाय बदलाव के लिए उनकी सराहना की। उम्मीद है कि 27 अप्रैल को जब दिल्ली और आरसीबी की टीमें अरुण जेटली स्टेडियम में भिड़ेंगी तो राहुल एक बार फिर जोश में नजर आएंगे। कौन जानता है कि अक्षर पटेल की टीम के जीतने पर उनका उत्साहपूर्ण जश्न चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुरुवार की रात की यादों को भी ताजा कर सकता है।

19 अप्रैल से प्रारम्भ होगा सांसद खेल स्पर्धा जोन स्तर पर आयोजित होंगी खेल प्रतियोगिताएं

लखनऊ, चसं। सांसद खेल महाकुम्भ के जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक केडी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में हो रहा है। उद्घाटन समारोह के आयोजन की तैयारी के संबंध में एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी की अध्यक्षता में आज शामिल होने वाले विद्यालयों,कॉलेजों व आईटीआई के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि इस खेल महाकुम्भ में जनपद लखनऊ के नगर निगम के अन्तर्गत आने वाले 8 जोन के स्कूल एवं कॉलेज के छात्र व छात्राएं अपने जोन स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। प्रत्येक जोन के अन्तर्गत आने वाले स्कूल एवं कॉलेज के बीच अंतर जोनल प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। प्रत्येक जोन की प्रतियोगिता की विजयी टीम व प्रतिभागी जनपद स्तरीय सांसद खेल स्पर्धा में प्रतिभाग करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि आयोजित होने वाली 8 जोन स्तरीय प्रतियोगिता स्थल का निर्धारण आयोजन समिति द्वारा उसी जोन के अंतर्गत स्थित किसी विद्यालय व कॉलेज में किया जाएगा। जोनल कार्यक्रम के आयोजन हेतु क्षेत्रीय अपर नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता मे नगर निगम व शिक्षा विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समिति गठित की गयी है। जिसके लिए जोनवार अपर जिलाधिकारियों को नोडल नामित करते हुए निर्देशित किया गया है कि जोनवार गठित समिति से समन्वय करते हुए समस्त आवश्यक कार्यवाही समयान्तर्गत सुनिश्चित कराएंगे। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जोन स्तर पर आयोजित होने वाले खल स्पर्धाओं में 'एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कबड्डी, ताइक्वॉन्डों, हैन्डबॉल, फुटबाल, हॉकी, बॉक्सिंग खेलों का चयन किया गया है। स्टेडियम के सभी ब्लॉक्स में मजिस्ट्रेट ड्यूटी और हेल्प डेस्क की स्थापना कराई गई है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी, अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, नगर निगम के जोनल अधिकारी, प्रिंसिपल, निजी कॉलेज के प्रबन्धक एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

भारतीय रियल एस्टेट में जनवरी-मार्च में इक्विटी निवेश 74 फीसदी बढ़ा : सीबीआरआई

नई दिल्ली, एजेंसी। संपत्तियों की मजबूत मांग के बीच भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में जनवरी-मार्च अवधि में सालाना आधार पर इक्विटी निवेश 74 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2.9 अरब डॉलर रहा। रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई के अनुसार, ''जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान निवेश प्रवाह मुख्य रूप से डेवलपर गतिविधि और रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (आरईआईटी) और संस्थागत निवेशकों की महत्वपूर्ण रुचि से प्रेरित रहा। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2024 में कुल इक्विटी निवेश 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। रियल एस्टेट से जुड़ी सेवाएं देने वाली सीबीआरई के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया व अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा, ''वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र लगातार जुझारूपन दिखा रहा है।

प्रीति जिंटा ने स्वर्ण मंदिर में टेका मत्था, बोलीं 'बाबा जी ने बुलाया, सारे रास्ते खुल गये'

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर बताया है कि वह कई दिनों से अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर जाने की योजना बना रही थीं। हालांकि, किसी न किसी वजह से उनकी योजना विफल हो जा रही थी। अभिनेत्री का मानना है कि जब 'बाबाजी' ने उन्हें बुलाया तो सारे रास्ते खुल गए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर प्रीति ने न केवल स्वर्ण मंदिर की झलक दिखलाई बल्कि यह भी बताया कि उन्हें यहां आकर बेहद खास अनुभव मिला।

अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, पिछले कुछ साल में मैंने कई बार स्वर्ण मंदिर जाने की कोशिश की, लेकिन हर बार कुछ न कुछ ऐसा हुआ कि मेरी योजना रद्द हो गई। लेकिन इस बार कुछ अलग था। बाबा जी ने मुझे बुलाया और सारे रास्ते खुल गए। रामनवमी के शुभ दिन पर मुझे स्वर्ण मंदिर में उनका आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। अभिनेत्री ने बताया, इतनी यात्रा और नींद पूरी न होने की वजह से मैं थक गई थी। लेकिन जैसे ही मैंने स्वर्ण मंदिर के अंदर प्रवेश किया, सब कुछ शांत पड़ गया। यहां अपनेपन की भावना की वजह से मुझे बेहद खूबसूरत एहसास हुआ। उपस्थित लोगों की ऊर्जा और आस्था से मन और दिल खुश हो गया। जैसे ही मैं मत्था टेकने के लिए घुटनों के बल बैठी, मेरा दिल भावनाओं से भर गया।

मंदिर के प्रबंधकों को धन्यवाद देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, मंदिर प्रबंधन का दिल से आभार, परिसर को साफ-सुथरा रखने और कड़ा प्रसाद देने के लिए भी धन्यवाद। दिल से उन सभी लोगों का शुक्रिया जो मुस्कान और शुभकामनाओं के साथ मेरा स्वागत करने के लिए धैर्यपूर्वक कतार में खड़े थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रीति जिंटा 'लाहौर 1947' के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं, जिसमें वह सनी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस अपकमिंग पीरियड एक्शन फिल्म के निर्माता आमिर खान हैं। वर्ष 1947 में भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'लाहौर 1947' में प्रीति जिंटा, सनी देओल के साथ शबाना आजमी, अली फजल और करण देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं दूसरी ओर इन दिनों आईपीएल चल रहा है। एक्ट्रेस और पंजाब किंग्स टीम की मालिक प्रीति जिंटा तब चर्चा में आई जब उन्होंने टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की तारीफ की। टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 97 रन बनाए। उनके रन की बदौलत टीम ने मैच जीत लिया। उन्हें मैन ऑफ द मैच भी दिया गया। जहां कई लोगों ने श्रेयस के सेंचुरी न पूरी होने पर उनकी आलोचना की तो वहीं प्रीति ने अपने बयान से लोगों का दिल जीत लिया। उन्होंने कहा टूर्नामेंट की शानदार शुरूआत। कुछ 97 रन की पारियां शतक से बेहतर होती हैं। श्रेयस को सलाम है।

इससे पहले भी प्रीति जिंटा ने बयानों से सुर्खियां बटोरी हैं। इसी साल फरवरी में कांग्रेस पार्टी की तरफ से इल्जाम लगाया गया कि प्रीति जिंटा के भारतीय जनता पार्टी की करीबी की वजह से 18 करोड़ रुपये माफ कर दिए गए। कांग्रेस पार्टी ने ये भी इल्जाम लगाया था कि उन्होंने अपना सोशल मीडिया अकाउंट भाजपा से जोड़ा है। इस पर प्रीति जिंटा ने कांग्रेस को जवाब देत हुए लिखा था मैं अपना सोशल मीडिया अकाउंट खुद ऑपरेट करती हूं और फर्जी खबरों को बढ़ावा देने के लिए आपको पर शर्म आती है। किसी ने मेरा कुछ भी या कोई लोन माफ नहीं किया। बैंक से एक लोन लिया गया था, जिसे पूरी तरह से वापस भी कर दिया गया और ये बात 10 साल पुरानी है। प्रीति का ये जवाब मीडिया में खूब छाया था। इसी साल प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर लोगों से बात की। इस पर लोगों ने उन्हें जज किया। इससे प्रीति जिंटा आहत हो गई। उन्होंने इसके जवाब में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा आज कल हो क्या रहा है सोशल मीडिया पर? अगर कोई एआई बोट से पहली चैट करता है तो लोग सोचते हैं यह पेड प्रमोशन है। अगर आप पीएम की तारीफ करते हैं तो भक्त बोला जाता है और अगर आप प्राउड हिंदू या इंडियन हैं तो आपको अंध भक्त कहा जाता है। लोग जैसे हैं उन्हें वैसे एक्सेप्ट करो, ना कि जैसा हम सोचते हैं वैसा हम उन्हें बनाएं। हमें चिल रहने की जरूरत है, बस खुशी-खुशी बात करें एक दूसरे के साथ। प्रीति की इसे पोस्ट पर भी सुर्खियां बनीं थीं। प्रीति जिंटा तब भी सुर्खियों में आई थीं, जब एक्टर तुषार कपूर ने साल 2011 में कॉफी विद करण शो में प्रीति के बारे में कमेंट किया था। दरअसल करण जौहर ने तुषार से पूछा कि कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में सुनते ही आपके मन में क्या ख्याल आता है? इस पर तुषार ने प्रीति जिंटा का नाम लिया था। तुषार के मुताबिक इस मामले में फौरन प्रीति ने प्रतिक्रिया दी थी। तुषार के मुताबिक प्रीति जिंटा ने उन्हें फोन किया था और इस पर नाराजगी जताई थी। इस पर तुषार ने उनसे कहा था कि ये सिर्फ मजाक था और कुछ नहीं। इसके बाद तुषार ने प्रीति से माफी मांगी थी। बता दें कि कांग्रेस की केरल इकाई के दावे पर अभिनेत्री प्रीटि जिंटा ने आपत्ति जताई है। मामला करोड़ों रुपए के बैंक लोन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा है कि 'फेक न्यूज' फैलाने पर 'शर्म' आनी चाहिए। कांग्रेस का दावा था कि भारतीय जनता पार्टी को लाभ पहुंचाने के चलते जिंटा का लोन माफ कर दिया गया था। इस पर अभिनेत्री ने लिखा कि नहीं, मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स अपने ही पास रखती हूं और फेक न्यूज को बढ़ावा देने के लिए आपको शर्म आनी चाहिए। किसी ने भी मेरे लिए कोई कर्ज माफ नहीं किया है। मैं यह देखकर हैरान हूं कि एक राजनीतिक दल या उनके नेता फेक न्यूज को बढ़ावा दे रहे हैं। वहीं दूसरी ओर महाकुंभ 2025 के अंतर्गत बीते बुधवार को हुए आखिरी स्नान पर्व पर प्रीति जिंटा ने भावुक कर देने वाला आध्यात्मिक पोस्ट किया।

सोशल मीडिया पर उनकी यह पोस्ट कुछ दिन पहले हुई तीर्थराज प्रयागराज की यात्रा से जुड़ी रही जिसमें अध्यात्मिक अनुभूतियों का समावेश रहा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर अपने ऑफिशियल अकाउंट से प्रयागराज महाकुम्भ में अपनी यात्रा से जुड़ा हुआ एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी आध्यात्मिक अनुभूति के बारे में विस्तार से लिखा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कुंभ मेले में यह मेरा तीसरा मौका था और यह जादुई, दिल को छूने वाला तथा थोड़ा दुखद था। जादुई इसलिए क्योंकि मैं चाहे जितनी भी कोशिश कर लूं, मैं यह नहीं बता सकता कि मुझे कैसा महसूस हुआ। दिल को छूने वाला इसलिए क्योंकि मैं अपनी मां के साथ गयी थी और यह उनके लिए दुनिया से बढ़कर था। दुखद इसलिए क्योंकि मैं जीवन और मृत्यु के विभिन्न चक्रों से मुक्त होना चाहती थी, लेकिन मुझे जीवन और आसक्ति के द्वंद्व का अहसास हुआ। जिंटा ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा क्या मैं अपने परिवार, अपने बच्चों और अपने प्रियजनों को छोडने के लिए तैयार हूं। नहीं ! मैं तैयार नहीं हूं ! यह बहुत ही भावुक और विनम्र करने वाला होता है जब आपको यह अहसास होता है कि आसक्ति के तार मजबूत और शक्तिशाली हैं और चाहे आपकी आसक्ति कुछ भी हो, आखिरकार आपकी आध्यात्मिक यात्रा और आगे की यात्रा अकेले ही होगी ! मैं इस धारणा के साथ वापस आयी कि हम आध्यात्मिक अनुभव वाले मनुष्य नहीं हैं बल्कि आध्यात्मिक प्राणी हैं जो मानवीय अनुभव कर रहे हैं। इसके आगे मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे विश्वास है, मेरी जिज्ञासा निश्चित रूप से उन सभी उत्तरों की ओर मार्ग प्रशस्त करेगी जिनकी मुझे तलाश है तब तक, हर हर महादेव। बता दें कि बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री प्रीति जिंटा 50 वर्ष की हो गई। 31 जनवरी, 1975 को शिमला में जन्मीं प्रीति जिंटा के पिता दुर्गानंद जिंटा भारतीय थलसेना में अफसर थे और मां नीलप्रभा एक गृहणी हैं। जब वह महज 13 वर्ष की थी, तब उनके पिता की मृत्यु एक कार दुर्घटना में हो गई थी। **:: नेशनल डेस्क**

अभिनेत्री का मानना है कि जब 'बाबाजी' ने उन्हें बुलाया तो सारे रास्ते खुल गए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर प्रीति ने न केवल स्वर्ण मंदिर की झलक दिखलाई बल्कि यह भी बताया कि उन्हें यहां आकर बेहद खास अनुभव मिला। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, पिछले कुछ साल में मैंने कई बार स्वर्ण मंदिर जाने की कोशिश की, लेकिन हर बार कुछ न कुछ ऐसा हुआ कि मेरी योजना रद्द हो गई।

जादू ने डाला संगीत प्रेमियों पर जादू, म्यूजिक चार्ट्स में बना टॉप ट्रैक और अब इंस्टाग्राम पर भी मचा रहा है धमाल

माफ्लिक्स पिक्चर्स अपने अगली महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट, ज्वेल थीफ-द हीस्ट बिगिन्स के लिए एक परफेक्ट लॉन्च स्टेज तैयार कर रहा है। सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद द्वारा निर्मित इस फिल्म में सैफ अली खान, जयदीप अहलावत, निकिता दत्ता और कुणाल के कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं, और फिल्म नेटफ्लिक्स पर 25 अप्रैल को रिलीज होने के लिए तैयार है। फरवरी में रिलीज किए गए एक दिलचस्प टीजर के बाद, हाल ही में फिल्म का पहला गाना जादू रिलीज किया गया। और जैसा कि नाम से जाहिर है, इस गाने ने सचमुच हर जगह अपना जादू बिखेर दिया है। स्पॉटिफाई पर कई चार्ट में टॉप पर रहने के बाद, यह गाना अब इंस्टाग्राम रील्स के लिए एक ट्रेंडिंग ट्रैक बन गया है। जादू वाकई म्यूजिक चार्ट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर छाया हुआ है, जिसने देश भर के श्रोताओं का ध्यान खींचा है, स्ट्रीमिंग रैंकिंग में तेजी से ऊपर चढ़ रहा है और सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंडिंग रील्स और डांस चौलेंज में एक ट्रेंड बन चुका है। मार्फ्लिक्स पिक्चर्स ने भी सोशल मीडिया पर इस कामयाबी को साझा किया और हम कह सकते हैं जादू वाकई में अपने नाम को सार्थक कर रहा है ! इस गाने की एनर्जेटिक बीट्स फिल्म की स्टाइलिश और थ्रिलर हीस्ट स्टोरीलाइन के साथ बखूबी मेल खाती हैं। गाने की शानदार प्रोडक्शन वैल्यू, दमदार विजुअल अपील और स्केल इसे और भी खास बनाते हैं। इस हिट ट्रैक के पीछे हैं म्यूजिक कंपोजर्स । और सवेरा, जिन्होंने एक आकर्षक व्हिसल ट्यून से लेकर कुमार के शानदार बोलों तक, सब कुछ बारीकी से सजाया है। बोलों में कहानी की हल्की झलक भी मिलती है, जिससे रहस्य बना रहता है और दिलचस्पी बढ़ती है। साथ ही, इसकी डांस-फ्रेंडली कोरियोग्राफी ने इसे एक परफेक्ट डांस एंथम बना दिया है। इसीलिए न सिर्फगाना बल्कि फिल्म के लिए दर्शकों की उत्सुकता भी लगातार बढ़ती जा रही है। **:: एजेंसी**

ऑनलाइन सूट बेच रहीं सुष्मिता सेन की एक्स भाभी बोलीं-मुंबई में रहना आसान नहीं

टीवी एक्ट्रेस चारु असोपा ने अपनी जिंदगी में एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने मुंबई छोड़कर अपनी बेटी जियाना के साथ अपने होम टाउन बीकानेर (राजस्थान) में रहने का निर्णय लिया है। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया जिसमें वो साड़ी और सूट ऑनलाइन बेचती नजर आई। वीडियो वायरल होते ही लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया देने लगे। कुछ लोगों ने उनके इस कदम की सराहना की, तो कुछ ने उनकी आर्थिक स्थिति को लेकर सवाल उठाए। एक यूजर ने तो यहां तक लिख दिया सुष्मिता सेन की एक्स-भाभी ऑनलाइन सूट बेचकर गुजारा कर रही हैं। इन सारी बातों के बाद, चारु ने चुप्पी तोड़ी और अपनी सच्चाई हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत में सबके सामने रखी। उन्होंने साफतौर पर कहा कि हां, मैं सच में ऑनलाइन कपड़े बेच रही हूं। चारु ने बताया मैंने बीकानेर शिफ्ट कर लिया है। फिलहाल मुंबई छोड़ दिया है और अब मैं अपने माता-पिता के साथ रह रही हूं। मुझे और जियाना को यहां आए हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है। मुंबई छोड़ने की वजह बताते हुए चारु ने कहा कि वहां रहना अब उनके लिए आसान नहीं रह गया था। मुंबई में रहने का खर्चा बहुत ज्यादा होता है। सिर्फएक महीने का खर्चा 1 लाख से 1.5 लाख रुपये तक पहुंच जाता था जिसमें किराया, खाने-पीने से लेकर बाकी जरूरतें भी शामिल होती थीं।उन्होंने यह भी कहा मैं अपनी बेटी जियाना को नैनी के भरोसे छोड़ना नहीं चाहती थी। जब मैं नायगांव (मुंबई) में शूटिंग करती थी तो जियाना अकेली रह जाती थी। ये मेरे लिए बहुत मुश्किल होता था। चारु का कहना है कि मुंबई छोड़कर बीकानेर आना और नया बिजनेस शुरू करना कोई जल्दबाजी में लिया गया फैसला नहीं था। मैंने पहले से ही ये सोच रखा था कि मुझे अब घर आकर अपना खुद का काम शुरू करना है। ये मेरी योजना का हिस्सा था। लोगों द्वारा उनकी फाइनेंशियल स्थिति पर उठे सवालों पर चारु ने साफजवाब दिया। जब भी कोई नया काम शुरू करता है, तो शुरू में थोड़ी परेशानियां आती हैं। इसमें नया क्या है? मैं खुद ऑर्डर लेती हूं, स्टॉक लाती हूं, पैकिंग करती हूं और फिर पार्सल भेजती हूं। जब मैं एक्टिंग करने मुंबई आई थी, तब भी मैंने बहुत संघर्ष किया था। अपने नाम के लिए मेहनत की थी। अब इस नए काम में भी वही कर रही हूं। ये सब मैंने इसलिए शुरू किया है ताकि मैं जियाना पर पूरा ध्यान दे सकूं। इसमें किसी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। चारु असोपा की बेटी जियाना, उनके एक्स हसबैंड और एक्टर राजीव सेन के साथ है। चारु और राजीव का रिश्ता कई बार खबरों में आया, और बाद में दोनों का तलाक हो गया। जब उनसे पूछा गया कि राजीव ने उनके इस फैसले पर क्या प्रतिक्रिया दी, तो उन्होंने बताया मुंबई छोड़ने से पहले मैंने राजीव को एक मैसेज भेजा था, जिसमें मैंने अपनी योजना के बारे में बताया था। वो कभी भी बीकानेर आकर अपनी बेटी से मिल सकते हैं। चारु ने ये भी साफकहा कि वो अब किसी डेली सोप, टीवी सीरियल का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं क्योंकि मैं अब पूरी तरह से जियाना पर ध्यान देना चाहती हूं। **:: एजेंसी**

शरीर में न होने दें इस विटामिन की कमी, इसी के चलते आ रहे लकवा अटैक!

इन दिनों लकवा होने के केसेज बहुत ज्यादा सुनने को मिल रहे हैं और लकवा की समस्या कम उम्र में ही हो रही हैं लेकिन ऐसी समस्या एकदम से क्यों हो रहा है। लक्वा होने के पीछे हमारा लाइफस्टाइल और खानपान जुड़ा है लेकिन पैरालिसिस होने के पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं।चलिए इस बारे में विस्तार से बताते हैं। लकवा एक वायु रोग है, जिसे पैरालिसिस, लकवा और पक्षाघात के नाम से भी जानते हैं।

लकवा (पैरालिसिस) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति के शरीर के किसी हिस्से में ताकत या नियंत्रण खो जाता है। यह स्थिति तब आती है, जब मांसपेशियों और मस्तिष्क के बीच संचार सही से नहीं हो पाता है। लकवा शरीर के एक क्षेत्र में या पूरे शरीर में हो सकता है यानी शरीर के एक तरफ या दोनों तरफ हो सकता है। लक्के की समस्या, आमतौर पर नर्वस सिस्टम यानी तंत्रिका तंत्र में आई खामियों के कारण होती है। पैरालायसिस, नसों से संबंधित बीमारी है जिसमें वोलेंटरी मसल्स का मूवमेंट बाधित हो जाता है। नर्वस सिस्टम में दिक्कत के कारण सबसे ज्यादा लकवा मारने का खतरा रहता है। नर्वस सिस्टम ही दिमाग के जरिए पूरे शरीर को सिंग्नल या संकेत देता है। अगर नर्वस सिस्टम में कुछ डैमेज होता है तो सिग्नल का आदान-

प्रदान मुश्किल हो जाता है इससे मसल्स तक संदेश नहीं पहुंचते हैं।

लकवा (पैरालिसिस) होने से पहले कुछ शुरुआती संकेत या लक्षण दिखाई देते हैं, जिन्हें पहचान कर समय पर इलाज किया जा सकता है। इन लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है क्योंकि सही समय पर इलाज से गंभीर परिणामों को रोका जा सकता है। शरीर के किसी हिस्से में अचानक कमजोरी महसूस होना। हाथ, पैर या चेहरे का कोई भाग काम करना बंद कर सकता है। चेहरा एक तरफ झुक जाता है। मुस्कान देने की कोशिश में आधा चेहरा स्थिर रहता है। बोलते समय शब्द बिगड़ने लगते हैं। व्यक्ति अस्पष्ट (सनततमक) या धीमी आवाज में बात करता है। कुछ लोग पूरी तरह बोलने में असमर्थ हो जाते हैं। आंखों में धुंधलापन या एक या दोनों आंखों से दिखाई देना बंद हो सकता है। डबल विजन (एक ही चीज दो बार दिखाई देना)। चलते समय या खड़े होने में अस्थिरता महसूस होना। चक्कर आना या बेहोशी जैसा अनुभव। शरीर के किसी हिस्से में झनझनाहट या सुन्नपन महसूस होना। विशेषकर एक तरफका हाथ, पैर या चेहरा सुन्न हो सकता है। अचानक, बिना कारण के बहुत तेज सिरदर्द होना। यह संकेत मस्तिष्क में रक्तस्राव का हो सकता है। समझने में परेशानी सरल चीजें समझने में मुश्किल होना। किसी की बात का मतलब न समझ पाना। भोजन या पानी निगलने में समस्या होना। गले में रुकावट महसूस होना। **:: एजेंसी**

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

लड़की ही जिम्मेदार

में रहती है। वकील ने कहा कि वह (पीड़िता) नियम तोड़कर अपनी सहेलियों और पुरुष मित्रों के साथ ÷दि रिकॉर्ड रूम बार रेस्तरां÷ गई, जहां उसने सबके साथ शराब पी जिससे वह नशे में चूर हो गई। उन्होंने कहा कि लड़की अपने साथियों के साथ उस बार में तड़के तीन बजे तक रही, चूंकि उसे मदद की जरूरत थी, इसलिए वह खुद याचिकाकर्ता के घर जाकर आराम करने को राजी हुई। वकील ने कहा कि उसका (पीड़िता का) यह आरोप कि याचिकाकर्ता उसे अपने घर ले जाने के बजाय अपने रिश्तेदार के फ्लैट में ले गया जहां उसने दो बार दुष्कर्म किया, झूठा है तथा रिकॉर्ड में दर्ज साक्ष्य के विपरीत है।

बनारस में गैंगरेप

और अनमोल गुप्ता को गिरफ्तार किया है। इन्होंने लड़की को अलग-अलग जगह भेजकर खुद भी रेप किया और दूसरों से भी करवाया है।

यूपी के युवा

में भी यूपी के युवा शीर्ष पर हैं। दूसरे नंबर पर राजस्थान और तीसरे पर मध्य प्रदेश है। यूपी के युवाओं ने कम्प्यूटर स्किल में भी पहला स्थान प्राप्त किया है।रोजगार उपलब्ध कराने में यूपी छठे स्थान पर रोजगार की कसौटी पर महाराष्ट्र नंबर वन है, जिसका रोजगार प्रतिशत 84 फीसदी है। दूसरे नंबर पर 78 फीसदी के साथ दिल्ली, तीसरे नंबर पर कर्नाटक 75 फीसदी चौथे पर आंध्र प्रदेश 72 फीसदी केरल 71 फीसदी और यूपी 70 फीसदी है।

भाजपा व एआईएडीएमके

दोनों के लिए फायदेमंद होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आगामी विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने का भरोसा जताते हुए कहा कि एनडीए फिर से भारी बहुमत हासिल करेगा और तमिलनाडु में सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि झे पूरा भरोसा है कि आगामी चुनावों में एनडीए फिर से भारी बहुमत हासिल करेगा और तमिलनाडु में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी।

सोशल मीडिया पर

युद्ध का भविष्य केवल प्रौद्योगिकी के विषय में नहीं है, बल्कि इस बात में है कि हम इसे अपने विश्व को आकार देने के लिए कैसे उपयोग करते हैं।- एश्टन कार्टर, पूर्व अमेरिकी रक्षा मंत्री। आज के युवा कल के नेता हैं, और उन्हें तेजी से बदलती दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। - नेल्सन मंडेला

एक दूरदर्शी चेतावनी, जो केवल संदेश नहीं - नीति का आधार है : डॉ. सिंह की यह पोस्ट केवल साझा करने योग्य नहीं, बल्कि यह सरकार, नीति निर्माताओं, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए सोचने की दिशा भी प्रस्तुत करती है। उनकी यह दृढ़ मान्यता कि युद्ध के नए मैदानों में अब कीबोर्ड और कोड ही भारत की रक्षा करेंगे- भारत की युवा पीढ़ी को न केवल चेतावनी देती है, बल्कि उन्हें प्रेरणा भी प्रदान करती है। ÷डिजिटल साक्षरता अब केवल टेक्नोलॉजी सीखने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व की पहली सीढ़ी है।युवा अब की बोर्ड से लड़ेंगे, कोड से देश गढ़ेंगे, और सूचना के मोर्चे पर भारत को अजेय बनाएंगे। वास्तव में, यह एक राजनेता का नहीं, एक दूरदर्शी रणनीतिकार का वक्तव्य है, जो आने वाली पीढ़ियों को न केवल तैयार कर रहा है, बल्कि उन्हें युद्ध के नए मैदान में विजेता बनाने की सोच रखता है। सरोजनी नगर में डिजिटल अवसंरचना पर उनका लगातार होता निवेश यही दर्शाता है कि वे न केवल तकनीक को समझते हैं, बल्कि समाज को उसका लाभ दिलाने के लिए सक्रिय भी हैं।

काशी मेरी और

लखपति दीदी बन गई हैं। जहां पहले गुजारे की चिंता थी, वहाँ अब खुशहाली की तरफ कदम बढ़ रहे हैं। यह तरक्की बनारस सहित उत्तर प्रदेश के साथ पूरे देश में दिखाई दे रही है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। विगत 10 वर्षा में दूध के उत्पादन में करीब 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह डबल से भी ज्यादा है। यह सफलता आप जैसे देश के करोड़ों किसानों की तथा पशुपालक भाइयों और बहनों की है। यह सफलता एक दिन में नहीं मिली है, विगत 10 वर्षा से हम देश के डेयरी सेक्टर को मिशन मोड में आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हमने पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा से जोड़ा है। उनके लिए लोन की सीमा बढ़ाई है। सब्सिडी की व्यवस्था की है। सरकार द्वारा खुरपका-मुंहपका रोग से पशुधन को बचाने के लिए मुफ्त वैक्सीन प्रोग्राम चलाया जा रहा है। दूध के संगठित कलेक्शन के लिए देश की 20 हजार से ज्यादा सहकारी समितियों को पुनः संचालित किया गया है। इसमें लाखों नए सदस्य जोड़े गए हैं। डेयरी सेक्टर से जुड़े लोगों को एक साथ जोड़कर आगे बढ़ाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। देश में गाय की देसी नस्लें विकसित हों, उनकी क्वालिटी अच्छी हो। गायों की ब्रीडिंग का काम साइंटिफिक अप्रोच से हो। इसके लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन संचालित है। इन कार्यो का मुख्य उद्देश्य देश में पशुपालकों को विकास के नए रास्ते से जोड़ने, उन्हें अच्छे बाजार, अच्छी सम्भावनाओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज बनास डेयरी का काशी संकुल, पूर्वांचल में इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रहा है। बनास डेयरी ने पूर्वांचल में गिर गायों का भी वितरण किया है। इन गायों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बनास डेयरी ने बनारस में पशुओं के चारे की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। पूर्वांचल के करीब-करीब एक लाख किसानों से आज यह डेयरी दूध कलेक्ट कर किसानों को सशक्त बना रही है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में उन्हें वृद्धजनों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड सौंपने का अवसर प्राप्त हुआ है। इन वृद्धजन के चेहरे पर संतोष का जो भाव देखने को मिला, वह उनके लिए इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है। इलाज को लेकर घर के बुजुर्गों की जो चिंता रहती है, वह हम सब जानते हैं। 10-11 वर्ष पहले इस क्षेत्र में, पूरे पूर्वांचल में, इलाज को लेकर जो परेशानियां थीं, वह हम सब जानते हैं। आज स्थितियां बिल्कुल अलग है। काशी अब आरोग्य की राजधानी भी बन रही है। दिल्ली-मुम्बई के बड़े-बड़े अस्पताल, अब आपके घर के पास आ गए हैं। यही तो विकास है, जहाँ सुविधाएं लोगों के पास आती हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि विगत 10 वर्षो में हमने सिर्फ अस्पतालों की गिनती ही नहीं बढ़ाई है, हमने मरीज की गरिमा भी बढ़ाई है। आयुष्मान भारत योजना गरीब भाई-बहनों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह योजना सिर्फ इलाज नहीं देती, इलाज के साथ-साथ विश्वास भी देती है। उत्तर प्रदेश के लाखों और वाराणसी के हजारों लोग इसका लाभ उठा चुके हैं। हर इलाज, हर ऑपरेशन, हर राहत, जीवन की एक नई शुरुआत बन गई है। आयुष्मान योजना से उत्तर प्रदेश में लाखों परिवारों के करोड़ों रुपये बचे हैं, क्योंकि सरकार ने कहा, अब आपके इलाज की जिम्मेदारी हमारी है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि जब काशी के लोगों ने तीसरी बार उन्हें संसद के सदस्य के रूप में चुना, तो वह भी सेवक के रूप में स्नेह स्वरूप अपने कर्तव्य को निभाते हुए कुछ लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। आयुष्मान वय वंदना योजना बुजुर्गों के मुफ्त इलाज के साथ ही उनके सम्मान के लिए है। अब हर परिवार के 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग, चाहे उनकी आय कुछ भी हो, मुफ्त इलाज के हकदार हैं। वाराणसी में सबसे ज्यादा, करीब 50 हजार वय वंदना कार्ड यहां के बुजुर्गों को उपलब्ध कराये गये हैं। अब इलाज के लिए जमीन बेचने, कर्ज लेने, दर-दर भटकने की आवश्कता नहीं होगी। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज काशी आने वाले लोग यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाओं की प्रशंसा करते हैं। हर दिन लाखों लोग बनारस आते हैं। बाबा विश्वनाथ के दर्शन करते हैं, मां गंगा में स्नान करते हैं। हर यात्री कहता है, बनारस, बहुत बदल गया है। अगर काशी की सड़कें, रेल और एयरपोर्ट की स्थिति 10 वर्ष पूर्व जैसी रहती, तो काशी की हालत कितनी खराब हो गई होती। पहले छोटे-छोटे त्योहारों के दौरान भी यहां जाम लग जाता था। जैसे किसी को चुनार से आना हो और शिवपुर जाना हो, तो उसको पूरा बनारस घूम कर, जाम में फंसकर जाना पड़ता था। फुलवरिया फ्लाईओवर बनने से समय तथा दूरी में काफी बचत हो रही है। ऐसे ही जनपद जौनपुर और गाजीपुर के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आने-जाने और बलिया, मऊ, गाजीपुर जनपदों के लोगों को एयरपोर्ट जाने के लिए वाराणसी शहर के भीतर से जाना होता था। घंटों लोग जाम में फंसे रहते थे। लेकिन अब रिंग रोड से कुछ ही मिनट में, लोग इस पार से उस पार पहुंच जाते हैं। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि पहले जनपद गाजीपुर जाने में कई घण्टों का समय लगता था। अब जनपद गाजीपुर, जौनपुर, मीरजापुर, आजमगढ़ शहर में जाने का रास्ता चौड़ा हो गया है। जहां पहले जाम था, आज वहाँ विकास की रफ्तार दौड़ रही है। बीते दशक में वाराणसी और आस-पास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी पर करीब 45 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इस निवेश का लाभ आज पूरी काशी तथा आसपास के जनपदों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि काशी के इंफ्रास्ट्रक्चर पर किये जा रहे निवेश को आज भी विस्तार दिया गया है। हजारों करोड़ के प्रोजेक्टस का आज शिलान्यास किया गया है। लाल बहादुर शास्त्री अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विस्तारीकरण का काम तेजी से चल रहा है। जब एयरपोर्ट बड़ा हो रहा है, तो उसको जोड़ने वाली सुविधाओं का विस्तार भी जरूरी था। इसलिए अब एयरपोर्ट के पास 06-लेन की अण्डरग्राउण्ड टनल बनने जा रही है। आज जनपद भदोही, गाजीपुर और जौनपुर के रास्तों से जु? प्रोजेक्ट्स पर भी काम शुरु हुआ है। भिखारीपुर और मंडुवाडीह पर फ्लाईओवर की मांग लंबे समय से हो रही थी। इसकी भी मांग पूरी हुई। बनारस शहर और सारनाथ को जोड़ने के लिए नया पुल भी बनने जा रहा है। इससे एयरपोर्ट और अन्य जनपदों से सारनाथ जाने के लिए शहर के अंदर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आगामी कुछ महीनों में जब यह सभी विकास कार्य पूरे हो जाएंगे, तब बनारस में आवाजाही और भी आसान होगी। रफ्तार भी बढ़ेगी और कारोबार भी बढ़ेगा। इसके साथ-साथ, कमाई-दवाई के लिए बनारस आने वालों को भी बहुत सुविधा होगी। काशी में सिटी रोपवे का ट्रायल भी शुरू हो गया है। बनारस अब दुनिया के चुनिंदा ऐसे शहरों में होगा, जहां रोपवे की सुविधा होगी।

वाराणसी में कोई भी विकास एवं इंफ्रास्ट्रक्चर सम्बन्धित कार्य किया जाता है, तो इसका लाभ पूरे पूर्वांचल के नौजवानों को होता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि काशी के युवाओं को स्पोर्ट्स में आगे बढ़ने के लगातार मौके मिलें। वर्ष 2036 में, ओलंपिक भारत में हो, इसके लिए हम प्रयासरत हैं। लेकिन ओलंपिक में मेडल प्राप्त करने के लिए काशी के नौजवानों को अभी से लगना पड़ेगा। इसलिए आज, बनारस में नए स्टेडियम बन रहे हैं। युवा साथियों के लिए अच्छी फैसिलिटी बनायी जा रही है। नया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खुल गया है। वाराणसी के सैकड़ों खिलाड़ी उसमें ट्रेनिंग ले रहे हैं। सांसद खेल प्रतियोगिता के भी प्रतिभागियों को इस खेल के मैदान में अपना दम दिखाने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भारत आज विकास और विरासत, दोनों एक साथ लेकर चल रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

मिशन वात्सल्य व मिशन शक्ति के लिए प्रोजेक्ट एप्रूवल बोर्ड मीटिंग सम्पन्न

बैठक में मिशन के तहत विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से हुई समीक्षा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में मिशन वात्सल्य व मिशन शक्ति के लिए प्रोजेक्ट एप्रुवल बोर्ड मीटिंग 2025-26 आयोजित की गई। बैठक में मिशन के तहत विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये भारत सरकार की स्वीकृति के लिये प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण किया गया। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि कामकाजी महिला छात्रावासों का निर्माण योजना के अंतर्गत प्रदेश में स्वीकृत 8 छात्रावासों का निर्माण शीर्ष प्राथमिकता पर कराया जाये। उल्लेखनीय है कि ये छात्रावास लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक छात्रावास की क्षमता 500 होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि समय-समय पर उच्च अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न योजनाओं के तहत महिलाओं एवं बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की वास्तविक जानकारी प्राप्त करनी चाहिये। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये 4729795209.00 रुपये के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्रदान करने के निर्देश दिये गये। इसमें वैधानिक सेवा वितरण संरचनाएं व संस्थागत देखभाल के लिये 1460540009 रुपये, गैर-संस्थागत देखभाल के लिए 2894400000 रुपये तथा स्वच्छता एक्शन प्लान के लिये 7500000 रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई, जिसमें 60 प्रतिशत केन्द्रांश तथा 40 प्रतिशत राज्यांश शामिल है। इसके अलावा केन्द्रांश से चाइल्ड हेल्पलाइन के लिये 292355200 रुपये, पॉक्सो अधिनियम-2012 की धारा 4 और 6 के तहत पीड़िता की देखभाल और सहायता योजना के लिये 75000000 रुपये प्रस्तावित किये गये है। इसके अतिरिक्त बैठक में मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के तहत 100-100 क्षमता के 10 राज्य वित्तपोषित बाल देखभाल संस्थान (सीसीआई) का निर्माण प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। इनका निर्माण वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, अयोध्या, अमेठी, मथुरा, फिरोजाबाद, बस्ती, झांसी और कानपुर देहात में किया जायेगा। इसका उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित, परिवार जैसा वातावरण प्रदान करना है जो आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है, औपचारिक शिक्षा का समर्थन करता है, और बच्चों को समाज की मुख्यधारा में सफलतापूर्वक पुनः शामिल करने के लिए कौशल विकास को बढ़ाता है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025-26 में 09 राज्य सरकार एवं 01 बाल गृह एनजीओ के माध्यम से नवीन बाल देखभाल संस्थान (सीसीआई) का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके अलावा गैर संस्थागत देखभाल मद में स्पॉन्शरशिप के लिये 60000 तथा फॉस्टर केयर व ऑफ्टर केयर के लिए 300-300 बच्चे प्रस्तावित किये गये हैं। 10 संप्रेक्षण गृहों में स्मार्ट क्लासेस की स्थापना के लिये 62,92,240 रुपये के प्रस्ताव को बैठक में अनुमोदन प्रदान किया गया। इससे सीसीआई में रहने वाले सभी बच्चे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। मिशन शक्ति के तहत 181 वीमेन हेल्पलाइन के संचालन के लिये 75,60,000 रुपये, वन स्टाप सेण्टर के संचालन व 96 वाहनों के क्रय के लिये 48,86,94,579 व

- **भारत सरकार की स्वीकृति के लिये प्रस्तावों को प्रदान किया गया अनुमोदन**

10 नारी अदालत के लिये 15,28,000 रुपये बजट मांग के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया। इसी प्रकार हब फार इम्पावरमेंट ऑफ वीमेन के लिये वर्ष 2025-26 में 26,81,20,000 रुपये बजट मांग के प्रस्ताव को बैठक में अनुमोदन प्रदान किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को अपने अधिकारों का लाभ उठाने के लिए सरकार से संपर्क करने के लिए एक इंटरफेस प्रदान करना तथा जागरूकता सृजन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाना। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 4 लाख लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में लाभान्वित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सखी निवास के लिये वित्तीय वर्ष में 1,96,81,800 रुपये के बजट मांग के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। इससे पूर्व बताया गया कि 7 जनपदों में 8 सखी निवास संचालित हो रहे है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 50-50 क्षमता के 3 सखी निवास (बुलन्दशहर, मऊ और मथुरा) संचालित किये जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। 10 सखी निवास 50-50 क्षमता को क्रियाशील करने का भी इसमें शामिल है।

इसी प्रकार शक्ति सदन के लिये वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7,39,46,000 रुपये के बजट मांग के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। शक्ति सदन एक एकीकृत राहत एवं पुनर्वास गृह है, जिसे मानव तस्करी से बचे लोगों सहित संकटग्रस्त महिलाओं के लिए सुरक्षित, सहायक और सशक्त वातावरण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे उन्हें सम्मान के साथ अपना जीवन फिर से बनाने में मदद मिलती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मथुरा में 4 नए शक्ति सदन (प्रत्येक की 50 क्षमता) प्रस्तावित हैं। बैठक में प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती लीना जौहरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अटल आवासीय विद्यालय, उप्र की एसएलएमसी की बैठक सम्पन्न : प्रदेश के मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में अटल आवासीय विद्यालय, उप्र की राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति (एसएलएमसी) की बैठक आयोजित की गई।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों एवं कोविड के कारण अनाथ बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान किये जाने के उद्देश्य से 18 मंडलों में नवोदय विद्यालय की तर्ज पर अटल आवासीय विद्यालय का निर्माण कराया गया है। यह विद्यालय मुख्यमंत्री जी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों और नवीन प्रवेश पाने वाले छात्र-छात्राओं की हर सुविधा का ख्याल रखा जाये। विद्यालय में बच्चों को उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 का शुभारंभ 01 मई, 2025 से प्रारम्भ कराने के लिये के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की। बैठक में बताया गया कि मुरादाबाद में अटल आवासीय विद्यालय का कार्य पूर्ण हो गया है। अभी तक मुरादाबाद के 360 बच्चे अटल आवासीय विद्यालय-बुलन्दशहर में प?ाई कर रहे थे। इस पर मुख्य सचिव ने मुरादाबाद मण्डल के बच्चों को उन्हीं के मंडल में निर्मित विद्यालय में शिफ्ट करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शिफ्टिंग से पूर्व टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टाफ तथा फर्नीचर इत्यादि की व्यवस्थायें सुनिश्चित करा ली जायें।

उन्होंने यह भी कहा कि आगामी 1 मई से शैक्षणिक सत्र के भव्य शुभारंभ व अटल आवासीय विद्यालय-मुरादाबाद का लोकार्पण मुख्यमंत्री जी से कराने के लिये समय प्राप्त करने का अनुरोध किया जाये। बैठक में महानिदेशक अटल अवासीय विद्यालय श्रीमती गजल भारद्वाज ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय 16 अप्रैल, 2025 को पुनः खुलेंगे। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 360 विद्यार्थी अध्ययनरत थे तथा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 280 बच्चों के नए एडमिशन हुए हैं, इस प्रकार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में संभावित कुल छात्रों की संख्या 640 होगी। सभी विद्यालयों में अटल आवासीय समिति द्वारा अनुमोदित संख्या के अनुरूप टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ उपलब्ध है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि नए सत्र में छात्र-छात्राओं का भव्य स्वागत किया जायेगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उनकी सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा जायेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज, प्रमुख सचिव श्रम एमके शनमुगा सुंदरम, श्रम आयुक्त मार्कंडेय शाही, विशेष सचिव श्रम कुणाल सिल्कू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

देश-विदेश डायरी

जिनपिंग 14 से 18 अप्रैल तक वियतनाम, मलेशिया, कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे

बीजिंग, एजेंसी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव एवं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 14 से 18 अप्रैल तक वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। उसने बताया कि श्री जिनपिंग वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव टो लैम और वियतनाम समाजवादी गणराज्य के राष्ट्रपति लुओंग कुओंग के निमंत्रण पर यह दौरा करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रपति 15 से 18 अप्रैल तक मलेशिया और कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे। वह मलेशिया के राजा सुल्तान इब्राहिम और कंबोडिया के राजा नोरोदम सिहामोनी के निमंत्रण पर दोनों देशों की यात्रा पर जा रहे हैं।

अमेरिका : हडसन नदी में हेलीकॉप्टर क्रैश, तीन बच्चों समेत पांच पर्यटकों और पायलट की मौत

न्यू जर्सी, एजेंसी। पर्यटकों के एक परिवार को ले जा रहा एक हेलीकॉप्टर न्यूयॉर्क में हडसन नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में तीन बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई। प्लेन में सवार पांच सदस्यों वाला परिवार स्पेन से था जबकि छठा व्यक्ति पायलट था। यह दुखद दुर्घटना उस समय घटित हुई जब पर्यटकों को ले जा रहा बेल 206 हेलीकॉप्टर नियंत्रण खो बैठा और नदी में गिर गया। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश ने घटना क्रम की पुष्टि करते हुए कहा, हेलीकॉप्टर ने दोपहर करीब 3 बजे स्काईपोर्ट शहर से उड़ान भरी और मैनहट्टन तटरेखा से होते हुए जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज की तरफ दक्षिण की तरफ चला गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद विमान मैनहट्टन हेलीपोर्ट की ओर मुड़ गया और नियंत्रण खोकर होबोकेन घाट के पास हडसन नदी में गिर गया। दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू कर दिए गए। टिश ने कहा, दुर्भाग्यवश, चार पीड़ितों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया, दो अन्य को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां, दुख की बात है कि दोनों ने दम तोड़ दिया। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने बेल 206 मॉडल के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों में बेल 206 सीरीज के हेलीकॉप्टर- जिसमें बेल 206एल भी शामिल है-संयुक्त राज्य अमेरिका में 82 घातक दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं। हादसे को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, हडसन नदी में भयानक हेलीकॉप्टर दुर्घटना। ऐसा लग रहा है कि छह लोग, पायलट, दो वयस्क और तीन बच्चे, अब हमारे बीच नहीं हैं। दुर्घटना का फुटेज भयावह है। भगवान पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों को संतावना दे। परिवहन सचिव सीन डफी और उनके प्रतिभाशाली कर्मचारी इस पर काम कर रहे हैं। वास्तव में क्या हुआ और कैसे हुआ, इसके बारे में जल्द बताया जाएगा। दुर्घटना के बाद संघीय और स्थानीय एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी। अधिकारी इस घातक दुर्घटना के पीछे के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं।

कल या 20 साल बाद, अगली महामारी निश्चित है, डब्ल्यूएचओ प्रमुख की चेतावनी से बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने एक ऐसी चेतावनी दी है, जिससे एक नई चर्चा शुरू हो गई है। WHO के महानिदेशक ने दावा किया कि दुनिया में एक और महामारी का आना तय है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ये कोई संभावना नहीं है, बल्कि वास्तविक खतरा है, जो हेल्थ स्टडी में साबित हो चुका है। दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन की बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगला वैश्विक संकट कभी भी कहा आ सकता है। उन्होंने कहा कि ये संकट कभी भी आ सकता है। उन्होंने कहा कि इसमें 20 साल लगें या फिर कल ही आ जाए। WHO के महानिदेशक ने चेताया और दुनिया को अगली महामारी के लिए पहले से तैयार रहने के लिए सलाह दी। उन्होंने कहा कि जियोपॉलिटिकल और इकोनॉमिक क्राइसिस की वजह से कोरोना महामारी की याद धुंधली होती जा रही है। हालांकि, हमें अगली महामारी के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने अपनी बातों को दोहराते हुए कहा कि हमें अगली महामारी के लिए तैयार रहना चाहिए। अगली महामारी 20 साल बाद भी आ सकती है। या हो सकता है ये कल ही आ जाए। WHO के महामिदेशक ने कहा कि कोरोना महामारी ने क्या किया। आधिकारिक तौर पर कोराना महामारी के कारण 7 मिलियन लोग मारे गए। उन्होंने आगे कहा कि हमारा अनुमान है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है।

पर्यटन विकास और सौन्दर्यीकरण की परियोजनाओं के लिए 34.73 करोड़ मंजूर

लखनऊ, चसं। फिरोजाबाद के मंदिरों, प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के निर्माण के लिए 34 करोड़ 73 लाख रूपये की 19 परियोजनायें वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत स्वीकृत की गयी हैं। इन परियोजनाओं के पूरा हो जाने से श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। फिरोजाबाद सुहाग नगरी के नाम से मशहूर है तथा आगरा के समीप होने के कारण देश-विदेश से सैलानी सालभर आते रहते हैं। इसको दृष्टिगत रखते हुए प्राचीन ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थलों पर पर्यटन विकास की सुविधायें विकसित करने का निर्णय लिया गया है। परियोजनाओं को पूरा कराने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लि. को सौपी गयी है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सेक्टर अंतर्गत स्वीकृत इन परियोजनाओं के अंतर्गत फिरोजाबाद के ग्राम हुसैनपुर स्थित शिव वाटिका का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास कराया जायेगा। साभौर बाबा मंदिर क्षेत्र के पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का विकास सिद्ध बाबा मंदिर भारौल का पर्यटन विकास, नारखी धौकल के प्राचीन देवर्षि नारद मुनि मंदिर का पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण, सिरसागंज हैबतपुर रोड स्थित ओमकारेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में वेद उपवन का निर्माण कार्य कराया जाना है।

ऊर्जा मंत्री पहुंचे भदोही, गांव चलो अभियान और प्रवास कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **अब सड़क निर्माण और विकास कार्य से अछूता नहीं रहेगा कोई गांव**

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा शुक्रवार को भदोही की विधानसभा औराई के अंतर्गत महाराजगंज की ग्रामसभा शिवरामपुर सिंहापुर की बूथ संख्या 344 में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित गांव चलो अभियान एवं प्रवास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर उपस्थित लोगों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं के बारे में बताया तथा लाभार्थियों से योजनाओं के लाभों के बारे में जानकारी ली।

कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में डबल इंजन की सरकार चल रही है। मोदीजी विगत 11 वर्षों से देश के विकास और गरीबों की भलाई के लिए कार्य कर रहे है और यही कार्य प्रदेश में योगी जी कर रहे है। इसके पहले 70 सालों से देश व प्रदेश में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी की सरकारे रही उन्होंने इस दिशा में कोई कार्य नहीं किया। प्रधानमंत्री ने आज वाराणसी में हजारों करोड रुपए की विकासपरक योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इससे लोगों की सड़क, पानी, बिजली की व अन्य जरूरतें पूरी होगी। इससे बनारस, भदोही, मिर्जापुर, चंदौली, गाजीपुर तक की सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। अब कोई भी गांव सड़क निर्माण और विकास कार्य से अछूता नहीं रहेगा। शहरों की तरह ही गांव में भी विद्युत आपूर्ति में सुधार किया जा रहा है। जर्जर तार, खंभे बदले जा रहे। ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को कोई परेशानी न हो इसलिए भाजपा कार्यकर्ता विपरीत परिस्थितियों व भीषण गर्मी में भी लोगों के बीच जा रहे हैं और उनके लिए कार्य कर रहे है। जनता से संवाद कर उनकी समस्याएं जान रहे और कहां पर क्या विकास कार्य होना है उसके लिए कार्य कर रहे है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से हाथ उठवाकर योजनाओं के मिलने की बात पूछी और कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया कि जिन गरीब लोगों को अभी तक योजनाओं का लाभ नहीं मिला उन्हें इनका लाभ दिलवाने में मदद करें। गांव के सभी गरीबों को आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलना चाहिए। आयुष्मान कार्ड से गरीबों को 05 लाख रुपए का मुक्त इलाज होता है, देश के 70 वर्ष से अधिक के सभी वृद्धजनों को भी मुक्त इलाज दिया जा रहा है। मोदी देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों को मुक्त राशन दे रहे हैं तथा प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को यहीं राशन मिल रहा है। प्रत्येक गरीब व्यक्ति को पीएम आवास योजना से पक्का मकान और शौचालय की सुविधा दी जा रही है।

फ्यूजन फेस्ट का आगाज हुआ

लखनऊ, चसं। लखनऊ के आईएमआरटी बिजनेस स्कूल में तीन दिवसीय फ्यूजन फेस्ट की शुरुआत हुई। पद्मश्री और अर्जुन अवार्डी एथलीट सुधा सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि रंग, बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन और पूर्व आईएफएस अधिकारी देशराज बंसल और निदेशिका शिल्पिका पांडेय समेत कई शिक्षक मौजूद रहे। पहले दिन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। शहर के 20 कॉलेजों से 600 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लिया।

पीडीए में सामान्य वर्ग का न स्थान न ही सम्मान डॉ. राजेश्वर सिंह का सपा पर सीधा निशाना

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने समाजवादी पार्टी की जातिवादी राजनीति पर एक तीखा,प्रहार करते हुए गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सपा द्वारा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनीति के नाम पर समाज को केवल विभाजित किया गया है, और सामान्य वर्ग की लगातार उपेक्षा की गई है।

अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल से जारी संदेश में डॉ. सिंह ने लिखा-

'ना पछतावा, ना शर्म – बस जातिवाद की राजनीति!

कभी रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले,

कभी औरंगजेब के समर्थकों के साथ,

कभी राणा सांगा जी को गालियां देने वालों,

तो कभी प्रभु राम की निंदा करने वालों के साथ!

सरोजनीनगर विधायक ने यह भी जोड़ा कि सपा की राजनीति समाजवाद के नाम पर समाज को तोड़ने का काम कर रही है। जिसमें न विकास का सपना है, न समरसता की भावना। उन्होंने कहा यह समाजवाद नहीं, यह समाज का घात है-

जिसने प्रदेश को पीछे धकेला,

और देश को कमजोर कर रहे,

जिनके पीडीए में सामान्य वर्ग का कोई स्थान नहीं, कोई सम्मान नहीं है!

केवल बांटने की नीति,

तुष्टिकरण की राजनीति,

यही समाजवादी सोच का प्रमाण है।

अपने ट्वीट के अंतिम हिस्से समाजवादी पार्टी पर तंज करते हुए विधायक ने लिखा-

मुझे उस दिन का इंतजार है,

जब समाजवादी पार्टी जातिवाद की ज़ंजीर तोड़ेगी, 21वीं सदी की सोच अपनाएगी,

डिजिटल युग के अनुकूल कुछ बात करेगी।

पर अभी तो...

ना विकास का सपना, ना समरसता की धार,

सिर्फ़ जाति की गिनती, और वोट का हिसाब,

जातिवाद, जातिवाद और जातिवाद,

यही समाजवादी पार्टी का असली रूप है !

डॉ. सिंह का यह संदेश ऐसे समय में आया है जब समाजवादी पार्टी के एक राज्यसभा सांसद द्वारा राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान पर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा अपनी पार्टी के नेता का यह कहकर बचाव किया गया कि उक्त वक्तव्य को राज्यसभा को कार्यवाही से निकाल दिया गया।

सपा प्रमुख के बयान से एक बार फिर राणा सांगा पर आस्था रखने वाले वर्ग को निराशा ही हाथ लगी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 34 छात्रों का हुआ कैम्पस प्लेसमेंट

लखनऊ, चसं। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 31 छात्रों का चयन प्रतिष्ठित कंपनियों विप्रो, सेवेंटी फाइव वे टेक्नोलॉजी, जारो एजुकेशन, एकेडेमोर और उम्मीद संस्था में हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, ÷यह उपलब्धि हमारे छात्रों की प्रतिभा, मेहनत और संकल्प का प्रमाण है। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि जारो एजुकेशन कंपनी में बी.टेक की छात्रा नेहा चौधरी का चयन बिजनेस डेवलपर के पद पर 8.58 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ है।